आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय

ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

दिल्ली विश्वविद्यालय || UNIVERSITY OF DELHI

ACCREDITED GRADE 'A++' WITH HIGHEST CGPA 3.77 BY NAAC

NIRF ALL INDIA RANK 6TH

छात्रों की पुस्तिका

STUDENT HANDBOOK

2024-25

अपने अंतस के,अंधेरों से बाहर निकल,
कल का क्या भरोसा,आज चल और अभी चल,
फिसल न जाओ कहीं इस तरह संभल के चल,
अपने अंतस के अंधेरों से बाहर निकल।

संवार दो जग को धरती से आसमान तक,
तराश लो ख़ुद को, कि बदले जहान ए फ़लक,
जगा ले तन-मन, जीवन , जन-जन को ,
बढ़ा तू नित नये कदम अपनी मंज़िल की डगर,
रुकें न तेरे कदम तूफ़ाँ हो या हो दलदल,
फिसल न जाओ कहीं इस तरह संभल के चल।

साधना अनवरत संयम से तपते हुए,
ज्ञान को कांति से संपन्न कर दमकते हुए,
नवल आलोक में भव्य भारत भाल पर,
सजा दे, विश्वगुरु का ताज,तू उत्थान कर,
जागते रहना है रात-दिन ,पल-प्रतिपल,
फिसल न जाओ कहीं इस तरह संभल के चल।

है ये सच कि हर युवा इस देश का भविष्य है,
तुम्हारा पुण्य कर्म, राष्ट्र यज्ञ का हविष्य है,
समर्पित हर तरह से तू ,उन्मेष का आधार धर,
निज राष्ट्र विकसित भारत के स्वप्न को साकार कर।

अपने अंतस केअंधेरों से बाहर निकल,
कल का क्या भरोसा आज चल और अभी चल,
फिसल न जाओ कहीं,इस तरह संभल के चल।

~ज्ञानतोष कुमार झा

Table of CONTENTS

Institutional Achievements....01
प्राचार्य का संदेश....03
Principal Message....59
विद्यार्थी दस्तावेज़....04
Student Documents....60
शुल्क और वित्तीय सहायता....07
Fee and Financial Assistance....63
पुस्तकालय सुविधा....12
Library Facilities....68
अपना महाविद्यालय....15
About the college....71
समृद्ध एवं विविधतापूर्ण कैंपस....16
Know your Campus....72
NEP Structure....75
State-wise UG & PG Admissions....84
शैक्षणिक विभाग....19-38
Academic Departments....85-104
स्टूडेंट सोसायटी....39
Student Societies....105
विभागीय संयोजकों की सूची....42
List of Teacher In-Charge....108
शैक्षणिक पहल....43
Academic Initiatives....109
अनुसंधान एवं नवाचार कार्यक्रम....44
Research & Innovation Programmes....110
इंटर्न-ओ-फ़िरा 6.0....45
INTERN-O-FEIRA 6.0....111
छात्र प्रगति और प्लेसमेंट....46
Student progression and Placement....112
छात्र संघ....47
Alumni Association....113
एआरएसडी के प्रख्यात पूर्व छात्र....48
Eminent ARSD Alumni....114
आंतरिक अंत:विषयक अनुसंधान और नवाचार परियोजनाएं....50
In-house Interdisciplinary Research & Innovation Projects....116
कायदा कानून....51
Rules and Regulations....117
पीपल्स टू हेल्प यू....55
People to Help You....122
विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ....56
Students' Achievements....123
Alumni Testimonials....126

Institutional Achievements

NAAC Accredited A++ grade with the highest CGPA 3.77

NIRF Ranking 2023

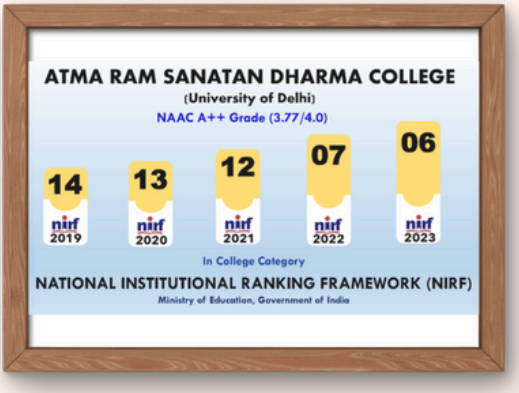

This year also the college participated in NIRF Ranking 2023 conducted by the Ministry of Education (MoE), Government of India and secured 6th Rank which shows its dedication towards the overall development of its stakeholders

India Today Ranking 2024

Stream	Rank
Commerce	8
Arts	9
Science	1

5th Rank in Pol. Sci. (Hons.)
7th Rank in History (Hons.)

Green Audit

Since the last few years, an annual Green Audit has been conducted in the College by experts in the field. Last year too the College campus was declared as an Eco-friendly Campus due to its lush green open area, tree census, herbal garden, bamboo classrooms, proper waste disposal systems, rain water harvesting and paper recycling, to name a few ecofriendly practices being followed on a regular basis.

प्राचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियो,

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (एआरएसडी) में अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू करने पर आप सभी छात्रों का हार्दिक स्वागत है। यह छात्र-पुस्तिका आपको आवश्यक जानकारी और संसाधन प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, ताकि महाविद्यालय में आपकी यात्रा समृद्ध एवं यादगार बन सके।

एआरएसडी महाविद्यालय में हम शिक्षा, समग्र विकास और नवाचार में उत्कृष्टता की अपनी विरासत पर बहुत गर्व करते हैं, जो हमारे संस्थान को विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थीयों के लिए एक जीवंत स्थान बनाता है। हमारे संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से 3.77 के स्कोर के साथ 'ए++' ग्रेड की मान्यता प्राप्त होने का गौरव मिला है, जो अब तक दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में सबसे अधिक है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग के अंतर्गत एआरएसडी महाविद्यालय ने महाविद्यालयों की श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर छठी रैंक हासिल की है तथा इंडिया टुडे की विभिन्न रैंकिंग में भी हमारा महाविद्यालय शीर्ष स्थान पर है। ये उपलब्धियाँ उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के क्षेत्र में 17 पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न एड्-ऑन, सर्टिफिकेट और मूल्य-संवर्धन पाठ्यक्रमों में शिक्षण का अवसर उपलब्ध कराते हैं। हमारा वार्षिक इंटर्नशिप मेला और सक्रिय प्लेसमेंट सेल छात्रों को केपीएमजी (इंडिया एवं ग्लोबल), ऑर्नस्ट एवं यंग ग्लोबल, इंडिगो एअरलाइंस, क्लेअॅरवोलेक्स एवं आइसीआइसीआइ प्रुडेंशियल जैसी शीर्ष स्तर की नामचीन कंपनियों के साथ जुड़ने का अवसर देती हैं। इसके अतिरिक्त, हम छात्रों को मानविकी और विज्ञान से संबंधित विषयों में भी विविध प्रकार के इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करते हैं।

एआरएसडी महाविद्यालय स्नातक अनुसंधान एवं नवाचार की जीवंत संस्कृति को बढावा देता है। सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय (माइक्रो स्मॉल एण्ड मीडियम इन्टरप्राइजेज- एम.एस.एम.इ.) के सहयोग से सेन्टर फॉर इनोवेशन एण्ड ऑन्ट्रेप्रन्यूनियल लीडरशिप (सी.आइ.इ.एल.) के साथ-साथ भारत सरकार के जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा प्रायोजित महाविद्यालय परिसर में स्थापित विज्ञान केन्द्र छात्रों को शोध के अवसर प्रदान करता है। इन-हाउस इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन प्रोजेक्ट्स स्कीम "प्रबोध" छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का रचनात्मक समाधान तलाशने में समर्थ बनाता है।

हमारा संस्थान एक समग्र और व्यक्तित्व निर्माण में सहायक, परिवर्तनकारी शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। यहाँ छात्रों को अपनी पढ़ाई एवं व्यक्तिगत कल्याण के बीच एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखने में मदद करने के लिए काउंसेलिंग, वेलनेस सेशन तथा मेन्टर-मेंटी प्रोग्राम जैसी विभिन्न सहायता सेवाएँ भी उपलब्ध होती हैं। एआरएसडी में आप विविधता को अपनाएँ, अपने ज्ञान को परिष्कृत करें तथा आपसी सम्मान एवं समझ पर आधारित एक समावेशी समुदाय को बढ़ावा दें।

यह पुस्तिका आपके महाविद्यालयी जीवन के दौरान आपकी मार्गदर्शिका है, जिसमें शैक्षणिक नीतियाँ, परिसर की सुविधाएँ, आचार संहिता और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसर शामिल हैं। एआरएसडी में महाविद्यालयी जीवन केवल शिक्षा के बारे में नहीं है; यह स्वयं को जानने, आजीवन दोस्त बनाने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर है। चुनौतियों को स्वीकार करें, अनुभवों से सीखें और हर पल का भरपूर आनंद लें।

मैं आपकी प्रगति और उपलब्धियों को देखने के लिए उत्सुक हूँ। आइए, हम सब मिलकर एआरएसडीमें आपके ज्ञानार्जन की इस यात्रा को कान्ति से सम्पन्न एवं आनंद से परिपूर्ण एक यादगार यात्रा बनाएँ। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ महाविद्यालय के खुशहाल वातावरण में ज्ञानार्जन के लिए मैं एक बार फिर से आप सबका एआरएसडी परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूँ।

आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ!

प्रो. ज्ञानतोष कुमार झा
प्राचार्य

विद्यार्थी दस्तावेज़

पहचान पत्र

सभी विद्यार्थियों को कॉलेज में अपना छात्र पहचान पत्र लाना आवश्यक है। पहचान पत्र हस्तांतरणीय नहीं हैं। यदि किसी तरह, मूल कार्ड खो जाता है और कारण वास्तविक लगता है, तो डुप्लिकेट कार्ड केवल 250रुपये के जुर्माने के भुगतान पर जारी किया जाएगा।

पाठ्यक्रम/विषय का स्थानांतरण

विद्यार्थियों को एक अनुशासन (पाठ्यक्रम)से दूसरे में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप है।

वास्तविक प्रमाण पत्र

विद्यार्थियों को यदि वास्तविक प्रमाण पत्र की आवश्यकता है,तो उसे कॉलेज के प्राचार्य को संबोधित कर एक आवेदन पत्र लिखना होगा और उसे कार्यालय में जमा करना होगा। कार्यालय अगले दो कार्य दिवसों के भीतर प्रमाणपत्र जारी कर देगा।

प्रवासन प्रमाणपत्र

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। (https://app.uod.ac.in/migration/). विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र को पहले कॉलेज द्वारा सत्यापित किया जाता है, फिर विद्यार्थी को भुगतान रसीद के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस में आवेदन जमा करना होगा।

निकासी प्रमाण पत्र

कॉलेज छोड़ने के इच्छुक विद्यार्थी को प्राचार्य को लिखित रूप में आवेदन देना होगा और आवेदन को विभाग के प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाना चाहिए। विद्यार्थी को संबंधित विभाग और पुस्तकालय से 'अदेयप्रमाण पत्र ' भी लेना होगा। विद्यार्थी को बिना किसी देय राशि के आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करना होगा।

प्रतिलिपि

विद्यार्थी को यदि प्रतिलिपियों की आवश्यकता है,तो फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://app.uod.ac.in/transscript/ पर उपलब्ध है। संबंधित दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र को कार्यालय से सत्यापित किया जाना चाहिए और दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस में जमा किया जाना चाहिए। प्रतिलिपियाँ दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैम्पस से एकत्र कर सकते हैं।

डीटीसी पास

विद्यार्थी,दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस से 3 महीने के लिए रियायती दरों पर डीटीसी पास प्राप्त कर सकते हैं।

विश्व विश्वविद्यालय सेवा सदस्यता:

कॉलेज डीयू, साउथ कैंपस में स्थित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विसेज (डब्ल्यूयूएस) के स्वास्थ्य केंद्र से संबद्ध है। विद्यार्थियों को DU वेबसाइट (http://www.du.ac.in/uploads/amenities/WUS/03032017_Wus_Student.pdf). पर उपलब्ध निर्धारित आवेदन पत्र पर WUS सदस्यता के लिए आवेदन करना आवश्यक है। इसे सत्यापन के लिए कॉलेज प्रशासनिक कार्यालय में और फिर सदस्यता के लिए WUS केंद्र में जमा करें। अतिरिक्त जानकारी http://www.du.ac.in/index.php?page=HealthCentre से प्राप्त की जा सकती है।

रेल रियायत टिकट

रेल रियायत टिकिट विद्यार्थियों को केवल छुट्टियों के दौरान कॉलेज से अपने गृह नगर के लिए जाने पर या अपने गृह नगर से कॉलेज आने के लिए उपलब्ध होता है। इस प्रयोजन के लिए, प्रवेश पत्र पर घोषित स्थायी घर का पता हो । यह स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि रेल रियायत सुविधाओं को उदाहरण के लिए, किसी हिल स्टेशन या स्थायी घर के अलावा किसी अन्य स्थान पर जाने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता है।

रेलवे रियायत फॉर्म कॉलेज के कार्यालय में उपलब्ध है।

अनुसरण किए जाने वाले चरण

1. विद्यार्थियों को रेलवे रियायती टिकट के लिए कॉलेज के प्रशासनिक कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा।
2. कार्यालय रेलवे रियायत फॉर्म जारी करेगा।
3. फॉर्म को कॉलेज से सत्यापित कराने के बाद विद्यार्थी को इसे रेलवे रिजर्वेशन सेंटर में जमा करना होगा।

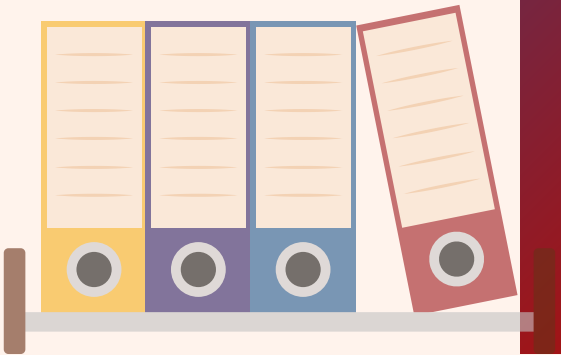

शुल्क और वित्तीय सहायता

शुल्क का भुगतान (प्रथम वर्ष के विद्यार्थी)

- प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को प्रवेश को अंतिम रूप देने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के पोर्टल पर ऑनलाइन शुल्क का भुगतान करना आवश्यक है।

शुल्क का भुगतान (द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी)

- • दूसरे और तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों को कॉलेज के पोर्टल पर ऑनलाइन शुल्क का भुगतान करना होगा।
- • कॉलेज शुल्क शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में एक ही किस्त में देय है।
- • शुल्क भुगतान चिह्न (कॉलेज/परीक्षा शुल्क) के निर्देश समय-समय पर कॉलेज की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाते हैं।
- • यह विद्यार्थियों की जिम्मेदारी होगी कि वह अधिसूचित तिथियों पर निर्दिष्ट अपने कॉलेज के बकाया का भुगतान करे।
- • जो विद्यार्थी अधिसूचित तिथि पर या उससे पहले शुल्क या किसी अन्य बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, उससे विलंब शुल्क लिया जाएगा।
- • यदि विद्यार्थी समय पर अपने कॉलेज के बकाया का भुगतान नहीं करते हैं तो उनके नाम कॉलेज से काट दिए जाएंगे।
- • जिस विद्यार्थी को निर्दिष्ट तिथि पर फीस का भुगतान करना असंभव लगता है, वह इसका कारण बताते हुए उक्त तिथि से पहले आवेदन कर सकता है।
- • सफल लेनदेन के तुरंत बाद शुल्क पर्ची स्वचालित रूप से विद्यार्थी लॉगिन में दिखाई देती है। किसी भी विसंगति के मामले में विद्यार्थी लेखा विभाग से संपर्क करेगा।
- • कॉलेज छोड़ने के इच्छुक विद्यार्थी को प्रिंसिपल को लिखित रूप में आवेदन करना होगा। शुल्क निकासी की तारीख के अनुसार समायोजित किया जाएगा।

शुल्क वापसी

नियम दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से विधिवत घोषित किए जाते हैं।

शुल्क रियायत और विद्यार्थी सहायता

- कॉलेज के विद्यार्थी कॉलेज द्वारा प्रदान की जाने वाली शुल्क रियायत और विद्यार्थी सहायता सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।
- जो विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं, उनसे आवेदन मांगने की सूचना कॉलेज के नोटिस बोर्ड के साथ-साथ कॉलेज की वेबसाइट पर भी दी जाती है।
- विद्यार्थियों को निर्धारित फॉर्म भरना होगा और इसे आवश्यक दस्तावेजों जैसे आय प्रमाण पत्र, अंतिम परीक्षा की मार्कशीट, बैंक खाता विवरण आदि के साथ जमा करना होगा। वर्तमान में, उन्हें ऑनलाइन Google फॉर्म के माध्यम से आवेदन करना होगा।
- शुल्क रियायत और विद्यार्थी सहायता समिति आवेदकों की उपयुक्तता सुनिश्चित करने और प्रत्येक विद्यार्थी को प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि तय करने के लिए पाठ्यक्रमानुसार आवेदकों के साथ बातचीत करती है।
- शुल्क रियायत और विद्यार्थी सहायता समिति अनुशंसित विद्यार्थियों की सूची प्राचार्य को भेजती है और बर्सर और प्राचार्य के अनुमोदन के बाद, लेखा विभाग विद्यार्थियों को सहायता राशि वितरित करता है।

छात्रवृत्ति (विश्वविद्यालय)

दिल्ली विश्वविद्यालय मेधावी और आर्थिक रूप से जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए कई छात्रवृत्तियाँ, पुस्तक अनुदान और वित्तीय सहायता देता है। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर जारी होने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रवृत्ति सेल से संपर्क करें। छात्र छात्रवृत्ति के लिए भी आवेदन कर सकते हैं जैसे:

- ब्लाइंड फाउंडेशन छात्रवृत्ति
- दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए मार्गाश्वट्ज़ मेरिट छात्रवृत्ति
- विश्व ब्रदरहुड संगठन शिक्षा छात्रवृत्ति
- एससी/एसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति।

छात्रवृत्ति (राज्य सरकार)

अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थी अपने संबंधित राज्य शिक्षा विभागों से पता लगा सकते हैं कि कॉलेज की शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध है या नहीं।

सरकारी छात्रवृत्ति (एनएसपी: राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल)

एनएसपी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक पोर्टल है, जो विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के लिए एक बार पंजीकरण करना होगा और ओटीआर/संदर्भ संख्या का उपयोग करना होगा (https://scholarships.gov.in.) ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद, विद्यार्थियों को आवेदन की हार्ड कॉपी प्रासंगिक दस्तावेज के साथ नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए कॉलेज में जमा करनी होगी।

ई-डिस्ट्रिक्ट दिल्ली

दिल्ली अधिवास वाले एससी/एसटी/ओबीसी छात्र ई-डिस्ट्रिक्ट (https://edistrict.delhi.gov.in) के माध्यम से छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद विद्यार्थियों को आवेदन की हार्ड कॉपी संबंधित दस्तावेजों के साथ नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन के लिए कॉलेज में जमा करनी होगी।

आरक्षित वर्ग के लिए छात्रवृत्ति

अनुमोदित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित विद्यार्थियों के लिए, उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति की एक योजना है, जिसके लिए विद्यार्थी संबंधित राज्य प्राधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

छात्रवृत्ति का नाम	मानदंड	पाठ्यक्रम
तनेजा फाउंडेशन छात्रवृत्ति	10 मेधावी छात्र- छात्राओं को	सभी के लिए
सुल्तान चंद स्मृति छात्रवृत्ति	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी. कॉम (ऑनर्स) द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
सुल्तान चंद द्रौपदी देवी स्मृति छात्रवृत्ति	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी. कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष
डा. उषा अग्रवाल तेजस्वी पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी. कॉम (प्रोग्राम) द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
रुक्मन-तारा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन शास्त्र
इन्दर राज धवन स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी
राज कुमारी धवन स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स
डा. मंजु धवन स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी, तृतीय वर्ष
डा. नरेश कुमारी सुरेश स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

छात्रवृत्ति का नाम	मानदंड	पाठ्यक्रम
एस. के. बत्रा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी एव बी.एससी. (फिजिकल साइंस) इलेक्ट्रॉनिक्स
संजीव अरोड़ा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान
जीतेन्दर अरोड़ा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.ए. (प्रोग्राम)
प्रिंसिपल सी. एल. सुरी स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
श्री शाम सुन्दर अरोरा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
अकादमिक पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ प्रथम एवं द्वितीय छात्र/छात्रा को	सभी के लिए
डा. के. सी. त्रिखा स्मृति पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा को	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन शास्त्र
अलुमनी असोसिएशन	10 Students (Merit + Need)	सभी के लिए
स्वर्गीय श्री राजेंद्र मोहन (आईपीएस) मेमोरियल छात्रवृत्ति	3 छात्र/ छात्रा को	सभी के लिए
स्वर्गीय प्रो. सुरेश चंद्र दुबे मेमोरियल छात्रवृत्ति	2 छात्रा को	कला विषय में

पुस्तकालय सुविधा

कॉलेज में दो मंजिला, पूरी तरह से स्वचालित और वाई-फाई-सक्षम पुस्तकालय है जिसमें 1,15,769 किताबें और 526 हार्डबाउंड जर्नल हैं, और 30 जर्नल और 6000 ई-जर्नल की सदस्यता है, साथ ही संदर्भ स्रोतों का एक बड़ा संग्रह है, जैसे विश्वकोश, शब्दकोश, एटलस, वार्षिक पुस्तकें, हैंडबुक, आदि। इसमें लगभग 100 छात्रों के बैठने की क्षमता है और 30 संकाय सदस्यों के लिए अलग से पढ़ने की जगह है। इसमें एक छात्र सहायता निधि अनुभाग और एक ई-लर्निंग केंद्र है। पुस्तकालय में RFID सुविधा स्थापित है।

पुस्तकालय हाउसकीपिंग संचालन को स्वचालित करने के लिए SOUL 3.0 एकीकृत लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ़्टवेयर का उपयोग करता है। पुस्तकालय सॉफ़्टवेयर OPAC फ़ंक्शन की सुविधा देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने आवश्यक दस्तावेज़ों तक पहुँच सकते हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय INFLIBNET-NLIST डेटाबेस की सदस्यता लेता है साथ ही उपयोगकर्ताओं को भारत और विदेश से किताबें उधार उपलब्ध कराने के लिए पुस्तकालय के पास डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (DELNET) की सदस्यता भी है। लाइब्रेरी में नेत्रहीनों के लिए रीडिंग सॉफ़्टवेयर, ईयर-प्रोनोट्स, थिंकपैड और JAWS सॉफ़्टवेयर की स्थापना के साथ कंप्यूटर भी हैं।

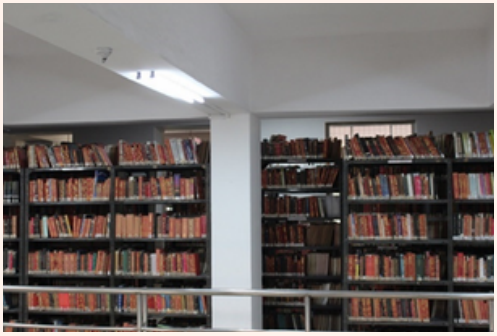

पुस्तकालय सदस्यता

सदस्य श्रेणी	पुस्तकें	जारी करने की अवधि	पुस्तक बैंक/ एसएएफ पुस्तकें
स्नातक छात्र	4 (प्रोग.) और 5 (ऑनर्स.)	14 दिन	एक सेमेस्टर के लिए 2 पुस्तकें
स्नातकोत्तर छात्र	6	14 दिन	

पुस्तकालय का समय

दिन	कार्य के घंटे	परिसंचरण समय
सोमवार से शुक्रवार	सुबह 8:30से शाम 5:30 तक	सुबह 9:30 से शाम 4:00 बजे तक
शनिवार	सुबह 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक	शनिवार को कोई संचलन कार्य नहीं किया जाता
रविवार एवं अन्य राजपत्रित अवकाश	बंद	बंद

पुस्तकालय उपयोग के नियम व कायदे :

- छात्र अपना पहचान पत्र दिखाकर पुस्तकें उधार ले सकते हैं।
- शारीरिक रूप से दिव्यांग /एससी/एसटी/ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस/मेधावी श्रेणियों से संबंधित छात्र भी छात्र सहायता निधि संग्रह से पुस्तकें उधार लेने के हकदार हैं।
- पुस्तकों के लिए विलम्ब शुल्क 1.00 रुपये प्रतिदिन है।
- पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त करने से पहले, पृष्ठों की अच्छी तरह से जाँच कर लेनी चाहिए और यदि पृष्ठ गायब हों या पेन/पेंसिल से निशान लगे हों तो कृपया काउंटर पर मौजूद व्यक्ति से हस्ताक्षर करवा लें। पुस्तक वापस करते समय, यदि पृष्ठ गायब पाए जाते हैं या पेन/पेंसिल से निशान लगे होते हैं, तो इसके लिए उधारकर्ता जिम्मेदार होगा।
- शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्रों को पहले सेवा दी जाएगी ।
- पुस्तकालय में उपयोग के लिए संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएं, समाचार पत्र और पत्रिकाएँ आदि उपलब्ध हैं।
- पुस्तकालय में व्यक्तिगत पुस्तकें, पत्रिकाएं और अन्य मुद्रित सामग्री लाने की अनुमति नहीं है।

LIBRARY

- पुस्तकालय में उचित अनुशासन और शिष्टाचार बनाए रखना आवश्यक है।
- पुस्तकालय एक शांत क्षेत्र है; इसलिए, पूर्ण शांति बनाए रखी जानी चाहिए।
- पुस्तकालय में प्रवेश करने से पहले मोबाइल फोन को बंद कर देना चाहिए/साइलेंट मोड पर कर देना चाहिए।
- छात्रों को अपना बैग और अन्य सामान (पैसे और कीमती सामान को छोड़कर) संपत्ति काउंटर पर रखना होगा।
- छात्र पुस्तकों की खरीद और पुस्तकालय सेवाओं में सुधार के लिए अपने सुझाव पुस्तकालय के परिचालन काउंटर पर दे सकते हैं।
- छात्र पुस्तकालय का उपयोग करने में सहायता के लिए हमेशा पुस्तकालयाध्यक्ष/पुस्तकालय कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं ।

आपसे अनुरोध है:

- अनुशासन और शांति बनाए रखें
- लाइब्रेरी के नियमों और प्रक्रियाओं का सम्मान करें और उनका पालन करें
- पुस्तकालय कर्मचारियों के साथ सहयोग करें
- पुस्तकालय परिसर को साफ-सुथरा रखें
- पुस्तकालय संसाधनों और अन्य पुस्तकालय सामग्रियों के दुरुपयोग के मामले में हमें सूचित करें
- अपना बहुमूल्य फीडबैक प्रदान करें

पुस्तकालय वेबसाइट:

www.arsdcollegelibrary.webs.com

संपर्क जानकारी:

श्री दिलीप कुमार चौबे	श्री अरुण रुहेला
प्रोफेशनल सहायक	पुस्तकालय अध्यक्ष
9532986812	9540386307
chaubeydilip123@gmail	arunruhela745@gmail.com

LIBRARY

अपना महाविद्यालय

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (एआरएसडी कॉलेज) एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा इसे 3.77 के उच्चतम स्कोर के साथ A++ ग्रेड महाविद्यालय की मान्यता प्राप्त हुई है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों को प्राप्त उच्चतम स्कोर है। महाविद्यालय अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों और सेवाओं के सभी पहलुओं में कठोर गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में गर्व महसूस करता है। एआरएसडी ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 में अखिल भारतीय स्तर पर छठी रैंक भी हासिल की है। ये उपलब्धियाँ शिक्षा के प्रति एक समग्र एवं व्यापक दृष्टिकोण से युक्त एक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के प्रति इस संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं। उत्कृष्टता, समानता और समावेशिता इस संस्था के संस्थापक सिद्धांत हैं और अपनी स्थापना के बाद से साठ वर्षों में, एआरएसडी ने निरंतर सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक प्रगतिशील और समतावादी समुदाय के निर्माण पर जोर दिया है। महाविद्यालय एक ऐसी संस्था के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प है जो समकालीन जरूरतों के अनुकूल हों तथा सभी हित-धारकों के सर्वांगीण विकास पर बल देता हो।

पिछले कुछ वर्षों से महाविद्यालय ने चहुमुखी प्रगति की है। स्नातक स्तर पर शोध पर जोर, उद्यमशील पहल, कौशल विकास, मजबूत औद्योगिक-संस्था संबंध तथा आइसीटी-सक्षम पठन-पाठन की दिशा में उठाए गए कदम, एक टिकाऊ एवं आत्मनिर्भर प्रणाली के साथ ही संस्था के लिए भी काफी सहायक हैं।

महाविद्यालय में छात्राओं की शिक्षा के लिए भी एक सुरक्षित एवं अनुकूल माहौल है तथा उन्हें उपयुक्त अवसर प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के लिए एक खुशहाल शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना है जिसमें छात्र-छात्राएँ बिना किसी बाधा के समान रूप से अपने ज्ञान एवं कौशल का संवर्द्धन कर सकें। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य 'तेजस्विनावधीतमस्तु', तैत्तिरीय उपनिषद् से लिया गया है जिसका अर्थ है, "हमारा ज्ञान कान्ति से सम्पन्न हो"। महाविद्यालय अपने अतीत की उपलब्धियों पर गर्व करता है तथा भविष्य को बड़ी उम्मीद और दृढ़संकल्प के साथ देखता है।

समृद्ध एवं विविधतापूर्ण कैंपस

एआरएसडी महाविद्यालय में पठन-पाठन महज कक्षा की चार-दीवारी तक सीमित नहीं है। हम ऐसे छात्रों को तैयार करने में विश्वास करते हैं जो न केवल अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली हों, बल्कि पाठ्येतर गतिविधियों में भी गहरी रुचि रखते हों। महाविद्यालय का समृद्ध एवं विविधतापूर्ण कैंपस-लाइफ छात्रों को विभिन्न प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों, खेल-कुद और मनपसंद समितियों के साथ जुड़ने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। यहाँ विभिन्न राष्ट्रीयताओं, राज्यों और पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों की वजह से सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा संगम देखने के लिए मिलता है। ज्ञान, अनुभव और सांस्कृतिक विरासत के समृद्ध आदान-प्रदान से छात्रों में सामुदायिक भावना का विकास होता है और वे विविधता, समावेशिता एवं सहिष्णुता के मूल्यों को आत्मसात करते हैं।

परिसर की कुछ प्रमुख विशेषताएँ

·*12.3* एकड़ में फ़ैले हुए इस महाविद्यालय का परिसर *34600* वर्गफीट निर्मित क्षेत्र के साथ काफी हरा-भरा, मनोरम एवं आकर्षक है।
·पूरे परिसर को वाई-फाई सक्षम बनाया गया है। महाविद्यालय में *10 GBPS* की बैंडविड्थ है, जो एनकेएन द्वारा प्रदान की गई उच्चतम सीमा की है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों को इंटरनेट की आपूर्ति करती है।
·एक तीन मंजिला इमारत जिसमें *32* से अधिक आईसीटी-सक्षम क्लास रूम, डिपार्टमेंट रूम, सोसाइटी रूम, लड़कियों और लड़कों के कॉमन रूम और पैंट्री के साथ एक स्टाफ रूम।
·*5* क्लास रूम, एक अलग स्टाफ रूम और लॉन तथा हर्बल गार्डन के साथ एक अलग कॉमर्स ब्लॉक।
·वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए ऑडियो-विजुअल स्टूडियो बनाया गया है। ई-सामग्री को संकाय सदस्यों द्वारा विकसित किया गया है और व्याख्यान और पठन सामग्री महाविद्यालय की वेबसाइट और यू-ट्यूब चैनल पर अपलोड कर दी गई है।
·संपूर्ण प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन करना तथा कर्मचारी और विद्यार्थियों का डेटा तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना।
·विज्ञान की *15* प्रयोगशालाएँ, जिनमें से *5* एम.फिल./पीएचडी छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त शोध स्तर की प्रयोगशालाएँ हैं।
·*100* कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित *8* कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ।
·अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल उपकरणों से सुसज्जित *2* सेमिनार हॉल।
·*500* छात्रों की क्षमता वाला एक एट्रियम।
·कैंटीन के ऊपर एक अच्छी तरह से सुसज्जित बहुउद्देश्यीय हॉल।
·रैंप, व्हीलचेयर और दिव्यांगों के अनुकूल वॉशरूम जो दिव्यांग विद्यार्थियों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं।
·छात्रों के लिए कॉलेज के बाहर पार्किंग क्षेत्र।
·सीसीटीवी द्वारा महाविद्यालय परिसर का संपूर्ण कवरेज।
·उत्सव: महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव का नाम 'टाइड' है और नए छात्रों के स्वागत के लिए 'आरंभ' का आयोजन किया जाता है।
·पूर्वोत्तर के सांस्कृतिक विरासत की प्रस्तुति हेतु एक विशेष उत्सव 'रेनबो' का आयोजन किया जाता है।
·महाविद्यालय 'रंगशीर्ष जयदेव नाट्योत्सव' नामक थिएटर उत्सव का भी आयोजन करता है। साथ ही एनसीसी के वार्षिक उत्सव 'संघर्ष' का आयोजन भी किया जाता है।

स्नातक पाठ्यक्रम

कॉलेज आर्ट्स/ह्यूमैनिटीज, विज्ञान, वाणिज्य में स्नातक डिग्री और आर्ट्स और वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री के लिए छात्रों का नामांकन करता है।

विज्ञान

बी. एससी. (ऑनर्स) रसायन शास्त्र

बी. एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान

बी. एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

बी. एससी. (ऑनर्स) गणित

बी. एससी. (ऑनर्स) भौतिकी

बी. एससी. (फिजिकल साइंस) रसायन शास्त्र

बी. एससी. (फिजिकल साइंस) कंप्यूटर विज्ञान

बी.एससी. अप्लायड फिजिकल साइंस इंडस्ट्रीयल केमिस्ट्री

बी. एससी. (फिजिकल साइंस) इलेक्ट्रॉनिक्स

वाणिज्य

बी.कॉम

बी. कॉम. (ऑनर्स)

आर्ट्स/ह्यूमैनिटीज

बी.ए. (प्रोग्राम)

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

Postgraduate Courses

आर्ट्स/ह्यूमैनिटीज

एम.ए. हिंदी

एम.ए. अंग्रेज़ी

एम.ए. राजनीति विज्ञान

वाणिज्य

एम.कॉम.

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

विषय संयोजन

श्रेणी ए: संस्कृत + सूची I से कोई अन्य विषय

श्रेणी बी: हिंदी + सूची I से कोई अन्य विषय

श्रेणी सी: कंप्यूटर विज्ञान + सूची I से कोई अन्य विषय

श्रेणी डी: गणित + सूची I से कोई अन्य विषय

श्रेणी ई: अंग्रेजी + सूची I से कोई अन्य विषय

श्रेणी एफ: सूची 2 से कोई दो विषय

सूची I

कंप्यूटर एप्लीकेशन

अर्थशास्त्र

अंग्रेजी

हिंदी

इतिहास

गणित

राजनीति विज्ञान

संस्कृत

सूची 2

अर्थशास्त्र

इतिहास

राजनीति विज्ञान

वनस्पति विज्ञान और जीव-विज्ञान विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

वनस्पति विज्ञान और जीव-विज्ञान विभाग की स्थापना जुलाई 2005 में जीव-विज्ञान (BY105) और पर्यावरण अध्ययन (ES111) का पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए की गई थी। जीव विज्ञान (BY105) और पर्यावरण अध्ययन (ES111) पेपर को 2005-2006 से प्रभावी शैक्षणिक वर्ष के दौरान बीएससी फिजिकल और अप्लाइड फिजिकल साइंस बायोलॉजी पाठ्यक्रमों में नामांकित प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए क्रमशः अनिवार्य और क्वालिफाइंग पेपर के रूप में पेश किया गया था। इस पाठ्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों में जीवित प्रक्रियाओं पर चर्चा करना था। साथ ही, इस पाठ्यक्रम के लिए नए प्रयोगशाला अभ्यास भी डिज़ाइन किए गए, जो आमतौर पर अन्य जीव विज्ञान पाठ्यक्रमों में नहीं पढ़ाए जाते हैं। 2010 में सेमेस्टर आधारित योजना में उसी पाठ्यक्रम को फिर से शुरू किया गया था।

वर्तमान में विभाग जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) और क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) के रूप में 'पर्यावरण विज्ञान' कोर्स पढ़ा रहा है। इसे वनस्पति विज्ञान और जीव-विज्ञान विभाग, दोनों द्वारा साझा किया जाता है।

उद्देश्य

विभाग की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ की गई थी:

- वनस्पति विज्ञान और जीव-विज्ञान में रुचि को प्रेरित और प्रोत्साहित करना।
- छात्रों को हमारे आस-पास दिखने वाले विकासवादी सिद्धांतों और जैव-विविधता से परिचित कराना।
- छात्रों में हमारे ग्रह पर रहने वाले अन्य जीवों के प्रति समझ, उपयोगिता और सम्मान पैदा करना।
- प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की भावना को विकसित करना।
- छात्रों को वनस्पति विज्ञान और जीव-विज्ञान के क्षेत्र में शामिल विभिन्न विषयों से अवगत कराना और उन्हें आगे की पढ़ाई और पाठ्यक्रम के माध्यम से उन क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और शोध करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिनमें उनकी रुचि है।
- आगमनात्मक और निगमनात्मक तर्क के विकास को प्रोत्साहित करना और इस पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक बेहतर अध्ययन और परीक्षा देने के कौशल को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र के लिए जरुरी प्रयोगात्मक तकनीक उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी विश्लेषण क्षमता को बढ़ाना।

शिक्षा संकाय

वनस्पति विज्ञान:
1. डॉ. विभा नारंग
2. डॉ. अनिता सिंह

जूलॉजी:
3. डॉ. स्वाति एम. विश्वास
4. डॉ. कंचन श्रीवास्तव

रसायन-शास्त्र विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

रसायन-शास्त्र विभाग रासायनिक शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। यह महाविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 1959 में हुई थी। रासायनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में इस विभाग की उपलब्धि का एक मजबूत रिकॉर्ड है जिसमें विभाग के शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, प्रोजेक्ट फेलो और बेहतरीन शोध-छात्रों की एक गतिशील टीम का योगदान रहा है। विभाग के शिक्षण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मौलिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक रसायन विज्ञान, कार्बनिक रसायन विज्ञान, भौतिक रसायन विज्ञान और इनसे संबंधित टेक्नोलॉजी का अध्ययन शामिल हैं।

विभाग की प्रगति को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि आज यह विभिन्न शोध परियोजनाएं चला रहा है, जिनकी राशि 3 करोड़ तक है। इसने लगभग 180 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशन प्रकाशित किए हैं; तथा शिक्षकों को कई नामचीन अवार्ड भी मिले हैं। संकाय के सभी शिक्षक सक्रिय रूप से शिक्षण एवं शोध कार्य में लगे हुए हैं और प्रतिष्ठित जर्नल में कई शोध पत्र प्रकाशित कर चुके हैं।

विभाग के पूर्व छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में अच्छी तरह से स्थापित हैं। उदाहरण के लिए भावना अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष, Yatra.com; डॉ. आर के वत्स, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, बीएआरसी, मुंबई; संदीप कुमार, नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर, ईएसआईसी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (ईएसआईसी पीजीआईएमएसआर); विनीत कुमार, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन कुछ प्रमुख नाम हैं।

उद्देश्य

स्थापना के समय से ही, विभाग को छात्रों के भविष्य का मार्गदर्शन और आकार देने वाले उच्च कोटि के योग्य, प्रतिबद्ध और मेहनती शिक्षकों का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। विभाग को डॉ. पी एस राघवन जैसे बेहतरीन शिक्षाविदों का गौरव प्राप्त है, जिन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार (2009) से सम्मानित किया गया; डॉ. एम एस सेठी ने फुकुई विश्वविद्यालय जापान के प्रोफेसर साटके के साथ पुस्तकें प्रकाशित की हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर एवं पीडीएम विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति ए. के. बख्शी भी विभाग से जुड़े रहे हैं।

विभाग की समिति

रसायन विज्ञान के प्रति लोगों की जिज्ञासा बढ़ाने और युवा लोगों में रसायन विज्ञान के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध महाविद्यालय की केमिकल सोसायटी अपने वार्षिक उत्सव केमक्राउन का आयोजन करती है।

शिक्षा संकाय

प्रो .जया तोमर
प्रो. सुनीता भगत
प्रो. प्रशांत सिंह
प्रो. राजीव सिंह
डॉ. सुमन डुडेजा
डॉ. नाओरेम प्रेमजीत सिंह
डॉ. अंजू बजाज
डॉ. सुनीता बंसल
डॉ. नीता आजाद
डॉ. सुभाष चंद्र महापात्र
डॉ. संगीता अग्रवाल
डॉ. मीनाक्षी गुप्ता
डॉ. भास्कर नन्द

श्री नीरज मिश्रा
डॉ. निधि दुरेजा
श्री विष्णु कुमावत
डॉ स्नेह लता
डॉ अंजलि वर्मा
डॉ. ओम प्रकाश यादव
डॉ. रामस्वरूप महरिया
डॉ अनिल कुमार
श्री बचन मीना
डॉ. निमालिनी मोइरांगथेम
डॉ. प्रीति चौधरी
डॉ. अमित कुमार शर्मा

वाणिज्य विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

एआरएसडी महाविद्यालय का वाणिज्य विभाग वर्ष 1964 में केवल दो शिक्षकों, श्री आर.के. ग्रोवर और श्री ए.के. मित्तल के साथ स्थापित किया गया था। बी.कॉम. (प्रोग्राम) का हमारा पहला बैच 1970 के दशक में शुरू किया गया था, जब यह पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल दो महाविद्यालयों - आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय और हंस राज महाविद्यालय को मिला था। शीर्ष रैंक धारक हमारे महाविद्यालय से थे। एआरएसडी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय भी था जिसने 1975 में तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के 20-सूत्री कार्यक्रम के तहत व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण योजना (अब प्लेसमेंट सेल) शुरू की थी, जिसके अध्यक्ष महाविद्यालय के तात्कालीन प्राचार्य डॉ. आर.के. कौशिक थे तथा श्री एस.के. ग्रोवर (सेवानिवृत्त), वाणिज्य संकाय, कर्मचारी सलाहकार थे। वर्तमान में हमारे विभाग में छात्रों की संख्या लगभग 900 है।

उद्देश्य

1. छात्रों को सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक और पाठ्येतर वातावरण से परिचित कराकर उन्हें खुद को जानने और समझने में सक्षम बनाना।
2. बेहतर जीवन, पर्यावरण और समाज के लिए समग्र चिंता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अकादमिक उत्कृष्टता का विभाग बनना।

शिक्षा संकाय

प्रो. संदीप
प्रो. उमा संजय सिंह
प्रो. अंजलि गुप्ता
डॉ. निधि बंसल
डॉ. मनिका जैन
डॉ. कोकिला नेगी
डॉ अनामिका कदम
डॉ इंदु सिंह
श्री बरुण कुमार झा
श्री रविंदर पंत
डॉ अनु प्रिया अरोड़ा
डॉ. परमिंदर कौर
डॉ रुचिका कौरा
डॉ. मो. रेहान आलम
सुश्री नीतू यादव
सुश्री सोनम दत्ता

गीतेश यादव जी
डॉ. राघवेंद्र बोचलिया
डॉ. बलजीत कौर
डॉ. शिव चंदर जी
श्री विक्रम चंद
श्री सुमित कुमार बंसल
सुश्री शिखा
सुश्री प्रियंका

विभाग की समिति

समिति का दृष्टिकोण छात्र केंद्रित है तथा उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। यह मार्च के महीने में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन करता है और विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों की पूर्ण भागीदारी के साथ अंतर-महाविद्यालय और अंतः-महाविद्यालय कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना 1997 में हुई थी। विभाग ने चार वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ इंफॉर्मेशन साइंस (BIS) के साथ शुरुआत की, जो दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित है एवं इसे यूजीसी द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त है। बीआइएस छात्रों का पहला बैच वर्ष 2001 में उत्तीर्ण हुआ और अंतिम बैच वर्ष 2004 में स्नातक हुआ। पाठ्यक्रम को कंप्यूटिंग उद्योग की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम का सिलेबस कोर्स वर्क, असाइनमेंट और प्रोजेक्ट वर्क को संतुलित रूप से मिलाकर डिज़ाइन किया गया था। 2013 से 2017 के बीच बी.टेक. एफवाइयूपी पाठ्यक्रम भी पेश किया गया था। कोर कंप्यूटर विज्ञान के साथ-साथ गणित, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रबंधन पाठ्यक्रमों के अलावा टेक्नोलॉजी में कई पाठ्यक्रम हैं। बाद में पाठ्यक्रम को बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान के तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में बदल दिया गया।

उद्देश्य

कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं की ठोस नींव प्रदान करने के अलावा, पाठ्यक्रम छात्रों को परियोजना कार्य और असाइनमेंट के उचित संयोजन के माध्यम से लगातार बदलती तकनीक को आसानी से अपनाने की क्षमता से लैस करता है।

विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित एवं वातानुकूलित 4 बड़ी कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें सर्वर रूम में हाय इन्ड सर्वरों से जुड़े नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन के लगभग 100 कंप्यूटर हैं। सभी सिस्टम नवीनतम सॉफ़्टवेयर के साथ वाई-फाई से युक्त हैं और इंटरनेट तक पहुँच प्रदान करते हैं। विभाग के प्रबुद्ध एवं समर्पित शिक्षक छात्रों को अकादमिक, उच्च अध्ययन एवं अनुसंधान और प्लेसमेंट में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। नवीन ट्रेंड और प्रौद्योगिकियों की जानकारी से हमारे ज्ञान में अभिवृद्धि होती है जिससे हमें छात्रों के ज्ञान-आधार को मजबूत करने में मदद मिलती है।

विभाग की समिति

विभागीय समिति हर साल दो दिवसीय उत्सव “संगनक विमर्श” का आयोजन करता है। इस उत्सव में क्वेस्ट-मेनिया, डिग द डेटा, हैक द कोड, एल्गो-रिदम, एड-मैड शो और ट्रेजर हंट जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

शिक्षा संकाय

प्रो. वी. एस. दीक्षित
डॉ शालिनी अग्रवाल
श्री मानवेन्द्र यादव
सुश्री मनीषा बागरी
श्री जग मोहन
श्री महेश कुमार
डॉ रौशन कुमार
सुश्री रश्मी मिश्रा

डॉ. लोकेश कुमार श्रीवास्तव
डॉ. पारुल जैन
श्री धर्मेन्द्र सिंह
सुश्री रश्मी यादव
सुश्री अर्चना गहलौत
सुश्री उमा ओझा

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 1959 में महविद्यालय की स्थापना के साथ ही की गई थी। विभाग के अंतर्गत बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र कोर्स की पढाई होती है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में से एक है। विभाग की स्थापना छात्रों को अर्थशास्त्र का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। हमारा प्रयास छात्रों को अर्थशास्त्र के विश्लेषणात्मक उपकरणों से लैस करना है ताकि वे आर्थिक समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ सकें और उनका विश्लेषण कर सकें।

डॉ. ओ.पी. आनंद, डॉ. वाई.पी. छिब्बर, डॉ. रुद्रदत्त, डॉ. सी.एल. खन्ना, डॉ. एस.के. सिन्हा जैसे कुछ छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ शुरू हुआ विभाग वर्षों में विकसित हुआ है। हमारे विभाग के शिक्षकों में से एक डॉ. एम.एम.सूर्य; सितंबर-अक्टूबर, 2000 के दौरान मॉरीशस विश्वविद्यालय के विधि और प्रबंधन विभाग में विजिटिंग फेलो थे। साथ ही 1996-1997 के दौरान दिल्ली राज्य वित्त आयोग के आर्थिक सलाहकार रहे हैं। हमारे चार प्रतिष्ठित संकाय सदस्य - डॉ. अनूप चटर्जी, डॉ. राजन कोहली, डॉ. पी. सारदामणि और सुश्री प्रेमलता आनंद 2015 में सेवानिवृत्त हुए हैं। दिसंबर 2017 में, श्रीमती सावित्री सिधाना 40 से अधिक वर्षों तक संस्थान की सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त हुई हैं। अपने-अपने कार्यकाल में, सभी शिक्षक सदस्यों ने महाविद्यालय में पाठ्येतर और गैर-पाठ्येतर दोनों तरह कार्यों में अपने अपने स्तर से पूरी लगन से सेवा की है। वर्तमान में विभाग में 15 सुयोग्य संकाय सदस्य हैं। हमारे संकाय सदस्य माइक्रो इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स, और पर्यावरण अर्थशास्त्र से लेकर राजनीतिक अर्थव्यवस्था और भारतीय अर्थव्यवस्था तक विशेषज्ञता रखते हैं जिससे हमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र (ऑनर्स) जैसे चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम को पढ़ाने में मदद मिलती है।

उद्देश्य

हमारे संकाय सदस्य माइक्रो इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स, और पर्यावरण अर्थशास्त्र से लेकर राजनीतिक अर्थव्यवस्था और भारतीय अर्थव्यवस्था तक विशेषज्ञता रखते हैं जिससे हमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र (ऑनर्स) जैसे चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम को पढ़ाने में मदद मिलती है।

विभाग की समिति

छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विभाग विभिन्न सेमिनार / वार्ता आयोजित करता है। इससे छात्रों को अपना करियर चुनने में आवश्यक ज्ञान-कौशल एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता है। अर्थशास्त्र विभाग 'इकोनोमिको' सोसायटी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग के सभी संकाय सदस्य और छात्र इस सोसायटी के सदस्य हैं। यह सोसायटी संकाय के मार्गदर्शन में काम करती है, लेकिन काफी हद तक छात्रों द्वारा संचालित है। सोसायटी का मुख्य आकर्षण वार्षिक अर्थशास्त्र उत्सव 'क्वेस्टस' (QUAESTUS) है। क्वेस्टस एक आंतरिक रूप से छात्र-नेतृत्व वाला उत्सव है जिसका उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का अनुभव प्रदान करना है, साथ ही साथ किसी के कौशल को निखारने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। अर्थशास्त्र की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, यह कार्यक्रम सामाजिक अंत:क्रियाओं को करीब से देखने और समान रुचि और विशेषज्ञता वाले लोगों को जानने के लिए एकदम सही है। इस कार्यक्रम में पेपर प्रेजेंटेशन, क्विज़ और वाद-विवाद जैसे कई कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में अंतर-महाविद्यालय स्तर पर भागीदारी देखी जाती है। इस उत्सव में साउथ कैंपस से लेकर नॉर्थ कैंपस तक के छात्र बड़ी संख्या में भागीदारी करते हैं।

शिक्षा संकाय

डॉ. ऋचा सूरी रस्तोगी
श्री रंजन स्वर्णकार
डॉ जय प्रकाश
श्री आभाष कुमार
सुश्री श्वेता नंदा
डॉ. अनुश्रुति
श्री राकेश कुमार
डॉ.रश्मि कुमार
डॉ.सरस्वती
डॉ. डी. अप्पाला नायडू
श्री उत्तम कुमार
श्री दीपक प्रकाश
श्री संदीप कन्याल
सुश्री स्वर्ण लता मीना
डॉ. अनुराधा
सुश्री आकांक्षा सिंह

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। बीएससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स की शुरुआत 1991 में भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के संयुक्त विभाग में की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में अपनी स्थापना के समय से ही कई योग्य और मेहनती संकाय सदस्य हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग अपने छात्रों को गहन, विश्व स्तर पर स्वीकार्य सर्वांगीण ज्ञान देने के लिए प्रतिबद्ध है। लगातार आगे बढ़ते हुए, आज इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स के स्नातकों को ही नहीं बल्कि कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के छात्रों को भी इलेक्ट्रॉनिक्स में विभिन्न विषय पढ़ाता है।

विभाग की प्रयोगशालाएँ आधुनिक हैं और परिष्कृत हार्डवेयर और नवीनतम सॉफ़्टवेयर से सुसज्जित हैं। विभाग के संकाय सदस्य बहुत प्रतिष्ठित शिक्षाविद और शोधकर्ता हैं।

उद्देश्य

• छात्रों में कौशल और योग्यताएँ विकसित करना जो उन्हें उद्योगों में या उनके उच्च अध्ययन के लिए अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद कर सके।

• बुनियादी स्तर से लेकर विस्तृत विश्लेषण के स्तर तक इलेक्ट्रॉनिक्स के मुख्य क्षेत्र से संबंधित गहन ज्ञान प्रदान करना। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के बारे में जानकारी देने के अलावा, अनुसंधान के लिए आधार प्रदान करना।

• व्यावसायिक अभ्यास, नवाचार परियोजनाओं, ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और अनुसंधान की अवधारणाओं को विकसित करना।

सुविधाएँ

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशालाएँ डिजिटल रूप से डेस्कटॉप और लैपटॉप, ब्रॉडबैंड कनेक्शन, प्रिंटर और प्रोजेक्टर से सुसज्जित है, जहाँ छात्रों के लिए नियमित रूप से अतिथि व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ता और विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

सिमुलेशन के माध्यम से प्रयोगशालाओं का संचालन करने के लिए वर्चुअल लैब का उपयोग किया जाता है।

प्रयोगशालाएँ

हमारे कुशल और अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा प्रयोगों को डिज़ाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स के मुख्य क्षेत्र से संबंधित गहन ज्ञान से लैस करना है। वे इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के डिजाइनिंग पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हैं। इससे उन्हें अपनी टीमवर्क क्षमताओं को बढ़ाने में भी मदद मिलती है।

विभाग हाय इन्ड हार्डवेयर ट्रेनर किट और सिमुलेशन सॉफ़्टवेयर टूल के नवीनतम संस्करण के साथ उन्नत प्रयोगशाला की सुविधा से लैस है।

हार्डवेयर लैब:

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग अत्यधिक विकसित हार्डवेयर लैब से सुसज्जित है, जिसमें बेहतर गुणवत्ता और परिष्कृत ट्रेनर किट हैं जो छात्रों को क्षितिज से परे डिजाइन, कार्यान्वयन और सोचने की अनुमति देते हैं। हमारे पास निम्नलिखित हार्डवेयर लैब हैं जो शिक्षण और प्रशिक्षण किट, हार्डवेयर घटकों और योग्य और कुशल लैब प्रशिक्षकों से पूरी तरह सुसज्जित और संपन्न हैं।

सॉफ्टवेयर लैब:

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग इन दिनों हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में अपना आवेदन पाता है। प्रौद्योगिकी में इतनी सारी प्रगति के साथ, सॉफ्टवेयर और प्रोग्रामिंग उपकरण वास्तविक समय और जीवन की तरह सिमुलेशन के साथ-साथ अनुकरण वातावरण प्रदान करते हैं ताकि उन उपकरणों और तर्कों को डिजाइन और कार्यान्वित किया जा सके जो हार्डवेयर सीमाओं से बंधे हैं। स्पाइस, पायथॉन प्रोग्रामिंग,एक्सआइलाइनेक्स, साइलैब, प्रोटियस, एटमेल स्टूडियो और के उपकरण विभिन्न प्रणालियों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने और त्वरित परिणाम देने में मदद करते हैं। ऐसे उपकरणों की मदद से, हमारे सम्मानित शिक्षक और प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा कई शोध पत्र और नवाचारों को लागू किया गया है। हमारे पास निम्नलिखित प्रयोगशालाओं के सबसे उन्नत और नवीनतम संस्करण हैं जो सॉफ्टवेयर उपकरणों से सुसज्जित हैं:

विभाग की समिति

(इलेक्ट्रॉनिक्स सोसायटी) बहुत सक्रिय है और छात्रों को बाहरी संगठनों / उद्योगों के साथ बातचीत करने और सेमिनार / कार्यशालाओं / यात्राओं / कार्यक्रमों का आयोजन करके संबंधित क्षेत्रों में अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त करने के अवसर प्रदान करती है।

शिक्षा संकाय

प्रो. ज्योतिका जोगी
सुश्री अंजू रुस्तगी
सुश्री सरुचि टंडन
डॉ मीना दादू
डॉ. निशा झा
डॉ.पुनीत सहगल
डॉ. सचिन कुमार
श्री हरिकेश मीना

अंग्रेजी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

अंग्रेजी विभाग में उच्च योग्यता प्राप्त शिक्षक कार्यरत हैं। विभाग छात्रों को अपने नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के भीतर काम करने के अलावा इंटर-डिसिप्लीनरी अध्ययनों के माध्यम से मानविकी और सामाजिक विज्ञान के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विचारों, ग्रंथों और समाज के साथ गम्भीर समझ प्रदान के अलावा, विभाग छात्रों को उनकी साहित्यिक और अर्ध-साहित्यिक प्रतिभाओं का पता लगाने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। यह छात्रों के साथ उनके अकादमिक लेखन कौशल को निखारने के लिए नियमित कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है। कॉलेज में बी.ए. अंग्रेजी (ऑनर्स) एक बहुत ही लोकप्रिय पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम पूरा करने में छात्रों का मार्गदर्शन करते समय शिक्षक खुद को पाठ्यपुस्तक पद्धति तक ही सीमित नहीं रखते हैं। छात्रों को अंग्रेजी एसोसिएशन, अंग्रेजी वाद-विवाद सोसायटी, पत्रिका सोसायटी और फिल्म एप्रिसियेसन सोसायटी की गतिविधियों के आयोजन में भाग लेने और जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे उन्हें अपनी रचनात्मक प्रतिभा और सामान्य जागरूकता के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क के अपने कौशल को दिखाने का अवसर मिलता है।

उद्देश्य

शिक्षण और शोध के माध्यम से उनकी कल्पना और आलोचनात्मक सोच को उत्तेजित और विकसित करके साहित्य के छात्रों को सशक्त बनाना और उच्चतम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना।

शिक्षा संकाय

सुश्री गुरवंदना आर.एम. सिंह
सुश्री मौसमी रे
सुश्री कोनिका क्वात्रा
सुश्री शिबानी फुकन
डॉ. अचिंगलिउ कामेई
डॉ गौतम चौबे
डॉ. शुभा द्विवेदी
सुश्री मैत्रेयी रॉयचौधरी
डॉ. रोज़ी सिन्हा
डॉ प्रेरणा सिन्हा
डॉ. ज्योत्स्नाफनिजा बोल्ला
डॉ. प्रियंका कुल्हारी

विभाग की समिति

अंग्रेजी विभाग की समिति हर साल "सॉनेट" उत्सव का आयोजन करता है। इसके प्रति हर साल उत्साह बढ़ता जा रहा है। हम समय-समय पर जानकारी पूर्ण और छात्र-केंद्रित सेमिनार भी आयोजित करते हैं। विभाग हर साल छात्रों के लिए न्यूज़लेटर 'सिनर्जी' भी लॉन्च करता है।

हिंदी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

हिंदी विभाग महाविद्यालय के स्थापनावर्ष 1959 के आरंभिक दिनों से ही उसका एक अनिवार्य हिस्सा रहा है। विभाग बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी के अलावा बी.ए.प्रोग्राम तथा अन्य बी.ए.(ऑनर्स), बी.कॉम.(ऑनर्स), बी.कॉम.प्रोग्राम आदि पाठ्यक्रमों में हिंदी भाषा साहित्य और उससे जुड़े विषयों का शिक्षण देता रहा है। एम.ए. के स्तर पर ट्यूटोरियल कक्षाएँ लेता रहा है। डॉ. तिलकराज शर्मा, डॉ. जगदीश भारद्वाज 'सम्राट', डॉ. प्रेम प्रकाश गौतम, डॉ. एस.के.चंदेल और डॉ. सुरेश्वर के.शास्त्री विभाग के आरंभिक सदस्य रहे हैं, जिनके महत्त्वपूर्ण योगदान और प्रयासों से विभाग का स्वरूप निर्मित हुआ है।डॉ. जयदेव तनेजा (प्रसिद्धरंग समीक्षक, नाट्यालोचक एवंसंपादक), डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया (कथा आलोचक, नाट्य समीक्षक, प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग , भावनगर विश्वविद्यालय) एवं डॉ. सुरेन्द्र नाथ सिंह (प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) हमारे विभाग के पूर्व प्रमुख एवं महत्त्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।

विभाग का लक्ष्य

· विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास
· रचनात्मक अभिवृत्ति विकास
· सामाजिक- सांस्कृतिक चेतना का विकास
· हिंदी भाषा का क्रियात्मक ज्ञान
· साहित्य का सामाजिक, ऐतिहासिक, रचनात्मक एवं तुलनात्मक अधययन
· जिम्मेदार नागरिक निर्माण
· व्यावसायिक पक्ष – भाषा और तकनीक को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों में व्यावसायिक कार्यक्षमता का विकास करना।

परिषद

1. हिंदी परिषद, विभागीय वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करता है ,जिसमे विश्वविद्यालय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिता, काव्यपाठ प्रतियोगिता , साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं समकालीन कवियों का कव्यपाठ कार्यक्रम आयोजित करता है।
2. हिंदी सेमिनार विभाग एवं अन्य विभागों के साथ सहयोग से छात्र केंद्रित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करता है ।

अंतर आनुशासनिक पत्रिका 'समन्वय' का प्रकाशन

हिंदी विभाग पिछले आठ वर्षों से 'समन्वय' नाम से एक छात्र केन्द्रित पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की शोध अभिरुचि को जागृत और विकसित करना है ।

विभाग के प्राध्यापक

प्रोफेसर ज्ञानतोष कुमार झा
डॉ. रश्मि बहल
प्रोफेसर जसपाली चौहान
डॉ. रेणु बाला
डॉ. राजेशचंद आदर्श
प्रोफेसर संजय सिंह बघेल
डॉ. श्रीधरम
डॉ. अरविंद कुमार मिश्र
डॉ. अनिल कुमार सिंह
डॉ. विजय नारायण मणि
डॉ. संतोष कुमार
डॉ. गीता देवी
डॉ. रूबी देवी
डॉ. रामरतन प्रसाद

इतिहास विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

यद्यपि इतिहास विभाग की शुरुआत कॉलेज के स्थापना वर्ष यानी 1959 ई. में ही हो गई थी; लेकिन पहले 10 वर्षों तक इसे केवल तत्कालीन बीए (पास) पाठ्यक्रम के भाग के रूप में ही पढ़ाया जाता था। अंततः बढ़ती मांग को देखते हुए इस विषय के लिए, इतिहास विषय को 1969 ई.में एक ऑनर्स पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया गया था। इसके बाद, संकाय सदस्यों के निरंतर प्रयास और विद्यार्थियों के उत्साह के कारण, विभाग ने महाविद्यालय के सबसे सक्रिय और जीवंत विभागों में से एक होने का नाम कमाया है।

उद्देश्य

इस विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में ऐतिहासिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण का विकास करना तथा उन्हें समाज में व्यापक भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है। इस उद्देश्य से, हम प्रतिष्ठित विद्वानों के नियमित व्याख्यान, ऐतिहासिक रुचि के स्थानों की लगातार यात्राओं की व्यवस्था, कार्यशालाओं का आयोजन तथा परियोजना आधारित अध्ययन यात्राओं के माध्यम से कक्षा आधारित अनुभव को और समृद्ध बनाने का प्रयास करते हैं। हमारा प्रयास न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है, बल्कि रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना भी है, जिसके लिए हाल ही में नौकरी के बाजार में छात्रों की संभावनाओं को और बेहतर बनाने के लिए कई तरह के कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शुरू किए गए है।

सोसायटी

वार्षिक विभागीय उत्सव क्लियो कॉलिंग।

शिक्षा संकाय

प्रो. विश्वमोहन झा
डॉ. रेनू बहुगुणा
सुश्री अजिता काकुमनु
श्री अजीत कुमार
श्री दीपांकर
डॉ. प्रियम बरूआ
श्री मिहिर कुमार झा
डॉ. सैयद मुबीन ज़हरा
डॉ विज्जिका पांडे सिंह
श्री संदीप शर्मा
डॉ मृत्युंजय कुमार

गणित विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

गणित विभाग की स्थापना वर्ष 1962 ई. में हुई थी। स्थापना के बाद से ही विभाग को एसएस लाल, पीएन गुप्ता, एसपी वर्मा, आरके गुप्ता, आरएस गुप्ता, केपी चिंदा जैसे अत्यंत समर्पित और योग्य संकाय सदस्यों का सौभाग्य प्राप्त हुआ - जो अपने-अपने क्षेत्रों में जाने-माने नाम हैं।

डॉ. के.पी. चिंदा ने डॉक्टरेट की पढ़ाई के लिए अमेरिका जाने से पहले विभाग के संकाय सदस्य के रूप में कुछ समय तक काम किया था। बाद में वे दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य बने। संकाय सदस्य के रूप में काम करते हुए श्री आर.एस. गुप्ता प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में चयनित हुए। विभाग में प्रोफेसर एस.सी. अरोड़ा जैसे प्रतिष्ठित पूर्व छात्र भी हैं, जिन्होंने 03.10.2005 से 02.10.2008 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रमुख के रूप में काम किया।

लगातार आगे बढ़ते हुए, आज गणित विभाग विज्ञान और वाणिज्य के स्नातक विद्यार्थियों को गणित विषय की विभिन्न प्रवर्गों को पढ़ाता है। विषय के क्षेत्र में नवीनतम विकास से अवगत रहते हुए, विभाग समय-समय पर छात्रों के लाभ के लिए अपने शिक्षण प्रविधियों को अद्यतन और संशोधित करता रहता है।

उद्देश्य

गणित विषय में शिक्षण और अधिगम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अमूर्त, तार्किक और आलोचनात्मक सोच विकसित करने तथा अपने और दूसरों के कार्य पर आलोचनात्मक चिंतन करने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना और सक्षम बनाना है।

सोसायटी

क्वाटरनियन आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज की गणित सोसायटी है। यह वार्षिक उत्सव 'टेंजेंटिया' का आयोजन करता है।

शिक्षा संकाय

डॉ. मोनिका सूरी
सुश्री ज्योति कौशिक
डॉ प्रतिभा मेहरोत्रा
सुश्री शिल्पी जैन
डॉ. प्रीति जैन
डॉ. अमित मित्तल
श्री अगम द्विवेदी
श्री अमित कुमार
श्री राज कुमार भगत
डॉ. प्रियंका यादव
श्री छत्रपाल
श्री कपिल कुमार
श्री अनिल कुमार रजक
श्री आशुतोष मीना
श्री अनंत तिवारी
सुश्री शिखा गुप्ता जैन
श्री कुँवर विजय कुमार सिंह
डॉ शरद रस्तोगी
श्री राजपाल राजभर

भौतिकी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

भौतिकी विभाग कॉलेज के सबसे पुराने और सबसे बड़े विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना 1959 में, आनंद पर्वत भवन में, 5 संकाय सदस्यों और एक प्रयोगशाला के साथ की गई थी। उस समय विज्ञान अध्ययन के क्षेत्र में बीएससी (सामान्य) ही एकमात्र पाठ्यक्रम था जो विभाग द्वारा पेश किया जा रहा था। विभाग की अपनी अच्छी शैक्षणिक प्रतिष्ठा है और वह महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में विज्ञानं स्नातक के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए जाना जाता है। विभाग के दो संकाय सदस्य महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य रह चुके हैं और दो अन्य पूर्व संकाय सदस्य दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में विभाग में उन्नतीस संकाय सदस्य और तीन पूरी तरह से व्यवस्थित एवं सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं।

उद्देश्य

• उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना जो छात्रों को भौतिकी में आगे के अध्ययन और अनुसंधान तथा कैरियर के व्यापक अवसरों के लिए तैयार करे।
• अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला और कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ शिक्षण और शोध को प्रोत्साहित करना
• विद्यार्थियों को आवश्यक सहायता देना और मार्गदर्शन प्रदान करना, तथा उन्हें अपने शैक्षिक विकास की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करना
• एक मैत्रीपूर्ण और प्रेरक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देना जिसमें छात्रों को उच्च मानकों तक पहुंचने, भौतिकी के क्षेत्र में वास्तविक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और आत्मविश्वासी, प्रतिबद्ध स्नातक बनने के लिए प्रेरित किया जाए।

विभागीय समिति

हमारे पास अत्यंत सक्रिय एवं विद्यार्थी केन्द्रित भौतिकी सोसाइटी है जो भौतिकी से संबंधित विभिन्न समसामयिक विषयों पर कई प्रतियोगिताएं, सेमिनार और समूह चर्चाएं आयोजित करती है। सोसाइटी हर साल दो दिवसीय उत्सव 'फेनमेनिया' का आयोजन करती है। पहले दिन सोसाइटी द्वारा एक वार्ता आयोजित की जाती है जिसमें हम वार्ता के लिए भौतिकी के क्षेत्र के प्रख्यात वैज्ञानिकों को आमंत्रित करते हैं। वार्ता के बाद उस दिन और दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इन प्रतियोगिताओं में अन्य विभागों और महाविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं।

शिक्षा संकाय

डॉ. पिंकी दुरेजा
डॉ. नूतन मिश्रा
डॉ. गीता सैनन
प्रो विनीता तुली
डॉ. बजरंग लाल प्रशांत
श्री प्रवत क्र. बेहरा
डॉ. राजवीर सिंह
डॉ. मनीष कुमार
डॉ. एस. शंकर सुब्रमण्यम
डॉ. राकेश मलिक
डॉ. मनीषा
डॉ. देवेन्द्र कुमार राणा
डॉ. पंकज नारंग
डॉ. आशुतोष विश्व बन्धु
डॉ अंजनी कुमार सिंह
डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक
डॉ. राघवेंद्र पांडे
डॉ. अवनीश प्रताप सिंह राजपूत
डॉ. अरविन्द कुमार
सुश्री स्वाति झारवाल
डॉ. योगेश कुमार
श्री अशोक कुमार
श्री ललित कुमार
डॉ. रीता सिंग

श्री भूपेन्द्र सिंह
श्री मोहम्मद सादिक
डॉ. आबिद हुसैन
डॉ. अमित क्र. विश्वकर्मा
सुश्री सोनिया योगी

राजनीति विज्ञान विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना 1959 ई. में महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक पाठ्यक्रम के साथ की गई थी और बाद में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया। श्री एमएन आनंद महाविद्यालय में विभाग के संस्थापक संकाय सदस्य थे। राजनीति विज्ञान विभाग महाविद्यालय के अत्यंत सक्रिय, जीवंत और अभिनव विभागों में से एक है। यह महाविद्यालय का एकमात्र द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी)अध्ययन-अध्यापन करने-कराने वाला विभाग है। विभाग में युवा और उत्साही शिक्षक हैं जो एक लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विभाग के कई शिक्षकों ने स्नातकोत्तर कक्षाओं को पढ़ाया है और शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया है। शिक्षकों ने विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद् और शैक्षणिक परिषद् जैसे शैक्षणिक और प्रशासनिक निकायों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। कुछ संकाय सदस्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य रहे हैं। विभाग समग्र शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है। हमारा शिक्षण संतुलन के दर्शन और व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को विकसित करने की आवश्यकता से प्रभावित है। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा एनएसएस, एनसीसी, इको-क्लब, डब्ल्यूडीसी और अन्य महाविद्यालय समितियों की गतिविधियों में विस्तारित शिक्षण के माध्यम से छात्रों को उनकी सामाजिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया जाता है।

उद्देश्य

विभाग का लक्ष्य प्रत्येक छात्र को आजीवन सीखने की क्षमता, रचनात्मक सोच, अभिनव कौशल और मानवीय मूल्यों से संपन्न करना है। विभाग का प्राथमिक लक्ष्य छात्रों को राज्य की राजनीतिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं की वैचारिक और विश्लेषणात्मक समझ प्रदान करना है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा शैक्षणिक वातावरण बनाना है जिसमें छात्र अनुशासन का ज्ञान प्राप्त कर सकें, अपने शैक्षणिक कौशल का विकास कर सकें, अपने आस-पास की दुनिया के बारे में गंभीरता से सोच सकें और अच्छे नागरिक बनने के लिए तैयार हो सकें। विभाग में एक जीवंत और संवादात्मक शिक्षण वातावरण है, जो विद्यार्थियों को उनकी बौद्धिक और सौंदर्य संबंधी क्षमताओं को विकसित करने में सक्षम बनाता है।

विभागीय समिति

राजनीति विज्ञान विभाग की समिति 'रिपब्लिका' एक संकाय सदस्य के संयोजकत्व में निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों के माध्यम से कार्य करती है। यह एक जीवंत समिति है, जो हर साल सेमिनार, अकादमिक दौरे, वृत्तचित्र और फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन करती है। 'रिपब्लिका' अपना वार्षिक शैक्षणिक विभागीय उत्सव 'पोलीफोरम' आयोजित करती है।

शिक्षा संकाय

प्रो. आई. एम. झा
प्रो अनामिका प्रसाद
सुश्री अज्या पांडेया
डॉ. चारु माथुर
डॉ शंभु नाथ दुबे
डॉ. अमित सिंह
डॉ भाव नाथ झा
डॉ इंद्रजीत कुमार झा

डॉ. सुमित पराशर
डॉ प्रेम चंद
डॉ. रेनू कीर
डॉ. विकास कुमार
डॉ. सुरेंद्र सिंह
श्री धर्मेन्द्र क्र. नीरज
सुश्री अंकिता चौहान
डॉ. पिंकी रॉय
सुश्री भावना

संस्कृत विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

संस्कृत भाषा समृद्ध एवं वैज्ञानिक भाषा है। हमारी समृद्ध एवं गौरवशाली विरासत से जुड़ी यह संस्कृत भाषा न केवल भारत में अपितु विदेशों में भी वर्तमान में प्रासंगिक है। महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1959 ई. में हुई और इसी वर्ष संस्कृत विभाग प्रारम्भ हुआ। विभाग बी. ए. प्रोग्राम के अन्तर्गत संस्कृत विषय प्रथम एवं द्वितीय विषय के रूप में अर्थात् (मेजर और माइनर के रूप में)पाठ्यक्रम प्रदान करता है । स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों के लिए ए. ई. सी. के अन्तर्गत संस्कृत भाषा का विकल्प प्रदान करता है, साथ ही जी. ई., एस. ई. सी. और वी. ए. सी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम भारत की बौद्धिक परंपराओं के वैशिष्ट्य को प्रकाशित करते हैं।

विभाग में योग्य एवं अनुसन्धानोन्मुख प्राध्यापक हैं, जो आधुनिक दृष्टिकोण से संस्कृत पाठ्यक्रम के विषयों को उपस्थापित करते हैं परिणामस्वरुप छात्र संस्कृत विषय एवं भाषा को रुचि तथा उत्साह पूर्वक अध्ययन करते हैं। अपने विषय में दक्ष प्राध्यापक स्नातकोत्तर छात्रों एवं शोधार्थियों का भी मार्गदर्शन करते रहे हैं।

उद्देश्य -

संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करना और छात्रों का सर्वांगीण विकास करना विभाग का सर्वोपरि लक्ष्य है। संस्कृत और संस्कृति भारत देश की प्रतिष्ठा हैं- इस तथ्य की व्यावहारिकता का ज्ञान प्रदान करना विभाग का उद्देश्य है। वर्तमान में महर्षि पतंजलि के योगशास्त्र, कौटिल्य के अर्थशास्त्र,चरक के आयुर्वेद,आर्यभट्ट के गणितशास्त्र आदि मौलिक ग्रन्थों की व्यावहारिकता एवं रचयिताओं के योगदानों से छात्रों को अवगत कराना विभाग का उद्देश्य है।

विभागीय समिति

विभागीय समिति 'सृजन' छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन छात्रों के ही सहयोग से करती है। प्रतिवर्ष संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला का आयोजन, संस्कृत प्रतियोगिताओं का अन्तर्महाविद्यालय स्तरपर आयोजन तथा प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यानों का आयोजन विभागीय संस्था द्वारा किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छात्रउत्साह से प्रतिभागिता करके शैक्षणिक , सांस्कृतिक एवं प्रबन्धात्मक कौशल का विकास करते हैं।

विभाग के प्राध्यापक

डा. माधव गोपाल

स्टूडेंट सोसायटी

कैंटीन समिति	डॉ. ओ.पी. यादव	9650156307
छात्र-संघ सलाहकार समिति	श्री अशोक	9650802350
निधि आवंटन समिति	डॉ. कोकिला नेगी (बर्सर, पदेन)	9968181366
ललित कला एवं शिल्प समिति	डॉ. चारु माथुर	8586982298
वैश्विक विश्वविद्यालय सेवा	डॉ. बलजीत कौर	9873291943
सांस्कृतिक समिति	डॉ. रोज़ी सिन्हा	9968319970
हिंदी वाद-विवाद समिति	डॉ. श्री धरम	9868325811
अंग्रेजी वाद-विवाद समिति	डॉ. प्रियंका कुल्हारी	9313339119
गांधी अध्ययन मंडल	डॉ. विकास	9971961377
खेल मण्डल	डॉ. के.के. शर्मा, डीपीई	9999215020
कॉमन रूम समिति	डॉ. रीता सिंह	9654744068
नाट्य समिति	विनीता तुली	9811125949
लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला	डॉ. नीता आज़ाद	9873165478
फिल्म प्रशंसा समिति	डॉ. प्रीति जैन	9868668244
अंबेडकर अध्ययन मंडल	डॉ. संदीप शर्मा	9506360610

फोटोग्राफी समिति	डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक	9811685798
एनेक्टस समिति	डॉ. मनिका जैन	9811337338
उपस्थिति समिति	डॉ. निशा झा	9910111986
समय-सारणी समिति (समग्र संयोजक और विज्ञान संयोजक)	डॉ. आशुतोष विश्व बंधु	8800240545
समय-सारणी समिति (कला संयोजक)	डॉ. प्रियंका कुलहरि	9313339119
समय-सारणी समिति (वाणिज्य संयोजक)	डॉ. निधि बंसल	9891670154
शैक्षणिक योजना समिति	श्री राजकुमार भगत	9911254438
फीस रियायत और छात्र सहायता निधि समिति	श्री अनंत तिवारी	9971697447
महाविद्यालय पत्रिका समिति	डॉ. भवनाथ झा	9891833448
कैंपस सुधार समिति	डॉ. ओम प्रकाश यादव	9650156307
अनुशासन समिति	श्री अशोक	9650802350
तंबाकू निषेध समिति	डॉ. गीता देवी	9210366735
महिला विकास प्रकोष्ठ	डॉ. प्रीति जैन	9868668244
भेदभाव विरोधी अधिकारी	प्रो. अनामिका प्रसाद	9811200742

लोक शिकायत अधिकारी	डॉ. विकास कुमार	9971961377
एससी/एसटी प्रकोष्ठ	श्री दीपांकर	9990179780
आंतरिक शिकायत समिति पीठासीन अधिकारी	प्रो. विनीता तुली	9811125949
'राष्ट्रीय सेवा योजना' कार्यक्रम अधिकारी	डॉ. गीता देवी	9210366735
एनसीसी अधिकारी	कैप्टन (प्रो.) संदीप	9910585286
प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	डॉ. आशुतोष विश्व बंधु	8800240545
कौशल विकास एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ	प्रो. अंजलि गुप्ता	9811385880
प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर	डॉ. शंकर एस. सुब्रमण्यन	9540794900
युज, योग और कल्याण समिति	डॉ. नीता आज़ाद	9873165478
उत्तर-पूर्व कल्याण समिति	डॉ. एन.पी. सिंह	9968428605
शिखर, पर्वतारोहण क्लब	श्री हरिकेश मीना	7976403018
वित्त और निवेश प्रकोष्ठ	डॉ. शिव चंदर जी	8754563190
समान अवसर प्रकोष्ठ	श्री अजीत	9868888693
इको-क्लब	डॉ. कंचन श्रीवास्तव	8860998008
क्विज सोसाइटी	डॉ. आभाष	9350876600
रचनात्मक-लेखन समिति	डॉ. गौतम चौबे	9911573245

विभागीय संयोजकों की सूची

Sr. No.	Name	Department	Contact no.	Email Address
1	डॉ. स्वाति एम बिस्वास	वनस्पति/जीव विज्ञान	9811520197	swati.majumdar@gmail.com
2	डॉ. स्नेह लता	रसायन विज्ञान	9811299194	sneh05@gmail.com
3	डॉ. निधि बंसल	वाणिज्य	9891670154	nidhiarsd@yahoo.co.in
4	डॉ. शालिनी अग्रवाल	कम्प्यूटर विज्ञान	9911155236	gupta15salini81@gmail.com
5	डॉ. जय प्रकाश	अर्थशास्त्र	9911655680	jp242@rediffmail.com
6	डॉ. मीना दादू	इलेक्ट्रॉनिक्स	9810621659	meenadadu1970@rediffmail.com
7	डॉ. प्रियंका कुलहरि	अंग्रेजी	9313339119	priyanka19jan@gmail.com
8	प्रो. संजय सिंह बघेल	हिंदी	9868593732	sanjaysinghdu@gmail.com
9	डॉ. अजीत कुमार	इतिहास	9868888693	ajeet126@yahoo.com
10	डॉ. अमित मित्तल	गणित	9811431290	to.amitmittal@gmail.com
11	डॉ. मनीषा	भौतिक विज्ञान	9953856680	manishupadhyay9@gmail.com
12	डॉ. विकास कुमार	राजनीतिक विज्ञान	9971961377	kumarvikas21@gmail.com
13	डॉ. माधव गोपाल	संस्कृत	9650985415	mgopalt@gmail.com

विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक पहल

प्रबोध

घरेलू अनुसंधान और नवाचार परियोजना 'प्रबोध' का उद्देश्य महाविद्यालय में शोध संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे समाज, राष्ट्र और विश्व के सामने आने वाली वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए, पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे जाकर अनुसंधान के क्षेत्र में शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी को निरंतर प्रोत्साहित किया जा सके। सामूहिक समस्याओं को अधिक टिकाऊ और कुशल तरीके से हल करने के लिए ऐसी शोध प्रतिभा और परियोजना की अनिवार्य ज़रूरत है।

इस उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिए, जो संकाय सदस्य अनुसंधान और नवाचार में निरंतर संलग्न रहने के इच्छुक हैं, महाविद्यालय ऐसे संकाय सदस्यों को सशक्त बनाने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। कॉलेज को विभिन्न विभागों से सत्रह शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। शोध प्रस्तावों की समीक्षा की जा रही है।

केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ)

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए एक अंत:विषय केंद्रीय उपकरण सुविधा का प्रस्ताव करता है। इसका उद्देश्य हितधारकों को आधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरण प्रदान करना है, ताकि वे विश्व स्तर पर हो रहे शोध के साथ तालमेल स्थापित कर सकें और अपने शोध निष्कर्षों को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करा सकें। सीआईएफ का उद्देश्य विश्लेषण की गुणवत्ता और बाद के शोध परिणामों को बढ़ाने के लिए एक अनुकूल शोध वातावरण और उन्नत बुनियादी ढांचे का अनुकूलित उपयोग प्रदान करना है।

सीआईएफ के लिए प्रस्तावित उपकरण
1. फ़ूरियर ट्रांसफ़ॉर्म इन्फ़्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (FT-IR)
2. पराबैंगनी-दृश्य स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (यूवी-वीआईएस)
3. परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर (एएएस)
4. फेरोइलेक्ट्रिक पीई लूप माप सेटअप
5. डीप फ्रीजर
6. उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)
7. एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर (एक्सआरडी) 28 लाख
8. कार्य स्टेशन एवं विभिन्न सॉफ्टवेयर

अनुसंधान एवं नवाचार कार्यक्रम

नवाचार और उद्यमशीलता नेतृत्व केंद्र (सीआईईएल)

एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सीआईईएल की स्थापना के साथ, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय बन गया है जिसके परिसर में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में उद्यमशीलता की भावना और नेतृत्व और प्रगतिशील व्यावसायिक विचारों के प्रति उत्साह का समर्थन करना है। केंद्र व्यापक रूप से अक्षय ऊर्जा, सतत विकास, खाद्य और डेयरी उत्पादों, वेब प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में विचारों को बढ़ावा देता है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता प्रकोष्ठ (ईसीईएलएल)

आज की गतिशील और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में, छात्रों के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। ARSD ने इस आवश्यकता को पहचाना और छात्रों को उनके पेशेवर सफ़र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और सहायता प्रदान करने के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता प्रकोष्ठ (ई सेल) की स्थापना की। ये प्रकोष्ठ नवाचार, उद्यमशीलता और व्यक्तिगत विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं।

ई सेल का प्राथमिक उद्देश्य सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है, साथ ही विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य नवाचार, रचनात्मकता और जोखिम लेने की संस्कृति को बढ़ावा देना है, छात्रों को अपने स्वयं के व्यावसायिक विचारों और उपक्रमों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ई सेल महत्वाकांक्षी उद्यमियों को अपने विचारों को परिष्कृत करने, मार्गदर्शन और सलाह प्राप्त करने, वित्तपोषण के अवसरों तक पहुँचने और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ नेटवर्क बनाने के लिए मंच प्रदान करता है। सेल अक्सर छात्रों को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए सफल उद्यमियों द्वारा उद्यमिता से संबंधित कार्यक्रम, स्टार्टअप प्रतियोगिताएँ और अतिथि व्याख्यान आयोजित करता है। यह छात्रों को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करने, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है कि वे नौकरी के बाजार के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। सेल उद्योग के विशेषज्ञों के सहयोग से विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रशिक्षण सत्र प्रदान करता है। इन पहलों में प्रोग्रामिंग भाषाओं और डेटा विश्लेषण जैसे तकनीकी कौशल के साथ-साथ संचार, नेतृत्व और समस्या-समाधान जैसे सॉफ्ट स्किल शामिल हैं।

ई-सेल महाविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग को सुगम बनाता है, ज्ञान के आदान-प्रदान, इंटर्नशिप और शोध के अवसरों को बढ़ावा देता है जो उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। इस दिशा में सेल ने ऐड-ऑन कोर्स के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ 31 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक सेल ने विभिन्न क्षेत्रों को लक्षित करते हुए 7 ऐड-ऑन कोर्स पूरे किए हैं।

इंटर्न-ओ-फ़िरा 6.0

प्लेसमेंट सेल ने 26 फरवरी 2024 को अपना प्रमुख का र्यक्रम- इंटर्न-र्नओ-फ़ि रा , वा र्षि क इंटर्नशि प और नौ करी मेले के 6 वें संस्करण का आयो जन कि या । यह का र्यक्रम मि श्रि त मो ड में आयो जि त कि या गया था और इसमें 60+ की भा गी दा री देखी गई थी । ऑफ़ला इन मो ड में 25 कंपनि यां और ऑनला इन मो ड में 35+ कंपनि यां । भा ग लेने वा ली कंपनि यों में एचडी बी फा इनेंशि यल सर्वि सेज, बजा ज आलि यां ज, टेक महिं द्रा और अपग्रेड जैसी उद्यो ग की दि ग्गज कंपनि यां शा मि ल थीं , जो वि त्त, मा नव संसा धन, वि पणन, सॉ फ्टवेयर वि का स और सा मग्री लेखन जैसे वि भि न्न डो मेन में इंटर्नशि प और नौ करी की भूमि का ओं की पेशकश कर रही थीं । मेले को 2800 से अधि क छा त्रों से जबरदस्त प्रति क्रि या मि ली , मेजबा न संस्था न की सी मा ओं को पा र करते हुए, एसआरसी सी , हिं दू कॉ लेज और एलएसआर जैसे प्रसि द्ध कॉ लेजों के सा थ-सा थ इंद्रप्रस्थ वि श्वविद्या लय, जा मि या मि लि या इस्ला मि या ,एमि टी यूनि वर्सि टी , बेनेट यूनि वर्सि टी सहि त दि ल्ली /एनसी आर के अन्य वि श्वविद्या लयों के छा त्रों को आकर्षि त कि या । । मेले में 500 से अधि क छा त्रों को वि वि ध प्रो फा इल के सा थ इंटर्नशि प और नौ करी के प्रस्ता व मि ले। मेले के मुख्य आकर्षणों में प्रस्ता वि त औसत वजी फे का खुला सा था , जो 16000 प्रति मा ह था । इसके अति रि क्त, उपलब्ध अवसरों की गुणवत्ता और प्रति स्पर्धा त्मकता को दर्शा ते हुए, उच्चतम वजी फे की पेशकश 30000 प्रति मा ह तक बढ़ गई।

छात्र प्रगति और प्लेसमेंट

महाविद्यालय में एक बहुत ही सक्रिय प्लेसमेंट सेल है। प्लेसमेंट सेल का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है, साथ ही मार्गदर्शन, सलाह और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। सेल न केवल तीसरे वर्ष के छात्रों की सेवा करता है, बल्कि दूसरे वर्ष और पहले वर्ष के छात्रों को भी इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, प्लेसमेंट सेल नियमित रूप से कौशल विकास कार्यशालाओं और प्रख्यात वक्ताओं द्वारा प्रेरक वार्ता का आयोजन भी करता है।

प्लेसमेंट सेल छात्रों को विभिन्न इंटर्नशिप और स्वयंसेवी कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी कॉर्पोरेट यात्रा की ओर पहला कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सेल ने बजाज कैपिटल, करियर लॉन्चर, गोमैकेनिक, इंस्प्लोर कंसल्टेंट्स, अपग्रेड, सैपियो एनालिटिक्स, कैंप के12 जैसी 45 से अधिक कंपनियों और मेक अ डिफरेंस और क्राई जैसे एनजीओ के साथ विद्यार्थियों को पूरे साल इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। इस वर्ष, प्रेप जंक्शन जैसी विभिन्न संस्थाओं के साथ सहयोग करके और कई प्रारंभिक योग्यता परीक्षण और मॉक ग्रुप डिस्कशन आयोजित करके उम्मीदवारों के समग्र कौशल को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए गए।

प्लेसमेंट सेल को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 145 से अधिक ऑफर के साथ, छात्रों को केपीएमजी, ईवाई, ट्रेसविस्टा, डेलोइट, लार्सन एंड टूब्रो आदि जैसी विश्व स्तर की कुछ शीर्ष फर्मों के साथ सफलतापूर्वक प्लेसमेंट मिला है। सत्र के लिए पेश किया गया उच्चतम पैकेज 12 लाख प्रति वर्ष तक गया और औसत पैकेज 5.23 लाख प्रति वर्ष रहा ।

एलुमनाई एसोसिएशन

कॉलेज के पास एक पंजीकृत पूर्व एलुमनाई एसोसिएशन है और वह छात्रों और संस्थान के लाभ के लिए अपने पूर्व छात्रों को सार्थक तरीके से शामिल करना चाहता है। यह कॉन्फ्लुएंशिया नामक एक वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित करता है और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को सम्मानित करता है। पिछले कुछ वर्षों में, कॉलेज के कई छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में खुद को प्रतिष्ठित किया है। जेएस आर्य (आईडीएएस) पूर्व छात्र संघ के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

एआरएसडी के प्रख्यात पूर्व छात्र

राजकुमार राव

अभिनेता, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

मेजर जनरल जी एस तलवार

अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी

श्री नीरज शेखर

सांसद,राज्यसभा

श्री सतीश उपाध्याय

भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष

श्री सुशील कुमार गुप्ता

सांसद,राज्यसभा

प्रो. राजीव चोपड़ा

प्राचार्य डीसीएसी कॉलेज

श्री कुंदन कुमार

आईएएस, केंद्रीय गृह मंत्रालय

श्री जे.एस. आर्य

आईडीएएस (सेवानिवृत्त)

श्री अनुरंजन झा

वरिष्ठ पत्रकार

एआरएसडी के प्रख्यात पूर्व छात्र

श्री रमाकांत गोस्वामी
पूर्व मंत्री, दिल्ली सरकार

श्री उमेश उपाध्याय
आरआईएल के अध्यक्ष और मीडिया निदेशक

श्री आशीष सूद
सह प्रभारी भाजपा, जम्मू एवं कश्मीर

श्री सुधीर चौधरी
ज़ी टीवी के प्रधान संपादक

श्री चारु कार्तिकेय
संपादक, डी डब्ल्यू न्यूज (हिंदी)

श्री संजय बसाक
एशियन एज के संपादक

श्री जसप्रीत जैज़
सिंगर

प्रो. एस पी अग्रवाल
(सेवानिवृत्त), प्राचार्य, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)

श्री जयवीर राणा
निगम पार्षद

आंतरिक अंत:विषयक अनुसंधान और नवाचार परियोजनाएं

महाविद्यालय स्नातक शोध को प्रोत्साहित करने और छात्रों में नवीन सोच विकसित करने के उद्देश्य से घरेलू अंत:विषय अनुसंधान और नवाचार परियोजना योजना शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस योजना का उद्देश्य संकाय को मामूली वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे जाकर शोध पहल में शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके ताकि सामूहिक समस्याओं का अधिक टिकाऊ और कुशल तरीके से समाधान प्रदान किया जा सके। इस योजना का उद्देश्य कॉलेज के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों और छात्रों को उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करके अंत:विषय अनुसंधान और नवाचार कार्य के माध्यम से सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

- नए विचारों/बुनियादी नवीन वैज्ञानिक प्रश्नों की खोज करने और उन्हें व्यावहारिक परिणामों के माध्यम से कार्यान्वित करने में उत्साह पैदा करना।
- महाविद्यालय के पारिस्थितिकी तंत्र में अनुसंधान और नवाचार वातावरण को बढ़ावा देना।
- वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अनुप्रयोग-उन्मुख अनुसंधान का समर्थन करना।
- ऐसे किफायती नवाचारों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना, जो समाज के एक बड़े वर्ग को लाभ पहुंचा सकें और साथ ही व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य और टिकाऊ हों।
- बाह्य वित्तपोषक एजेंसियों से अपनी परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु प्राथमिक परियोजनाओं को सशक्त बनाना।

इस योजना में अंत:विषय अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं को वित्तपोषित करने का प्रस्ताव है, जिनकी अवधि अधिकतम 2 वर्ष है। परियोजना चयन समिति के निर्णय के अधीन, प्रति परियोजना अधिकतम 2.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा सकती है। प्रत्येक परियोजना में 3-4 संकाय सदस्य और 4-5 छात्र शामिल होंगे। परियोजना से संबंधित अन्य विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

कायदा कानून

आंतरिक मूल्यांकन योजना

दिल्ली विश्वविद्यालय

1. यह कि आंतरिक मूल्यांकन शैक्षणिक सत्र 2022 से छात्रों पर लागू होगा।

2. (ए) नियमितता के लिए 5% महत्व दिया जाए कक्षा शिक्षण और अनुशिक्षण में भाग लेने के संदर्भ में । उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक पेपर में क्रेडिट नियमितता निम्नानुसार होगी

	अंक विभाजन 6	अंक विभाजन 5	अंक विभाजन 2
ए) 67% से अधिक किन्तु 70% से कम उपस्थिति होने पर क्रमश	1.2	1	0.4
बी) 70% या अधिक लेकिन 75% से कम उपस्थिति होने पर क्रमश	2.4	2	0.8
सी) 75% या अधिक किन्तु 80% से कम उपस्थिति होने पर क्रमश	3.6	3	1.2
डी) 80% या अधिक किन्तु 85% से कम उपस्थिति होने पर क्रमश	4.8	4	1.6
इ) 85% और उससे अधिक	6.0	5	2.0

(बी) नियमितता के लिए दिए जाने वाले अंकों की गणना करते समय मेडिकल सर्टिफिकेट का लाभ नहीं दिया जाता है। हालाँकि, परीक्षाओं में बैठने के लिए अंकों की गणना के उद्देश्य से मेडिकल सर्टिफिकेट को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

3. यदि छात्र एक या एक से अधिक पेपर, या सभी पेपर या भाग I, भाग II या भाग III दोहराते हैं, तो आंतरिक मूल्यांकन के अंक आगे यथावत बने रहेंगे ।

4. (i) ऐसे छात्र के मामले में जिसे वार्षिक एनसीसी शिविरों में भाग लेने के लिए एनसीसी के सदस्य के रूप में चुना जाता है या नागरिक सुरक्षा कार्य और संबद्ध कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या ऐसे छात्र के मामले में जो राष्ट्रीय सेवा योजना में नामांकित है और संबंधित संस्थान के प्रमुख द्वारा या उनके अनुमोदन से विभिन्न सार्वजनिक कार्यों के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या ऐसे छात्र को जो अंतर-विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा आयोजित खेलों या अन्य गतिविधियों में या कुलपति द्वारा : अनुमोदित खेलों में राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में भाग लेने के लिए चुना जाता है, या ऐसे छात्र को जिसे अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता होती है, या ऐसे छात्र को जिसे प्रादेशिक सेना में आवधिक प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता होती है, या ऐसे छात्र को जो कॉलेज द्वारा अंतर-कॉलेज खेलों, मुकाबलों, वाद-विवाद, सेमिनार, संगोष्ठी या सामाजिक कार्य परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या ऐसे छात्र को जो अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित वाद-विवाद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों या कुलपति द्वारा अनुमोदित ऐसी अन्य गतिविधियों में संबंधित कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता होती है, निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे 5(i) में सूचीबद्ध गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कक्षा परीक्षा, लिखित असाइनमेंट, प्रोजेक्ट आदि के संबंध में उपरोक्त शर्तों को भी पूरा करना होगा।

उपरोक्त 5(i) में सूचीबद्ध गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों के लिए, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में उनके अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए कॉलेज में दिए गए व्याख्यानों की कुल संख्या की गणना करते समय, उस उद्देश्य के लिए अनुपस्थिति की अवधि के दौरान दिए गए प्रत्येक विषय में व्याख्यानों आदि की संख्या को ध्यान में नहीं रखा जाएगा [आदेश,V11.2.(9) (ए) [0]

उपरोक्त 5(i) में सूचीबद्ध श्रेणियों के छात्र को अध्यादेश VII.2.(9)(ए)(1) के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार छूटी हुई कक्षाओं के लिए आंतरिक मूल्यांकन हेतु उपस्थिति का लाभ मिलेगा।

प्रत्येक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए कॉलेज में आयोजित कक्षा व्याख्यानों और प्रायोगिक कार्यों में (प्रत्येक में अलग से) से कम से कम दो-तिहाई में भाग लेना होता है।

किसी महाविद्यालय का प्रधानाचार्य, प्रस्तुत किए गए चिकित्सा प्रमाण-पत्रों के आधार पर, उन विद्यार्थियों के असाधारण रूप से कठिन मामलों पर विचार कर सकता है, जो वर्ष के दौरान गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे या किसी दुर्घटना का शिकार हो गए थे, जिसके कारण वे एक निश्चित अवधि के लिए कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पाए थे, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या उक्त अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यान आदि या उसके किसी भाग को वर्ष की उपस्थिति की गणना के प्रयोजनों के लिए छोड़ा जा सकता है और प्रत्येक मामले पर वह स्वयं गुण-दोष के आधार पर निर्णय कर सकता है।

उपस्थिति के नियम

(1) कालेज के छात्रों की व्याख्यान/ ट्युटोरियल/ प्रीसेप्टोरियल/ और प्रैक्टिकल में उपस्थिति का मामला दिल्ली विश्वविद्यालय के कैलेण्डर (वोल्युम-II, पृ. 36, 37) के नियमानुसार लागू होंगे। अगर कोई छात्र कुल आयोजित व्याख्यान/ ट्युटोरियल/ प्रीसेप्टोरियल/ और प्रैक्टिकल कक्षाओं के दो तिहाई कक्षाओं में शामिल नहीं हुआ है तो उसे विश्वविद्यालय की परीक्षा में शामिल होने के योग्य नहीं माना जाएगा। छात्रों के माता-पिता और अभिभावक से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों की कक्षा में अपेक्षित उपस्थिति सुनिश्चित करें ताकि सत्र के अंत में आयोजित विश्वविद्यालय की परीक्षा में होने वाले व्यवधान से बचा जा सके। प्रथम एवं द्वितीय सत्र के अंत में कालेज द्वारा कम उपस्थिति वाले छात्रों की सूची प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही ऐसे छात्रों के माता-पिता एवं अभिभावकों को उनके बच्चों की अनुपस्थिति का ब्योरा देते हुए चेतावनी-पत्र भेजा जाएगा।

(2) बीमारी के लिए दिए गए आवेदन के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मेडिकल-सर्टिफिकेट का होना आवश्यक है जो कि कक्षा पुनः आरम्भ करने के सात दिनों के भीतर कार्यालय में जमा कराना होगा। स्वास्थ्य के आधार पर उपस्थिति में छूट लेने की स्थिति में इस प्रक्रिया का पालन कड़ाई से किया जाएगा।

(3) छात्र अपनी मासिक उपस्थिति कालेज वेबसाईट www.arsdcollege.ac.in पर देख सकते हैं।

www.arsdcollege.ac.in.

अनुशासन

(1) महाविद्यालय में नामांकन लेने वाले हरेक छात्रों से यह अपेक्षा रखी जाती है कि वे अध्ययन के दौरान कैम्पस के भीतर और बाहर अनुशासन का पालन करेंगे और सभ्य आचरण बनाए रखेंगे। अनुशासनहीनता की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत चेतावनी, जुर्माना और कॉलेज से निलंबन किया जा सकता है। (देखें, दिल्ली विश्वविद्यालय का अधिनियम XV(B) और XV(C))

(2) अगर छात्र नागरिक की गरिमा का उल्लंघन करते हुए किसी भी प्रकार के आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं या फिर कॉलेज के कर्मचारी, अध्यापकों के साथ अमर्यादित व्यवहार और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं तो प्राचार्य द्वारा उनपर, कक्षा में प्रवेश से वर्जित किए जाने और महाविद्यालय से निष्काशन के कदम उठाए जाएंगे।

(3) महाविद्यालय में छात्रों का प्रवेश उनके परिचय-पत्रों के आधार पर होगा। अपने साथ किसी बाहरी व्यक्ति को लाना पूर्णतः वर्जित है। ऐसे किसी व्यक्ति को जो अनुशासन के लिए समस्या पैदा करता है, उसे तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा और संबंधित छात्रों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

(4) छात्र कक्षा में पूरी तरह अनुशासित रहें और कारीडोर में अनावश्यक और इधर उधर न भटकें। कालेज का कैम्पस पूर्णतः धूम्रपान वर्जित क्षेत्र है। कक्षा के भीतर और बाहर मोबाइल का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है। ऐसा करने पर मोबाइल जप्त करने के साथ साथ अनुशासनात्मक कारवाई की जाएगी।

(5) महाविद्यालय हम सबकी सम्पति है इसे स्वच्छ और साफ रखना छात्रों का भी दायित्व है। छात्र महाविद्यालय की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएं। दीवारों को गंदा ना करें। फर्नीचर और अन्य सामान को नुकसान ना पहुंचाएं। लान एवं पेड़-पौधों को नुकसान ना पहुंचाएं। ऐसा करने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

(6) प्राचार्य की अनुमति के बिना छात्र किसी प्रकार की समिति का गठन नहीं कर सकते। प्राचार्य की अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति को वक्ता के रूप में नहीं बुलाया जा सकता।

(7) छात्रों के लिए कालेज के पार्किंग जोन सहित कहीं भी कार पार्किंग वर्जित है। छात्र सिर्फ अपने स्कूटर और बाइक की पार्किंग कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के बीच अनुशासन की देखभाल (अधिनियम XV(B))

(1)अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई संबंधी सभी शक्तियाँ कुलपति के पास हैं।

(2) कुलपति विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन कायम रखने के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर सकते हैं या प्रोक्टर या एन्य अधिकारी को संदर्भित शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

(3) अधिनियम के तहत अनुशासन लागू करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आधीन मानी जाएगी:

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी शैक्षिक या गैर-शैक्षिक व्यक्ति या विभाग के कर्मचारी या किसी छात्र के ऊपर शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग करने की धमकी देना।

(ख) किसी हथियार को साथ में रखना या प्रयोग करना या उसे दिखाकर धमकी देना।

(ग) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्र/छात्रों के मान, सम्मान और प्रतिष्ठा को ठोस पहुंचाना।

(घ) किसी महिला के लिए मौखिक या शारीरिक रूप से अपमानजन व्यवहार या शब्दों का प्रयोग करना, चाहे वह मजाक ही क्यों ना हो।

(ङ) किसी भी प्रकार से घूस देना या भ्रष्टाचार में लिप्त होना।

(च) कालेज, विभाग या संस्था की संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाना।

(छ) किसी भी प्रकार के दुर्भावना से ग्रसित होना। या धार्मिक और साम्प्रदायिक आधार पर असहिष्णुता उत्पन्न करना।

(ज) किसी भी कारण से अकादमिक कामकाज में व्यवधान उत्पन्न करना।

(झ) विश्वविद्यालय के अधिनियम (अधिनियम XV(C)) के अनुसार रैगिंग पूर्णतः निषिद्ध और दंडनीय है।

(4) कुलपति विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए बिना पक्षपात के किसी भी छात्र और छात्राओं के प्रति उचित कार्रवाई का आदेश दे सकते हैं। इस सन्दर्भ में निम्न कार्रवाई की जा सकती है:

(क) संबंधित छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय से सदा के लिए निष्कासित किया जा सकता है। या ख) संबंधित छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय से एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जा सकता है। या

(ग) एक निश्चित अवधि के लिए कालेज, विभाग या वि.वि. के अन्य संस्थानों में नामांकन लेने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। या

(घ) आर्थिक दंड भरने का निर्देश दिया जा सकता है। या

(ङ) विश्वविद्यालय की परीक्षा में शामिल होने से एक या उससे अधिक सत्रों के लिए वंचित किया जा सकता है। या

(च) ऐसे छात्र/छात्रा अगर किसी परीक्षा में शामिल हो चुके हैं तो उन परीक्षा/परीक्षाओं को निरस्त किया जा सकता है।

(5) कालेज के प्राचार्य, संस्था के प्रमुख, वि.वि. के शैक्षिक विभागों के प्रमुख, पुस्तकालयाध्यक्ष आदि के पास अनुशासनात्मक कार्रवाई के अधिकार और शक्ति होंगे और वे कॉलेज, विभाग और अकादमिक परिसर में अनुशासनिक माहौल सुनिश्चित करेंगे और उसे बनाए रखने के लिए प्राधिकारी, प्रतिनिधि या समिति नियुक्त करेंगे।

(6) कुलपति और प्रॉक्टर बिना किसी पक्षपात या दुर्भावना के उपरोक्त अनुशासन संबंधी नियमों को अनुप्रयोग में लाएंगे, इसके लिए उचित ढाँचे का निर्माण, प्रबंधन और नेतृत्व करेंगे।

ये नियम पूरक हो सकते हैं, जहां आवश्यक हो कालेज के प्राचार्य, संकाय के डीन, शैक्षिक विभागों के प्रमुख इसे अनुप्रयोग में ला सकते हैं। प्रत्येक छात्र से यह अपेक्षा की जाती है कि इस नियम की एक प्रति वे अपने पास रखेंगे।

(7) नामांकन के समय सभी छात्रों/छात्राओं को इस आशय का घोषणा-पत्र स्वयं हस्ताक्षरित कर देना होगा की अनुशासनहीनता की स्थिति में मेरे/स्वयं के ऊपर विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

रैगिंग निषेध और सजा (अधिनियम XV(C))

(1) माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार तथा दिल्ली विश्विद्यालय के अधिनियम (अधिनियम XV(C)) के नियमानुसार महाविद्यालय में रेगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित तथा दंडनीय अपराध है। पीनल लॉ में वर्णित यू.जी.सी. रेग्यूलेशन-2009 के अनुसार कोई भी छात्र अगर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रैगिंग का दोषी पाया जाता है या रैगिंग को बढ़ावा देता है या ऐसे षडयंत्र का हिस्सा होता है तो वह दण्ड का भागीदार होगा तथा उस पर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

(2) महाविद्यालय के भीतर, विभाग में या विश्वविद्यालय के भीतर कहीं भी या बस आदि जगह पर रैगिंग पूर्णतः वर्जित है।

(3) छात्र या छात्रों द्वारा किया गया कोई भी लिखित, मौखिक या अन्य व्यवहार जिसमें पुराने छात्रों के द्वारा नए छात्रों को चिढाना, कड़ा व्यवहार या किसी प्रकार का मौखिक या शारीरिक रूप से परेशान करना शामिल हो रैगिंग के अंतर्गत आता है।

(4) किसी नए छात्र को धमकी देना, छात्र की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुचाना, अनुसूचित जाति और जनजाति छात्र की गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाना रैगिंग के अंतर्गत आता है और और यह दंडनीय अपराध है।
(5) किसी छात्र या छात्रों द्वारा अनुशासनहीन आचरणों में शामिल होना जिससे कि किसी नए छात्रों या दूसरे छात्रों के प्रति क्रोध, कठिनाई या मानसिक परेशानी या भय पैदा हो रैगिंग के तहत आता है और दंडनीय है।
(6) किसी छात्र को दिए गए अकादमिक कार्य को पूरा करने के लिए किसी नए या दूसरे छात्रों की जबरन सेवा लेकर शोषण करना, नए छात्रों से वित्तीय उगाही करना या खर्च करने का दवाब डालना दंडनीय है।
(7) फिजिकल अब्यूज का कोई भी कार्य जिससे कि शारीरिक नुकसान हो, या व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो जैसे कि सेक्सुअल अब्यूज, होमोसेक्सुअल अब्यूज, स्ट्रिपिंग, अश्लील या इससे जुड़े कार्य के लिए बाध्य करना, इशारेबाजी आदि रैगिंग के तहत दंडनीय है।
(8) कोई भी कार्य या गाली चाहे वह मौखिक रूप में हो, ई-मेल द्वारा हो, प्रकाशित करके हो या सार्वजनिक रूप से अपमान करके हो जो कि प्रत्यक्ष या परोक्ष से किसी नए या अन्य छात्रों में असहजता पैदा करे, जिसका उद्देश्य सैडिस्टिक थ्रिल हो, रैगिंग के तहत दंडनीय है।
(9) महाविद्यालय के प्राचार्य, विभाग के प्रमुख और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रैगिंग की शिकायत आने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
(10) अगर दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय या संस्था में रैगिंग होने की घटना कुलपति के संज्ञान में लाई जाती है तो अधिनियम XV(C) के अनुसार जो छात्र या छात्रों रैगिंग में लिप्त पाए जाएंगे उन्हें एक निश्चित सत्र के लिए महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है। उक्त घटना में बाहरी छात्र के शामिल होने पर भारतीय दंड संहिता के अनुसार कार्रवाई की जाएगी साथ ही उक्त छात्र या छात्रों को पांच वर्षों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्था में नामांकन लेने पर पाबंदी लगा दी जाएगी।
(11) आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि महाविद्यालय के भीतर किसी भी नए छात्र को स्वस्थ और सामान्य वातावरण प्रदान करेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए महाविद्यालय द्वारा रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया गया है।

कार्य-क्षेत्र पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 (कानून एवं न्याय मंत्रालय)

यह अधिनियम कार्य-क्षेत्र पर होने वाले यौन उत्पीड़न से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ साथ इसके रोकथाम तथा इससे संबंधित शिकायत के निवारण की सुविधा प्रदान करता है। जिसमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15के अंतर्गत महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए यौन शोषण किया जाय या संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वाभिमान के साथ जीने के अधिकार का हनन करके यौन उत्पीड़न किया जाय या व्यवसाय, कार्य और व्यापार के अधिकार का हनन करके यौन शोषण किया जाय जिसमें यौन उत्पीड़न से सुरक्षित परिवेश का अधिकार भी शामिल है।
और जिसमें यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ कार्य करने का अधिकार, जो कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मानवाधिकारों के रूप में पहचाना गया है, (जैसे महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभावों की समाप्ति पर सम्मलेन), जिसे भारत सरकार ने 25 जून 1993 को इसके मानकों को स्वीकार किया।
और उपरियुक्त सम्मलेन जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रति सुरक्षा को उपलब्ध कराने के लिए प्रावधानों को बनाना जरूरी है।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया निम्न वेबसाइट पर जाएँ:
http://ncw.nic.in/sites/default/files/SexualHarassmentofWomenatWorkPlaceAct2013_0.pdf

विकलांग छात्रों के लिए प्रावधान

हमारा संस्थान निम्नलिखित के रूप में विकलांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करता है:

- दिल्ली विश्वविद्यालय, अपने समान अवसर सेल के माध्यम से, सभी विकलांग छात्रों को पूर्ण शुल्क में छूट प्रदान करता है।
- ऑर्थोपेडिक विकलांगता वाले छात्रों को व्हील चेयर, अनुकूलित वॉशरूम आदि प्रदान किए जाते हैं।
- दृष्टिबाधित छात्रों के लिए लाइब्रेरी में रैंप, ब्रेल लिपि में किताबें और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पीपल्स टू हेल्प यू

नाम	पद	संपर्क-सूत्र	ईमेल पता
श्री विनीत कुमार मिश्रा	प्रशासनिक अधिकारी (कार्यालय)	8368266559	vkmishra2651@yahoo.com
सुश्री सोनिया मांगे	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)	9958916506	soniachauhan317@gmail.com
श्री राजेश मक्कड़	अनुभाग अधिकारी (कार्यालय)	9810911067	makkarrajesh6@gmail.com

संबंधित सहायक (क्रमानुसार)

नाम	धारा	संपर्क-सूत्र	ईमेल पता
श्री मनहर कुमार	विज्ञान	9811571242	manhararsd2016@gmail.com
श्री ओम प्रकाश	वाणिज्य	7065131770	prakasharsd2019@gmail.com
श्री बैसाखू राम रतूड़ी	कला	9717164550	raturiarsd@gmail.com

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

विद्यार्थी का नाम	पुरस्कार/पदक का नाम	विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
सुनहित बिश्नोई	दिल्ली गोल्फ कप में आई जी यू दिल्ली राज्य एनसीआर कप (जेंटलमैन ए मेच्योर में प्रथम स्थान)	राष्ट्रीय
जतिन	रजत पदक	विश्वविद्यालय
प्रीति सैनी	स्वर्ण पदक	विश्वविद्यालय
सलोनी राजपूत	स्वर्ण पदक	राज्य
हार्दिक शर्मा	वर्चुओसो एसजीजीएससीसी द्वारा लोधी गार्डन में स्केच वॉक में दूसरा स्थान	विश्वविद्यालय
रिद्धि गुप्ता	आईआईआईटी वडोदरा में एकल नृत्य में उपविजेता स्थान प्राप्त हुआ	विश्वविद्यालय
हर्षिता सचदेवा	नृत्य	राष्ट्रीय
मुस्कान सिंह राणा	कांस्य पदक - दिल्ली स्टेट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप	राज्य
मुस्कान सिंह राणा	रजत पदक - दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन गेम्स	राज्य
रिसिता जैन	विशाल जेंगा (एस्टिर 3.0)	विश्वविद्यालय
यू. साईं संहिता	कर्नाटक शास्त्रीय गायन, संगीत के क्षेत्र में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, संस्कृति मंत्रालय	राष्ट्रीय
प्रियांशु यादव	इंटरस्कूल पुरस्कार	विश्वविद्यालय
रैयान अख्तर	स्वर्ण पदक -एएसआईएससी खेल आयोजन	विश्वविद्यालय

विद्यार्थी का नाम	पुरस्कार/पदक का नाम	विश्वविद्यालय/राज्य/राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय
वंशिका गौड़	वॉलीबॉल - दिल्ली राज्य	राज्य
सात्विक कुरी	सर्वश्रेष्ठ वक्ता	राष्ट्रीय
सावन हुडा	प्रथम स्थान – सी बी एस ई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप, दिल्ली	विश्वविद्यालय
कृतिका गुप्ता	द्वितीय स्थान -ओपी जिंदल फैशन प्रतियोगिता	विश्वविद्यालय
मोहम्मद इमरान	सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	विश्वविद्यालय
आदित्य भारद्वाज	प्रथम स्थान -संस्कृत भारती कॉलेज	विश्वविद्यालय
ऋषभ त्यागी	टीम में दूसरा रजत पदक और स्वर्ण पदक	राज्य
यश यादव	स्वर्ण पदक	राष्ट्रीय
रबा चौधरी	सर्वश्रेष्ठ मॉडरेटर	विश्वविद्यालय
नेहा पोल	प्रथम स्थान, ऊर्जस्वि, डीडीयूसी	विश्वविद्यालय
नेहा पोल	द्वितीय स्थान - श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता,कालिंदी कॉलेज	विश्वविद्यालय
आदित्य सेठी	प्रथम स्थान -दिल्ली राज्य सीनियर वॉलीबॉल चैम्पियनशिप	राज्य
सार्थक शर्मा	सर्वश्रेष्ठ निर्णायक एलएसआरएफ पीडी	राष्ट्रीय
सार्थक शर्मा	द्वितीय सर्वश्रेष्ठ निर्णायक, गार्गी कॉलेज	राष्ट्रीय

विद्यार्थी का नाम	पुरस्कार/पदक का नाम	विश्वविद्यालय/राज्य/ राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
आदर्श पांडे	उत्तर पूर्वी विद्या भारती क्षेत्रीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी	राज्य
प्रांशु शर्मा	सर्वश्रेष्ठ इंटरजेक्टर - द्विभाषी पारंपरिक बहस	राज्य
मनीष भाटी	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तीरंदाजी चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और खेलो इंडिया 2022 में भाग लेने के लिए भी चुना गया	राष्ट्रीय
हिमांशु नांदल	दूसरा स्वर्ण पदक - उदयपुर में आयोजित 21वीं राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में	राष्ट्रीय
लोकेश हंस	नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया (चौथा स्थान)	राष्ट्रीय
सुनहित बिश्नोई	द्वितीय स्थान - टाटा स्टील पी जी टी आई	राष्ट्रीय
आयुष यादव	छात्रवृत्ति प्राप्त की - हाना बैंक फाउंडेशन, दक्षिण कोरिया	अंतर्राष्ट्रीय
उज्जवल सिंह	छात्रवृत्ति प्राप्त की - हाना बैंक फाउंडेशन, दक्षिण कोरिया	अंतर्राष्ट्रीय
हर्ष दहिया	प्रमाणित अधिकारी	राष्ट्रीय
एस यू ओ जसवन्त सिंह	एन सी सी स्पेशल एंट्री, 14एसएसबी इलाहाबाद	राष्ट्रीय
सी डी टी सागर यादव	एनडीए 148वां कोर्स	राष्ट्रीय
एस जी टी ध्रुव	एनडीए 148वां कोर्स	राष्ट्रीय
एस जी टी मोहित गंडास	सीडीएस आईएमए 154वां कोर्स	राष्ट्रीय

Principal's Message

Dear Students,
Congratulations and a warm welcome as you embark on your academic journey at ARSD. This student handbook is designed to provide you with essential information and resources to make your college experience enriching and memorable.
At ARSD, we take pride in our tradition of academic excellence and innovation. Our college is NAAC accredited with an A++ grade and a score of 3.77, the highest among all colleges to date. We are ranked 6th in the NIRF college category and hold top positions in various India Today rankings, reflecting our commitment to excellence.

We offer 17 courses across Arts, Science, and Commerce, along with numerous Add-on, Certificate, and Value-addition courses. Our annual internship fair and strong placement cell connect students with top-tier companies such as KPMG, Ernst and Young Global, Indigo Airlines, Clairvolex, and ICICI Prudential. Additionally, we provide diverse internship opportunities in the Humanities and Sciences.

ARSD fosters a vibrant culture of undergraduate research and innovation. Our collaborations with prestigious institutions like the DBT Science Centre and the Centre for Innovation and Entrepreneurial Leadership (CIEL) offer students valuable research opportunities. Our in-house Interdisciplinary Research and Innovation Projects Scheme, "Prabodh," promotes creative solutions to real-world challenges.
We value your holistic development and offer various support services, including counselling, wellness sessions, and a mentor-mentee program to help you maintain a healthy balance between your studies and personal well-being. Embrace the diversity at ARSD, celebrate unique perspectives, and foster an inclusive community built on mutual respect and understanding.
This handbook is your guide through your college years, covering academic policies, campus facilities, code of conduct, and opportunities for personal and professional growth. College life at ARSD is not just about education; it's about shaping your character, building lifelong friendships, and discovering your passions. Embrace the challenges, learn from experiences, and make the most of every moment.
I look forward to witnessing your growth and achievements. Together, let's make your time at ARSD a journey of success, enlightenment, and lasting memories.
Wishing you all the best!

Prof. Gyantosh Kumar Jha
Principal

Student Documents

IDENTITY CARD

All students are required to carry their student Identity Cards to the college. The Identity Cards are not transferrable. If somehow, the original gets lost and the loss appears to be genuine, a duplicate card will only be issued on payment of fine of Rs. 250.

TRANSFER OF COURSE/SUBJECT

Students are not permitted to transfer from one discipline to another. This is in accordance with the guidelines of the University of Delhi.

BONAFIDE CERTIFICATE

Student is required to write an application addressed to the principal of the college and submit the same in the office. The office will issue the certificate within next two working days.

MIGRATION CERTIFICATE

Online application in the prescribed format is available at the University website.(https://app.uod.ac.in/migration/). The duly filled application form is first verified by the college, then the student must submit the application along with payment receipt to the University of Delhi, South Campus.

WITHDRAWAL CERTIFICATE

A student wishing to leave the College, must apply in writing to the principal and the application must be countersigned by the Teacher-in Charge of the department. The student must also take 'No Dues' from the concerned department and also from the library. The student must submit the application along with no dues in the office.

TRANSCRIPTS

The form is available online at https://app.uod.ac.in/transcript/ . The application form along with related documents must be attested from the office and duly submitted to University of Delhi, South Campus. Transcripts have to be collected from University of Delhi, South Campus.

DTC PASS

Students may get DTC pass at concessional rates for 3 months from University of Delhi, South Campus.

WORLD UNIVERSITY SERVICES MEMBERSHIP:

The college is affiliated with the Health Centre of the World University Services (WUS) located in DU, South Campus. Students are required to apply for a WUS membership on the prescribed application form available at the DU website (http://www.du.ac.in/uploads/amenities/WUS/03032017_Wus_Student.pdf). Submit it to the college administrative office for attestation and then, to WUS Centre for membership. The additional information can be obtained from http://www.du.ac.in/index.php?page=HealthCentre.

.

RAIL CONCESSION

This is available to the student only when proceeding for their home town from college or vice-versa, during vacations. For this purpose, the permanent home address declared on the Admission Form is final. It must be clearly understood that the rail concession facilities cannot be extended for visiting, for instance, a hill station or a place other than the permanent home.

Railway Concession form is available at the College's office. Steps to be followed 1. Student must submit the application in college's administrative office for the railway concession ticket. 2. The office will issue the Railway Concession form. 3. After getting the form attested by the college, the student must submit it to the Railway Reservation Centre.

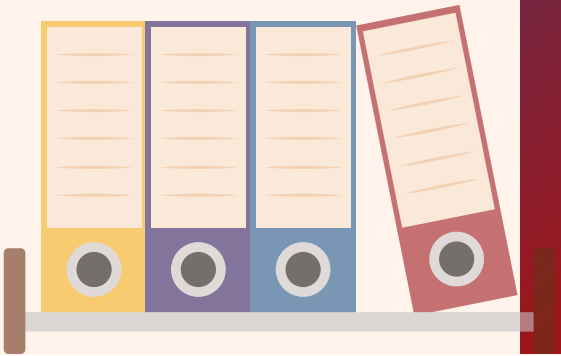

Fee and Financial Assistance

PAYMENT OF FEE (FIRST YEAR STUDENTS)

- The First year students are required to pay fee online on the University of Delhi portal before the admission is finalised.

PAYMENT OF FEE (SECOND AND THIRD YEAR STUDENTS)

- The Second and Third year students are required to pay fee Online on the Portal of the college.
- College Fee is payable in one single instalment at the beginning of the academic year.
- Instructions for fee pay mark (College/Exam Fee) are displayed on the college website from time to time.
- It will be the responsibility of the student concerned to pay his/her college dues as specified on the dates notified.
- A Late Fee will be charged from a student who fails to pay Fee or any other dues on or before the notified date.
- The names of defaulting students will be struck off from the college rolls in case they do not pay their college dues in time.
- A student who finds it impossible to pay fees on the specified date may apply in advance of the said date stating the reason thereof.
- Fee Slip automatically reflects in the student Login immediately after successful transaction. In case of any discrepancy the student shall contact the Accounts department.
- Student intending to leave the college must apply to the principal in writing. The fee will be adjusted according to the date of withdrawal.

REFUND OF FEE

The Rules are determined by the University of Delhi and duly announced through the college website.

FEE CONCESSION AND STUDENT AID

- Students of the College may avail the Fee Concession and Student Aid facility provided by the College.
- Notice seeking applications from the students who want to avail this facility is put on the College notice board as well as on the College website.
- Students are required fill out the prescribed form and submit it along with required documents such as income certificate, marksheet of last examination, bank account details etc. Currently, they need to apply via an online Google form.
- Fee Concession and Student Aid Committee interacts with the applicants course-wise to ascertain their suitability and to decide the amount of Aid to be provided to each student.
- Fee Concession and Student Aid Committee sends the list of recommended students to the Principal and after approval of the Bursar and the Principal, Accounts Department disburses the Aid amount to students.

UNIVERSITY SCHOLARSHIPS

University of Delhi has several scholarships Book grants and financial assistance for meritorious and financially needy students. Students are advised to contact the Scholarship Cell, University of Delhi for various scholarships released from time to time. Students can also apply for scholarships such as:

- Help the Blind Foundation Scholarship
- MargaSchwtze Merit Scholarship for Visually Impaired Girl Students
- World Brotherhood Organization Education Scholarship
- Merit Scholarships to SC/ST/OBC and Minority Students.

STATE GOVERNMENT SCHOLARSHIPS

Students coming from other States may find out from their respective State Education Departments whether scholarships are available for pursuing a college education.

GOVERNMENT SCHOLARSHIPS (NSP: NATIONAL SCHOLARSHIP PORTAL)

NSP is a portal under the Ministry of Electronics & Information Technology, for students to apply for various scholarships offered by the government of India. The students will need to register once and use the OTR/Reference number to apply for the scholarship (https://scholarships.gov.in.) After filling the online application form, the students must submit the hard copy of the application with relevant documents in the college for verification by the Nodal officer.

E-DISTRICT DELHI

The SC/ST/OBC students with the Delhi domicile can apply for the scholarships online through E-District (https://edistrict.delhi.gov.in)
After filling the online application form, the students must submit the hard copy of the application with the relevant documents in the college for verification by the Nodal officer.

SCHOLARSHIPS FOR RESERVED CATEGORY

For a student belonging to the approved Scheduled Caste/Scheduled Tribe, there is a scheme of post-matriculation scholarship awarded by the Government of the State or Union Territory to which the student belongs. Such students may contact the concerned State Authorities for details.

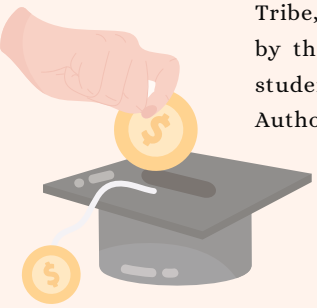

SCHOLARSHIPS AND PRIZES

Scholarship Name	Criteria	Course
Taneja Foundation Scholarship	10 Students (Merit + Need)	ALL
Sultan Chand Memorial Scholarship	Best Student	B. Com. (Hons.)
Sultan Chand Dropadi Devi Memorial Scholarship	Best Student	B.Com. (Hons.) First Year
Dr. Usha Aggarwal Tejaswi Scholarship	Best Student	B. Com. (Prog.) Second & Third Year
Rukman Tara Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Chemistry
Inder Raj Dhawan Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Physics
Raj Kumari Dhawan Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Electronics
Dr. Manju Dhawan Memorial Prize	Best Student	B.A. (Hons.) Hindi Third Year
Dr. Naresh Kumari Suresh Memorial Prize	Best Student	B.A. (Hons.) Hindi

Scholarship Name	Criteria	Course
S.K Batra Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Physics & B.Sc. (Phy. Sc.) Electronics
Sanjeev Arora Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Computer Science
Jitender Arora Memorial Prize	Best Student	B.A. (Prog.)
Principal C.L Suri Memorial Prize	Best Student	B.A. (Hons.) Political Science
Sham Sunder Arora Memorial Prize	Best Student	B.A. (Hons.) Economics
Academic Prize	First & Second Position Holder	ALL
Dr. K.C. Trikha Memorial Prize	Best Student	B.Sc. (Hons.) Chemistry
Alumni Association	10 Students (Merit + Need)	ALL
Late Shri Rajendra Mohan (IPS) Memorial Prize	3 Students	ALL
Late Prof. Sureh Chandra Dubey Memorial Prize	2 Girl Student	Arts

Library Facility

The College has a two-storey, fully automated and Wi-Fi-enabled library which has 1,15,769 books and 526 hardbound journals, and subscriptions to 30 journals and 6000 e-journals along with a large collection of reference sources, i.e. encyclopaedias, dictionaries, atlases, yearbooks, handbooks, among others. It has a seating capacity for about 100 students along with a separate reading space for 30 faculty members. It has a Students' Aid Fund section and an e-learning centre. RFID has been installed in the library.

The Library uses SOUL 3.0 Integrated Library Management Software to automate housekeeping operations. Library software facilitates OPAC functions, enabling users to access their required documents. The College Library also subscribes to INFLIBNET- NLIST database and is a member of Developing Library Network (DELNET) to provide books from India and abroad on loan to library users. The library also has reading software, ear-pronotes, thinkpads and computers with installation of JAWS software for the visually challenged.

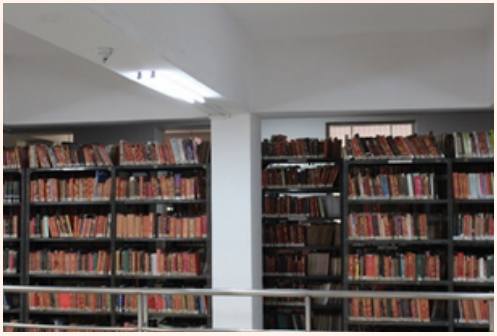

Library Membership

Member Category	Books	Issue Periods	Book Bank/SAF Books
Student UG	4 (Prog.) and 5 (Hons.)	14 days	2 books for one semester
Student PG	6	14 days	

Library Timings

Days	Working Hours	Circulation Timings
Monday-Friday	8:30 AM to 5:30 PM	9:30 AM to 4:00 PM
Saturday	9:00 AM to 4:30 PM	No circulation work is done on Saturday
Sunday and other Gazetted Holidays	Closed	Closed

Library Rules:

- Students can borrow books after showing their identity cards.
- Students belonging to physically challenged/SC/ST/OBC (Non-creamy layer)/EWS/meritorious categories are also entitled to borrow books from the students' aid fund collection.
- An overdue charge for books is Rs.1.00 per day.
- Before getting the books issued from the Library, the pages should be checked thoroughly and if the pages are missing or marked by pen/pencil kindly get it signed by the person on duty at the counter. While returning the book, if the pages are found missing or marked by pen/pencil, the borrower will be responsible.
- Physically challenged students are entitled to be served first.
- Reference books, journals, newspapers and magazines, etc., are available for use within the Library.
- Personal books, magazines and other printed material are not allowed in the Library.

- The students are required to maintain proper discipline and decorum in the Library.
- Library is a silent zone; therefore, complete silence should be observed.
- Cell phones should be switched off/put on silent mode before entering the Library.
- Students must keep their bags and other belongings (excluding money and valuables) at the property counter.
- Students can give their suggestions for purchase of books and for improvement of Library services at the circulation counter of the Library.
- Students can always contact the librarian/Library staff for help in using the Library

You are Requested To:

- Maintain discipline and silence
- Respect and follow Library rules and procedures
- Co-operate with the library staff
- Keep the Library premises neat and clean
- Alert us in case of misuse of Library resources and other Library materials
- Provide your valuable feedback

Library Website:

www.arsdcollegelibrary.webs.com

Contact Information

Mr. Dilip Kumar Chaube
Professional Assistant
9532986812
chaubeydilip123@gmail

Mr. Arun Ruhela
Professional Assistant
9540386307
arunruhela745@gmail.com

About The College

Atma Ram Sanatan Dharma College is an esteemed institution that has earned recognition for its commitment to excellence in education. Accredited with A++ and the highest score of 3.77 in Delhi University colleges by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC), we take great pride in upholding rigorous quality standards in all aspects of our academic programmes and services. ARSD has also achieved All India 6th rank in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) 2023 by Ministry of Education. Our accreditation and consistent rise in the NIRF rankings serve as a testament to our unwavering dedication to providing a superior educational experience. Excellence, Equity, and Inclusivity are the founding principles of this institution and in the sixty years since its inception, ARSD has emphasized the creation of a progressive and egalitarian community focused on continuous improvement. The College is committed to building an organisation in tune with contemporary demands and enabling the holistic development of all its stakeholders.

The College's exponential growth over the past few years—its emphasis on undergraduate research, entrepreneurial initiatives, skill development, strong industry-institution linkages, and ICT-enabled learning environments, are geared towards the facilitation of sustainable and self-sufficient systems.

The promotion of women's education and ensuring a barrier-free, non-discriminatory, and supportive ecosystem for all members of the College are, therefore, a priority at ARSD College. The motto of the College, Tejasvi-naav-adhitam-astu, has been taken from the Taittriya Upanishad and means, "May our learning be endowed with radiance." The College takes pride in its past achievements and looks to the future with great hope and determination.

Know Your Campus

Learning at the ARSD College cannot be limited to the confines of the classroom. We believe in producing students who are not only academically brilliant, but also take a keen interest in extra-curricular activities. Life at ARSD shows a cultural vibrancy and a great sense of community thanks to the unique confluence of students from diverse nationalities, states, and backgrounds, all of which leads to a rich exchange of knowledge, experiences, and cultures, and makes our students more tolerant and sensitive to each other's diverse backgrounds.

Snapshot of ARSD campus

- *Spread over 12.31 acres with total build-in area 34600 sq. feet and with lush green lawn*
- *The whole campus has been made wi-fi enabled. The college has the bandwidth 10 Gbps which is of highest limit provided by NKN, which supplies*
- *A three-storeyed building with over 32 ICT-enabled classrooms, department rooms, society rooms, Girls' and Boys' common room and a staff room with a pantry*
- *A separate Commerce Block with 5. classrooms, a separate staff room and a lawn and herbal garden*
- *Audio-visual studio has been formed to record videos. E-content has been developed by faculty members and lectures and reading material have been uploaded on college website and you tube channel.*
- *Putting the entire administrative functions online and ensuring speedy access to employee and student data.*
- *15 science laboratories out of which 5 are DU recognised research labs for M.Phil. / Ph.D. students*
- *8 computer labs equipped with 100 computers and internet facility*
- *2 Seminar halls fitted with state-of-the-art audio-visual equipment*
- *An Atrium with a capacity of 500 students*
- *A well-equipped multi-purpose block over the canteen*
- *Ramps, wheelchairs and differently-abled friendly washrooms which cater to the needs of differently-abled.*
- *Parking area outside the college for students*
- *Complete campus coverage by CCTV*
- *Festival: Tide is the annual college festival and Aarambh is for fresher's welcome.*
- *Rainbow is a special festival of the Northeast. It also organises theatre festival called Rangsheersh Jaidev*
- *Natyotsav and Sangharsh is the annual fest of NCC.*

Undergraduate Courses

The College enrolls students for bachelor degrees in Arts/Humanities, Science, Commerce and Post Graduate degrees in Arts and Commerce

Science

- B. Sc. (Hons.) Chemistry
- B. Sc. (Hons.) Computer Science
- B. Sc. (Hons.) Electronics
- B. Sc. (Hons.) Mathematics
- B. Sc. (Hons.) Physics
- B. Sc. Physical Science Chemistry
- B. Sc. Physical Science Computer Science
- B. Sc. AppPhysical Science Industrial Chemistry
- B. Sc. Physical Science Electronics

Commerce

- B.Com Course
- B.Com (Honours)

ARTS/HUMANITIES

- B.A. (Programme)
- B.A. (Hons.) Economics
- B.A. (Hons.) English
- B.A. (Hons.) Hindi
- B.A. (Hons.) History
- B.A. (Hons.) Political Science

Postgraduate Courses

ARTS/HUMANITIES

- M.A. Hindi
- M.A. English
- M.A. Political Science

COMMERCE

- M.Com.

Discipline Wise B.A (Prog.)

Discipline Combination

Category A: Sanskrit + Any other discipline subject from List I

Category B: Hindi + Any other discipline subject from List I

Category C: Comp. App. + Any other discipline subject from List I

Category D: Mathematics + Any other discipline subject from List I

Category E: English + Any other discipline subject from List I

Category F: Any two disciplines from List 2

List-I

- Computer Application
- Economics
- English
- Hindi
- History
- Mathematics
- Political Science
- Sanskrit

List-II

- Economics
- History
- Political Science

NEP Structure

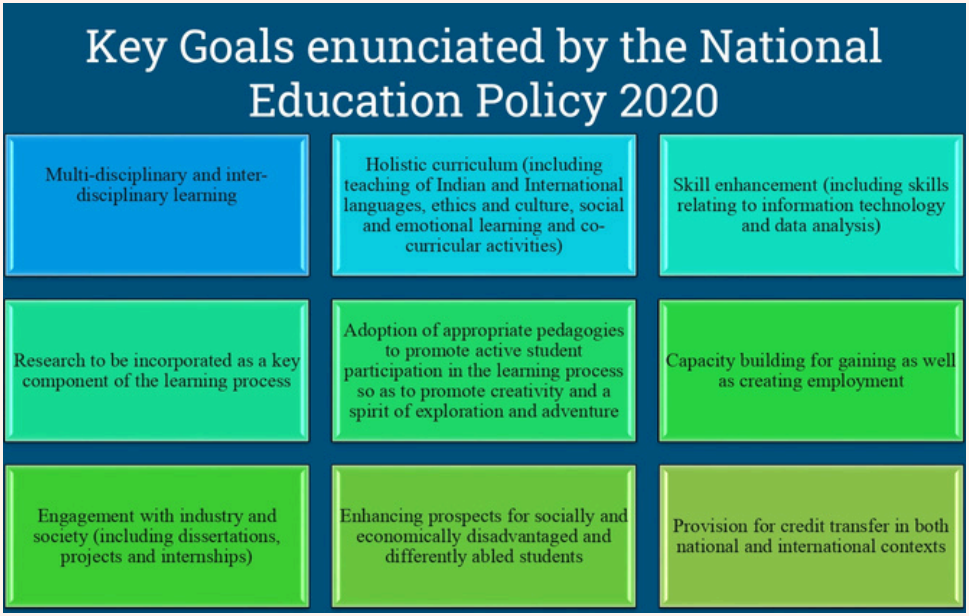

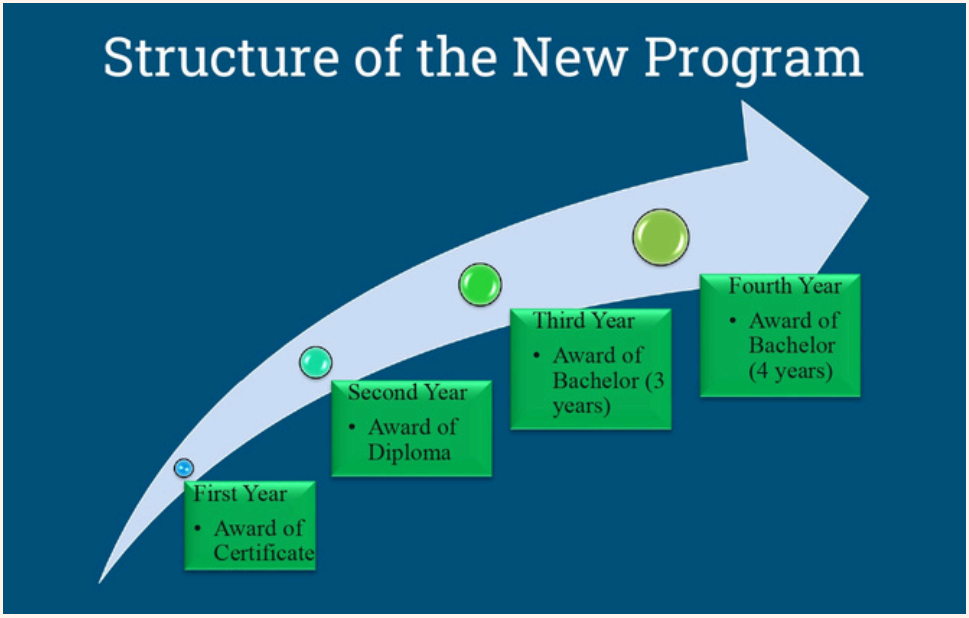

Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.)

Award of Certificate (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprentice-ship/Project/ Community outreach	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC - 1(4) DSC - 2(4) DSC - 3(4)		Choose one from apool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool ofcourses (2)		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits
II	DSC - 4(4) DSC - 5(4) DSC - 6(4)		Choose one from apool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool ofcourses (2)		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits

Total = 44

Award of Diploma (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprentice-ship/Project/ Community outreach	Value addition course (VAC)	Total Credits
III	DSC- 7(4) DSC- 8(4) DSC- 9 (4)	Choose one from pool of courses, DSE – 1 (4) OR Choose one from pool of courses, GE -3 (4)**		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)*		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits
IV	DSC- 10(4) DSC- 11(4) DSC 12(4)	Choose one from pool of courses, DSE – 2 (4) OR in the alternative choose one from pool of courses GE - 4 (4)**		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (IAPC) (2)*		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits

Total = 88

Award of Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprentice-ship/Project/ Community outreach	Value addition course (VAC)	Total Credits
V	DSC- 13(4) DSC- 14(4) DSC- 15(4)	Choose one from a poolof courses DSE-3 (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)***			22 credits
VI	DSC - 16(4) DSC -17 (4) DSC -18 (4)	Choose one from a pool of courses DSE - 4 (4)	Choose onefrom a poolof courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)***			22 credits

Total = 132

Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.) contd.

In the fourth year

- Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entrepreneurship)
- Bachelors of (Honours with Research in Discipline-1 (Major) with Discipline-2 (Minor)

Award of Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entrepreneurship) or (Honours with Research in Discipline-1 (Major) with Discipline-2 (Minor) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	(AEC)	(SEC)	Internship/ Apprentice-ship/Project/ Community outreach	Value additioncourse (VAC)	Total Credits
VII	DSC-19 (4)	Choose three DSE (3X4) courses OR Choose two DSE- (2X4) and one GE (4)^ course OR Choose one DSE (4) and two GE (2X4) courses (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic Project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC-20 (4)	Choose three DSE (3X4) courses OR Choose two DSE- (2X4) and one GE (4)^ course OR Choose one DSE (4) and two GE (2X4) courses (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic Project/ Entrepreneurship (6)	22 credits

Total = 176

UGCF for Multidisciplinary Courses of Study

Award of Undergraduate Certificate (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A1- (4) Discipline B1- (4) Discipline C1- (4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
II	Discipline A 2 (4) Discipline B 2 (4) Discipline C 2 (4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits

Total = 44

Award of Undergraduate Diploma (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
III	Discipline A 3 (4) Discipline B 3 (4) Discipline C 3 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR Choose from pool of courses, GE -3 (4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community Outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	Discipline A 4 (4) Discipline B 4 (4) Discipline C 4 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR in the alternative GE - 4 (4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits

Total = 88

Award of Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
V	Discipline A 5 (4) Discipline B 5 (4) Discipline C 5 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C - (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community outreach (2)			22 credits
VI	Discipline A 6 (4) Discipline B 6 (4) Discipline C 6 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C – (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR 'Intern-ship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits

Total = 132

Award of Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) (Honours or Honours with Academic Projects/Entrepreneurship) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC- (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two D SE -(2x4) one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits

Total = 176

UGCF for Courses of Study with more than Core Discipline

Award of Undergraduate Certificate (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	IAPC	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC - 1 (A/B) Discipline - A1 Discipline- B1 (4)		Choose one from a pool of GE Languages Language -1* GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool ofcourses (2)		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits
II	DSC -2 (A/B) Discipline -A2 Discipline- B2 (4)		Choose one from apool of GE Languages Language-2* GE -2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool ofcourses (2)		Choose one from a pool ofcourses (2)	22 credits

Total = 44

Award of Undergraduate Diploma (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective(GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	IAPC	Value addition course (VAC)	Total Credits
III	DSC-3 (A/B) Discipline - A3 Discipline - B3 (4)		Choose one frompool of GE Languages, Language-3* GE - 3 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	DSC – 4 (A/B) Discipline - A4 Discipline - B4 (4)		Choose one frompool of GE Languages, Language-4* GE - 4 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits

Total = 88

Award of Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	IAPC	Value addition course (VAC)	Total Credits
V	DSC – 5 (A/B) Discipline – A5 Discipline – B5 (4)	Choose one from a poolof courses DSE-1 (A/B)(4)	Choose one from apool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits
VI	DSC – 6 (A/B) Discipline – A6 Discipline – B6 (4)	Choose one from a pool of courses DSE-2 (A/B) (4)	Choose one from apool of courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR ' Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits

Total = 132

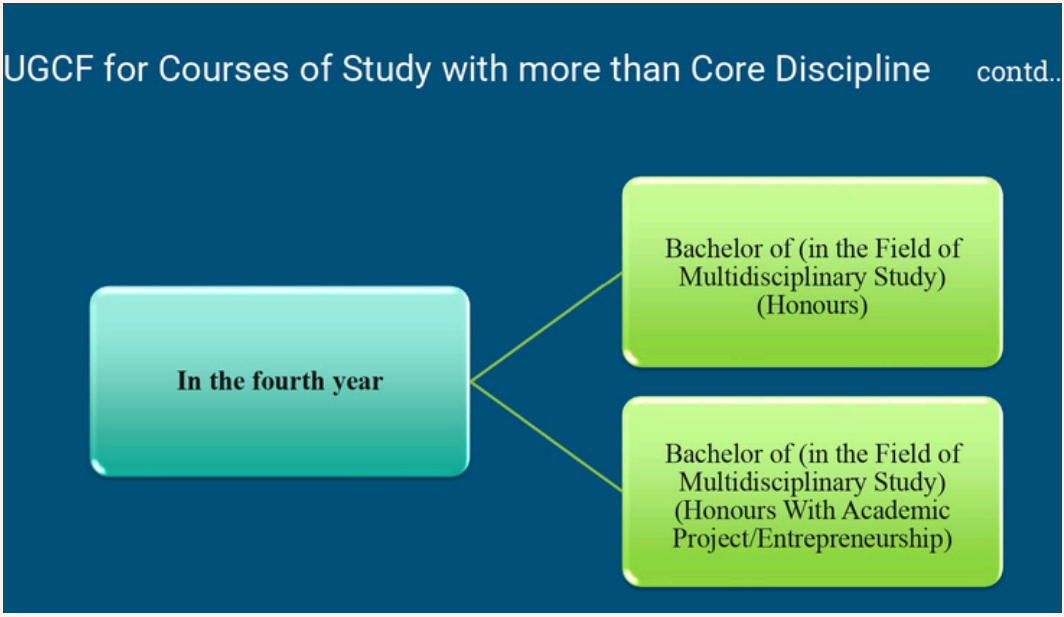

Award of Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) (Honours or Honours With Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	(AEC)	(SEC)	IAPC	Value additioncourse (VAC)	Total Credits
VII	DSC-13 (4)	Choose three DSE (3X4) courses OR Choose two DSE- (2X4) and one GE course OR Choose one DSE (4) and two GE (2X4) courses (total = 12)					Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC-14 (4)	Choose three DSE (3X4) courses OR Choose two DSE- (2X4) and one GE course OR Choose one DSE (4) and two GE (2X4) courses (total = 12)					Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits

Total = 176

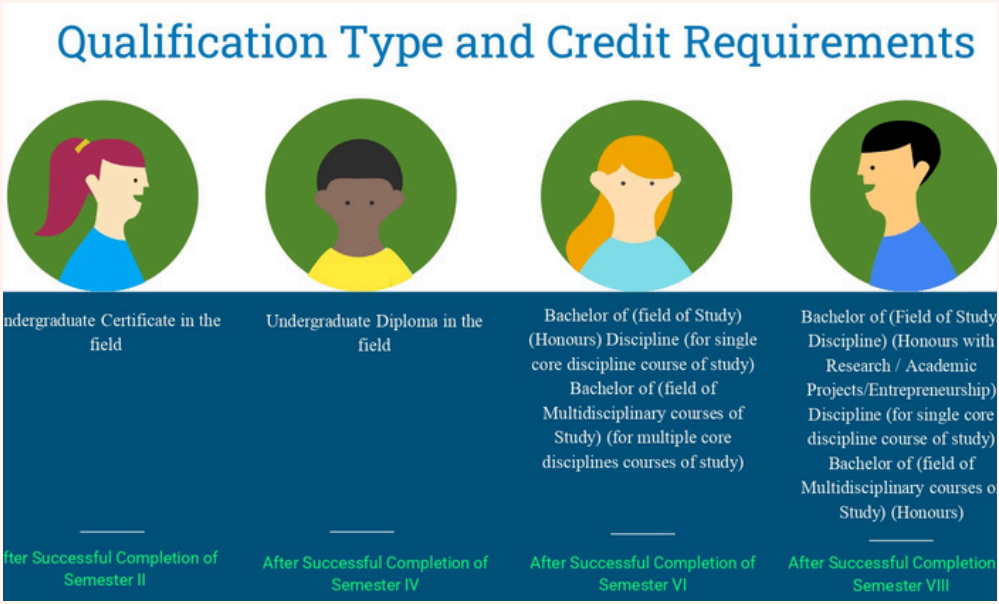
Qualification Type and Credit Requirements
ndergraduate Certificate in the field
fter Successful Completion of Semester II
Undergraduate Diploma in the field
After Successful Completion of Semester IV
Bachelor of (field of Study) (Honours) Discipline (for single core discipline course of study) Bachelor of (field of Multidisciplinary courses of Study) (for multiple core disciplines courses of study)
After Successful Completion of Semester VI
Bachelor of (Field of Study Discipline) (Honours with Research / Academic Projects/Entrepreneurship) Discipline (for single core discipline course of study) Bachelor of (field of Multidisciplinary courses o Study) (Honours)
After Successful Completion Semester VIII

State - Wise UG & PG Admissions

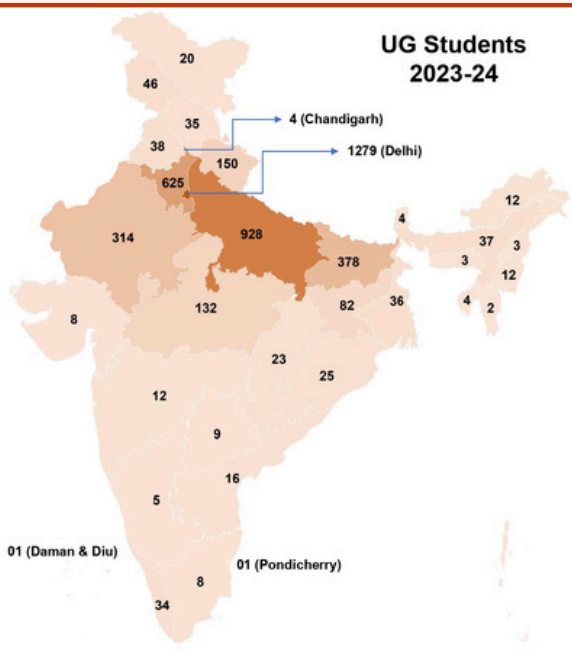

Andaman and Nicobar Islands	1
Andhra Pradesh	16
Arunachal Pradesh	12
Assam	37
Bihar	378
Chandigarh	4
Chhattisgarh	23
Daman and Diu	1
Delhi	1279
Gujarat	8
Haryana	625
Himachal Pradesh	35
Jammu and Kashmir	46
Jharkhand	82
Karnataka	5
Kerala	34
Ladakh	20
Madhya Pradesh	132
Maharashtra	12
Manipur	12
Meghalaya	3
Mizoram	2
Nagaland	3
Odisha	25
Pondicherry	1
Punjab	38
Rajasthan	314
Sikkim	4
Tamil Nadu	8
Telangana	9
Tripura	4
Uttar Pradesh	928
Uttarakhand	150
West Bengal	36

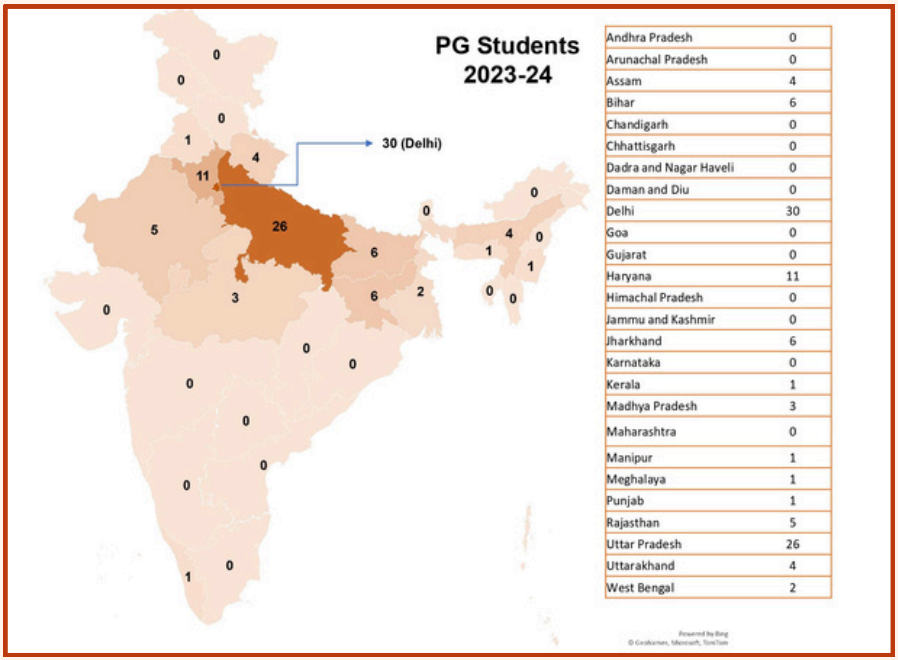

Andhra Pradesh	0
Arunachal Pradesh	0
Assam	4
Bihar	6
Chandigarh	0
Chhattisgarh	0
Dadra and Nagar Haveli	0
Daman and Diu	0
Delhi	30
Goa	0
Gujarat	0
Haryana	11
Himachal Pradesh	0
Jammu and Kashmir	0
Jharkhand	6
Karnataka	0
Kerala	1
Madhya Pradesh	3
Maharashtra	0
Manipur	1
Meghalaya	1
Punjab	1
Rajasthan	5
Uttar Pradesh	26
Uttarakhand	4
West Bengal	2

Department of Botany and Zoology

About the Department

The Department of Botany and Zoology were established in July 2005 to teach Biology (BY105) and Environmental Studies (ES111). Biology (BY105) and Environmental Studies (ES111) was introduced as compulsory and qualifying paper respectively for the first year students enrolled for the courses B.Sc. Physical and Applied Physical Science Biology which became effective from the academic year 2005-2006. A highlight of this course was that living processes discussed as a theme cutting across plants, animals and microbes, wherever possible. Also new laboratory exercises, which are not usually taught in other biology courses, were designed for this course. The same course was reintroduced in semester based scheme in 2010.
Presently the department is teaching Generic Elective (GE) and Ability Enhancement Compulsory Course (AECC): Environmental Sciences. It is shared by both Botany and Zoology Department.

Objectives

The Department was established with the following objectives:
• To inspire and encourage an interest in Botany and Zoology.
• To acquaint students with evolutionary principles and biodiversity we see around us.
• To instil in students an understanding, appreciation and respect for the other living beings which share our planet.
• To inculcate the spirit of conservation of nature and natural resources.
• To make students aware of the various disciplines encompassed by the field of Botany and Zoology and to encourage them to pursue higher education and research in those areas that interest them through further reading and coursework.
• To encourage the development of inductive and deductive reasoning and to promote better study and test-taking skills necessary for this and other courses.
• To enhance their proficiency in the experimental techniques and methods of analysis appropriate for their area of specialization.

Faculties

Botany:
1. Dr. Vibha Narang
2. Dr. Anita Singh

Zoology:
3. Dr. Swati M. Biswas
4. Dr. Kanchan Srivastava

Department of Chemistry

About the Department

The Department of Chemistry stands for excellence in chemical education and research. It is one of the oldest departments of the college, established in the year 1959. It has a strong record of achievement in chemical science and technology research with the support of a dynamic team consisting of teaching staff, non-teaching staff, project fellows and inspired research students. The areas covered under the department's teaching include fundamental chemistry, inorganic chemistry, organic chemistry, physical chemistry and the related technological extensions.

The growth of the Department can be viewed from the fact that it is running various research projects, amount running upto 3 crores. It has published nearly 180 international and national publications; teachers have received numerous awards etc. Each faculty is actively engaged in teaching, research work and has published several research papers in reputed journals.

The alumni of the department are well established in their fields like Bhawna Agarwal, former Vice-president, Yatra.com; Dr. R K Vatsa, Senior Research Scientist, BARC, Mumbai; Sandeep Kumar, Professor of Ophthalmology, ESIC Post Graduate Institute of Medical Science & Research (ESIC PGIMSR); Vineet Kumar, Senior Research Scientist, Stanford University School of Medicine to name a few.

Objectives

Right from its beginning, the Department has been privileged enough to have highly qualified, committed and hardworking faculty to guide and shape the student's future. The department has had the distinction of having the finest academicians like Dr. P S Raghvan, awarded the Best Teacher Award by University of Delhi (2009); Dr. M S Sethi, has published books in collaborations with Professor Satake, Fukui University Japan. The department has also been served by Professor A K Bakshi, Department of Chemistry, University of Delhi and Founding Vice-Chancellor, PDM University.

Societies

Committed to increase the public appreciation of Chemistry and to encourage interest in chemistry among young people, the Chemical Society of ARSD College organized and celebrated their annual festival ChemCrown.

Faculties

Prof. Jaya Tomar
Prof. Sunita Bhagat
Prof. Prashant Singh
Prof. Rajeev Singh
Dr. Suman Dudeja
Dr. Naorem Premjit Singh
Dr. Anju Bajaj
Dr. Sunita Bansal
Dr. Neeta Azad
Dr. Subash Chandra Mohapatra
Dr. Sangita Aggarwal
Dr. Meenakshi Gupta
Dr. Bhaskara Nand
Mr. Neeraj Mishra
Dr. Nidhi Dureja
Mr. Vishnu Kumawat
Dr. Sneh Lata
Dr. Anjali Verma
Dr. Om Prakash Yadav
Dr. Ram Swaroop Maharia
Dr. Anil Kumar
Mr. Bachan Meena
Dr. Nimalini Moirangthem
Dr. Preeti Chaudhary
Dr. Amit Kumar Sharma

Department of Commerce

About the Department

The Commerce Department of ARSD College was established in the year 1964with just two teachers, Mr. R.K. Grover and Mr. A.K. Mittal. Our first batch of B. Com. (P) was introduced in 1970s, when this course was bagged by only two colleges of University of Delhi- Atma Ram Sanatan Dharma College and Hans Raj College. Top rank holder was from our College. ARSD College was also the first college in the University of Delhi to start a Vocational Guidance and Training Scheme (now Placement Cell) in 1975under the 20-point program of the then Prime Minister Smt. Indira Gandhi with Dr. R.K. Kaushik, Principal ARSD College, as the Chairman and Mr. S.K.Grover (Retd.), Commerce faculty, as the Staff Advisor. Currently the strength of students in our department is 900 (approx.).

Objectives

1. To enable the students to explore and understand themselves by exposing them to the best of Academic and Extra-Curricular environment.
2. To be a department of Academic Excellence with total commitment to quality education with holistic concern for better life, environment and society.

Faculties

Prof. Sandeep
Prof. Uma Sanjay Singh
Prof. Anjali Gupta
Dr. Nidhi Bansal
Dr. Manika Jain
Dr. Kokila Negi
Dr. Anamika Kadam
Dr. Indu Sigh
Mr. Barun Kumar Jha
Mr. Ravinder Pant
Dr. Anu Priya Arora
Dr. Parminder Kaur
Dr. Ruchika Kaura
Dr. Mohd. Rehan Alam
Ms. Neetu Yadav
Ms. Sonam Dutta
Mr. Geetesh Yadav
Dr. Raghvendra Bochaliya
Dr. Baljeet Kaur
Dr. Siva Chander G
Mr. Vikram Chand
Mr. Sumit Kumar Bansal
Ms. Shikha
Ms. Priyanka

Societies

"Commercico" society has student centric approach which aims at all round development of students. It organizes two-day annual fest in the month of march and organize inter college and intra college events with full participation of students from different universities and colleges.

Department of Computer Science

About the Department

Department of Computer Science was established in 1997. The department started with four year professional course Bachelor of Information Science (BIS) being run by University of Delhi duly recognized by the UGC. The first batch of BIS students passed out in year 2001 and the last batch graduated in year 2004. The course was introduced to cater to the current and future needs of the computing industry. The curriculum for the course was designed to include a balanced mix of course work ,assignments and projects work. B.Tech FYUP course was also offered from 2013 to 2017.There are a number of courses in core Computer Science as well as in current technologies, besides courses in Mathematics, Electronics and Management. Later on the course was converted to three year undergraduate programme B.Sc. (Hons.) Computer Science.

Objectives

Apart from providing rigorous foundations of the concepts of Computer Science and Information Technology, the course equips the students with the capability of easily adapting to the ever-changing technology through appropriate combination of project work and assignments.

The department has four spacious, well equipped air conditioned Computer laboratories with around 100 computers of the latest configuration networked to high end servers in the Server Room. All systems provide access to latest software's and are Wi Fi enabled, providing access to Internet which can be extended. The well qualified and dedicated faculty provides guidance in academics, higher studies, research and placement of our students. Exposure to emerging trends and technologies, aids us to facilitate growth that strengthens the knowledge-base of the students.

Societies

The department organizes a two day fest "Sanganak Vimarsh" annually. In this fest, events like Quest-Mania, Dig the Data, Hack the Code, Algo-Rhythm, Ad-Mad shows and Treasure Hunt are organised.

Faculties

Prof. V. S. Dixit
Dr. Shalini Aggrwal
Mr. Manvendra Yadav
Ms. Manisha Bagri
Mr. Jag Mohan
Mr. Mahesh Kumar
Dr. Roushan Kumar
Ms. Rashmi Mishra
Dr. Lokesh Kumar Srivastav
Dr. Parul Jain
Mr. Dharmendra Singh
Ms. Rashmi Yadav
Ms. Archana Gahlaut
Ms. Uma Ojha

Department of Economics

About the Department

The Department of Economics was instituted along with the establishment of college in 1959. It offers B.A. (Honours) Economics – a 3 year undergraduate programme which is one of the prestigious courses of University of Delhi. The Department was founded with an aim of imparting knowledge of economics to students. The effort is to equip students with analytical tools of economics as well so that they can better understand and analyze the economic problems.

Beginning with few students and faculty members like Dr. O. P. Anand, Dr. Y.P. Chibber, Dr. Rudra Dutt, Dr. C. L. Khanna, Dr. S. K. Sinha the Department has grown over years. One of our faculty members Dr. M. M. Sury; was a Visiting Fellow in the Department of Law and Management, University of Mauritius during September – October, 2000. He has been the Economic Advisor, Delhi State Finance Commission during 1996 – 1997.

Four of our eminent faculty members – Dr. Anup Chatterjee, Dr. Rajan Kohli, Dr. P. Sardamani and Ms. Premlata Anand have retired in 2015. In December 2017, Mrs Savitri Sidhana has retired after serving the institution for over 40 years. In their respective tenures, all members have served the college in different capacities, both in academic as well as non-academic.

Currently the department has strength of 15 well qualified faculty members. The varied interests of our faculty members ranging from microeconomics, econometrics and environmental economics on one hand to political economy and Indian economy on the other help us in teaching a course as diverse and as challenging as Economics (H) of the Delhi University.

Objectives

The varied interests of our faculty members ranging from microeconomics, econometrics and environmental economics on one hand to political economy and Indian economy on the other help us in teaching a course as diverse and as challenging as Economics (H) of the Delhi University.

Societies

With an aim to achieve holistic development of our students the Department conducts various seminars / talks for students' academic improvement and to guide them in choosing their career. The Economics department organizes various events through EKONOMIKO –the economics society. All the faculty members and students of the department are members of this society. The society works under the mentoring of the faculty but is largely student driven. The highlight of the society is the annual economics fest "QUAESTUS". Quaestus is an intrinsically student-led fest that aims at delivering both fun as well as a learning experience while simultaneously providing for an environment conducive for honing one's skills. Keeping with the

nature of Economics – a discipline which provides the raw data which powers other social sciences – this event is perfect for observing social interactions closely and getting to know people with same areas of interest and expertise. The event witnesses huge inter college participation in wide array of events like paper presentation, quiz, and debate. The festival receives overwhelming response from students spanning from south campus to north campus.

Faculties

Dr. Richa Suri Rastogi
Mr. Ranjan Swarnakar
Dr. Jai Prakash
Mr. Abhash Kumar
Ms. Shweta Nanda
Dr. Anushruti
Mr. Rakesh Kumar
Dr. Rashmi Kumar
Dr. Saraswati
Dr. D. Appala Naidu
Mr. Uttam Kumar
Mr. Dipak Prakash
Mr. Sandeep Kanyal
Ms. Swaran Lata Meena
Dr. Anuradha
Ms. Akanksha Singh

Department of Electronics

About the Department

The Department of Electronics was established in the year 2009. B.Sc. (Hons.) Electronics was initially introduced in 1991 in the joint department of Physics and Electronics. The department of Electronics, since its inception has many able and hardworking faculty members. The department of Electronics is committed to give in-depth, globally acceptable all-round knowledge to our students. Growing steadily, today the Department of Electronics teaches various topics in Electronics, to undergraduates not only of Electronics but also students of Computer Science, Physics, Mathematics and Chemistry.

The department laboratories are modern and are well equipped with sophisticated hardware and latest software's. The department faculty members are very distinguished academicians and researchers.

Objectives

• To develop the skills and abilities in students that will facilitate them to acquire good job opportunities in the industries or for their higher studies.

• To provide an in-depth knowledge related to the core area of electronics, from basic level to the level of detailed analysis. To provide a base for research, in addition to the exposure on latest advancements in the field of electronics.

• To develop the concepts of professional practices, innovation Projects, summer projects, summer Training and Research.

Facilities

Electronics Lab is digitally equipped with desktop and laptops, broadband connection, printer and projector, where guest lectures and expert talks and various competitions are regularly organized for students.

Virtual labs are used to conduct labs through simulations.

Laboratories

The experiments are designed by our skilled and experienced faculty with the aim to equip the students with in-depth knowledge related to the core area of electronics. They are able to focus on designing of electronic circuits. This also helps them to enhance their teamwork capabilities.

Departments offers advanced laboratory with high end hardware trainer kits and latest version of simulation software tools.

Hardware Labs

Electronics Department is equipped with highly developed hardware labs, that have superior quality and sophisticated trainer kits that allows students to design,

implement and think beyond horizon. We have following hardware labs fully furnished and endowed with teaching and training kits, hardware components and qualified and skilled lab instructors

Software Labs

Electronics Department finds its application both in hardware and software these days. With so many advancements in the technology, software and programming tools provide real time and life like simulation as well as emulation environments to design & implement those devices and logics that are bound by hardware limitations. Tools from Pspice, Python Programming, Xilinx, Scilab, Proteus, Atmel Studio and Android helps in analysing the performance of various systems and delivers quick results. With the help of such tools, many research papers and innovations have been implemented by our esteemed faculty and brilliant students. We have the most advanced and latest versions of the following labs that are equipped with software tools:

Societies

"Electropark" (Electronics society) is very active and provides opportunities to students to interact with external organizations/industry and gain additional knowledge in related fields by organizing seminars/ workshops/ trips/ events.

Faculties

Prof. Jyotika Jogi
Ms. Anju Rustagi
Ms. Saruchi Tandon
Dr. Meena Dadu
Dr. Nisha Jha
Dr. Puneet Sehgal
Dr. Sachin Kumar
Mr. Harikesh Meena

Department of English

About the Department

The Department of English is staffed with highly qualified teachers. The Department encourages students to develop a holistic approach to the humanities and social sciences through interdisciplinary studies, apart from working within its regular academic curriculum. Besides facilitating serious interrogation of ideas, texts and society, the Department encourages students to explore their literary and quasi-literary talents. It also holds regular workshops with students to hone their academic writing skills. The B.A. English (Honours) is a much sought after course in the college. The faculty does not restrict itself to textbook methodology when guiding the students in completing the course. Students are encouraged to participate and take responsibility in organizing the activities of the English Association, the English Debating Society, the Magazine Society and the Film Appreciation Society. This provides them opportunities to showcase their creative talent and general awareness and also their skills of leadership and teamwork.

Objectives

Empower the students of literature by stimulating and developing their imagination and critical thinking through teaching and research and provide the highest quality education.

Faculties

Ms. Gurvandna R. M. Singh
Ms. Mousumi Ray
Ms. Konika Kwatra
Ms. Shibani Phukan
Dr. Achingliu Kamei
Dr. Gautam Choubey
Dr. Shubha Dwivedi
Ms. Maitrayee Roychoudhury
Dr. Rosy Sinha
Dr. Prerana Sinha
Dr. Jyothsnaphanija Bolla
Dr. Priyanka Kulhari

Socities

The English Department organizes annual fest “Sonnet”. Which is met with increasing enthusiasm year after year. We also organise informative and student-centric seminars from time to time.

The Department also launches students’ newsletter ‘Synergy’ every year.

हिंदी विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

हिंदी विभाग महाविद्यालय के स्थापनावर्ष 1959 के आरंभिक दिनों से ही उसका एक अनिवार्य हिस्सा रहा है। विभाग बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी के अलावा बी.ए.प्रोग्राम तथा अन्य बी.ए.(ऑनर्स), बी.कॉम.(ऑनर्स), बी.कॉम.प्रोग्राम आदि पाठ्यक्रमों में हिंदी भाषा साहित्य और उससे जुड़े विषयों का शिक्षण देता रहा है। एम.ए. के स्तर पर ट्यूटोरियल कक्षाएँ लेता रहा है। डॉ. तिलकराज शर्मा, डॉ. जगदीश भारद्वाज 'सम्राट', डॉ. प्रेम प्रकाश गौतम, डॉ. एस.के.चंदेल और डॉ. सुरेश्वर के.शास्त्री विभाग के आरंभिक सदस्य रहे हैं, जिनके महत्त्वपूर्ण योगदान और प्रयासों से विभाग का स्वरूप निर्मित हुआ है।डॉ. जयदेव तनेजा (प्रसिद्धरंग समीक्षक, नाट्यालोचक एवंसंपादक), डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया (कथा आलोचक, नाट्य समीक्षक, प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग , भावनगर विश्वविद्यालय) एवं डॉ. सुरेन्द्र नाथ सिंह (प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) हमारे विभाग के पूर्व प्रमुख एवं महत्त्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।

विभाग का लक्ष्य

· विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास
· रचनात्मक अभिवृत्ति विकास
· सामाजिक- सांस्कृतिक चेतना का विकास
· हिंदी भाषा का क्रियात्मक ज्ञान
· साहित्य का सामाजिक, ऐतिहासिक, रचनात्मक एवं तुलनात्मक अधययन
· जिम्मेदार नागरिक निर्माण
· व्यावसायिक पक्ष – भाषा और तकनीक को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों में व्यावसायिक कार्यक्षमता का विकास करना।

परिषद

1. हिंदी परिषद, विभागीय वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करता है ,जिसमे विश्वविद्यालय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिता, काव्यपाठ प्रतियोगिता , साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं समकालीन कवियों का कव्यपाठ कार्यक्रम आयोजित करता है।
2. हिंदी सेमिनार विभाग एवं अन्य विभागों के साथ सहयोग से छात्र केंद्रित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करता है ।

अंतर आनुशासनिक पत्रिका 'समन्वय' का प्रकाशन

हिंदी विभाग पिछले आठ वर्षों से 'समन्वय' नाम से एक छात्र केन्द्रित पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की शोध अभिरुचि को जागृत और विकसित करना है ।

विभाग के प्राध्यापक

प्रोफेसर ज्ञानतोष कुमार झा
डॉ. रश्मि बहल
प्रोफेसर जसपाली चौहान
डॉ. रेणु बाला
डॉ. राजेशचंद आदर्श
प्रोफेसर संजय सिंह बघेल
डॉ. श्रीधरम
डॉ. अरविंद कुमार मिश्र
डॉ. अनिल कुमार सिंह
डॉ. विजय नारायण मणि
डॉ. संतोष कुमार
डॉ. गीता देवी
डॉ. रूबी देवी
डॉ. रामरतन प्रसाद

Department of History

About the Department

Although the Department of History was started in the founding year of the College itself i.e., 1959; for the first 10 years it was only offered as part of the erstwhile B.A. (Pass) course. Eventually realising the growing demand
for the discipline, History was introduced as an Honours course in 1969. Thereafter, by virtue of a stellar faculty's endeavour and the matching enthusiasm of its students, this department has earned a name for being one of the most active and vibrant departments of this college.

Objectives

Among the main aims of this department is inculcation of a historical and long-term perspective in the students and prepare them for a wider role in the society. To that end, we try to further enrich the class room experience by organising regular talks by eminent scholars, arranging for frequent trips to places of historical interest, conducting workshops, and also project based study tours. Our endeavour is not only to promote academic excellence but also to impart the necessary skills to enhance employability, towards which a variety of skill enhancement courses have been recently introduced to further improve the students' prospects in the job market.

Societies

Annual departmental festival Clio Calling.

Faculties

Prof. Vishwamohan Jha
Dr. Renu Bahuguna
Ms. Ajitha Kakumanu
Mr. Ajeet Kumar
Mr. Deepankar
Dr. Priyam Barooah
Mr. Mihir Kumar Jha
Dr. Syed Mubin Zehra
Dr. Vijjika Pandey Singh
Mr. Sandeep Sharma
Dr. Mrityunjay Kumar

Department of Mathematics

About the Department

The Department of Mathematics was established in the year 1962. Since inception, the department was fortunate to have extremely dedicated and able faculty members like S.S. Lal, P.N. Gupta, S.P. Verma, R.K. Gupta, R.S. Gupta, K.P. Chinda – all well known names in their respective fields.

Dr. K.P. Chinda had a short stint as faculty member of the department before going to USA for his doctorate. He later became the founder Principal of Keshav Mahavidyalaya, University of Delhi. Shri R.S. Gupta while serving as faculty member got selected in the prestigious Indian Administrative Services. The Department also has distinguished alumni like Professor S.C. Arora who served as the Head of the Department of Mathematics, University of Delhi from 03.10.2005 - 02.10.2008.

Growing steadily, today the Department of Mathematics teaches various streams of Mathematics to undergraduate's students of Science and Commerce. By keeping abreast of the latest developments, the department periodically updates and revises its teaching methods for the benefit of the students.

Objectives

The objectives of teaching and learning mathematics are to encourage and enable students to develop abstract, logical and critical thinking and the ability to reflect critically upon their work and the work of others.

Societies

Quaternion is the Mathematics Society of Atma Ram Sanatan Dharma College. It organizes the annual fest 'Tangentia'.

Faculties

Dr. Monica Suri
Ms. Jyoti Kaushik
Dr. Pratibha Mehrotra
Ms. Shilpi Jain
Dr. Preeti Jain
Dr. Amit Mittal
Mr. Agam Dwivedi
Mr. Amit Kumar
Mr. Raj Kumar Bhagat
Dr. Priyanka Yadav
Mr. Chhatra Pal
Mr. Kapil Kumar
Mr. Anil Kumar Rajak
Mr. Ashutosh Meena
Mr. Anant Tiwari
Ms. Shikha Gupta Jain
Mr. Kunwar Vijay Kumar Singh
Dr. Shard Rastogi
Mr. Rajpal Rajbhar

Department of Physics

About the Department

The department of physics is one of the oldest and the largest departments of the college that was established in 1959 with 5 faculty members and one laboratory in Anand Parbat building. At that time B.Sc. (General) was the only program that was being offered by the department. The department has been well known for its good academic reputation and contribution to the college and university. Two of the faculty members are former Principals and two others have been DUTA Presidents in the past. At present there are 29 faculty members and three fully equipped and well-furnished laboratories in the department.

Objectives

• To provide a high quality education which prepares students for further study and research in physics and for a wide range of career opportunities.
• To support teaching and learning with well-equipped laboratory and computing facilities
• To provide the support and guidance that students need, and to encourage them to take on responsibility for their educational development
• To foster a friendly and stimulating learning environment in which students are motivated to reach high standards, to acquire real insight into physics and to become self-confident, committed and adaptable graduates

Societies

We have very active student's physics society which organizes many competitions, seminar and group discussions on various current topics related with physics. The society organizes a two day fest 'Feynmania' annually. On the first day a talk is held by the society where we invite eminent scientists from the field of physics. Post talk various competitions are held on that day and the second day. Students from other departments and colleges participate in large number in these competitions.

Faculties

Dr. Pinky Dureja
Dr. Nutan Mishra
Dr. Geeta Sanon
Prof. Vinita Tuli
Dr. Bajrang Lal Prashant
Mr. Pravata Kr. Behera
Dr. Rajveer Singh
Dr. Manish Kumar
Dr. S. Shankar Subramanian
Dr. Rakesh Malik
Dr. Manisha
Dr. Devendra Kumar Rana
Dr. Pankaj Narang
Dr. Ashutosh Vishwa Bandhu
Dr. Anjani Kumar Singh
Dr. Anjali Sharma Kaushik
Dr. Raghvendra Pandey
Dr. Avanish Pratap Singh Rajput
Dr. Arvind Kumar
Ms. Swati Jharwal
Dr. Yogesh Kumar
Mr. Ashok Kumar
Mr. Lalit Kumar
Dr. Rita Singh

Mr. Bhupendra Singh
Mr. Mohd Sadiq
Dr. Abid Hussain
Dr. Amit Kr. Vishwakarma
Ms. Sonia Yogi

Department of Political Science

About the Department

The Department of Political Science was instituted in 1959 along with the establishment of the College with undergraduate course and later on post-graduate course was introduced. Mr M.N. Anand was the founding faculty member of the department in the college. This is one of the most active, vibrant and innovative departments. It is the only bilingual (Hindi and English) department. Department consists of young and enthusiastic teachers committed to creating a democratic academic culture. Several teachers from the department have taught post-graduate classes and guided research students. Teachers have actively contributed in academic and administrative bodies, such as Executive Council and Academic Council of the University. Some of the faculty members have been on the editorial boards of reputed national and international journals. The department endeavours to impart a holistic education. Our pedagogy is influenced by the philosophy of balance and the need to develop all facets of one's personality. In our stakeholders, we try to inculcate the values of integrity and commitment, in the classroom and beyond. Students are made aware of their social roles and responsibilities through extended learning hours in the activities of NSS, NCC, Eco-Club, WDC and other college societies.

Objectives

The department envisions endowing each student with life-long learning capabilities, creative thinking, innovative skills and humanitarian values. The primary goal of the department is to provide students with the conceptual and analytical understanding of political institutions and processes of the state. Our objective is to create an academic environment in which students can acquire knowledge of the discipline, develop their academic skill, think critically about the world around them and prepare to become good citizens. The Department has a vibrant and interactive learning atmosphere, enabling students to develop their intellectual as well as aesthetic faculties.

Societies

Republica, the Association of the Department of Political Science functions through elected student office bearers under the Convenorship of a faculty member. It is a vibrant association, which organizes seminars, academic tours, documentary and film screenings, debates and quiz etc. every year. Republica organizes its annual academic departmental festival called POLIFORUM.

Faculties

Prof. I. M. Jha
Prof. Anamika Prasad
Ms. Aggya Pandeya
Dr. Charu Mathur
Dr. Shambhu Nath Dubey
Dr. Amit Singh
Dr. Bhav Nath Jha
Dr. Indrajeet Kumar Jha

Dr. Sumit Prasher
Dr Prem Chand
Dr. Renu Keer
Dr. Vikas Kumar
Dr. Surendra Singh
Mr. Dharmendra Kr. Neeraj
Ms. Ankita Chauhan
Dr. Pinki Roy
Ms. Bhawna

संस्कृत विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास

संस्कृत भाषा समृद्ध एवं वैज्ञानिक भाषा है। हमारी समृद्ध एवं गौरवशाली विरासत से जुड़ी यह संस्कृत भाषा न केवल भारत में अपितु विदेशों में भी वर्तमान में प्रासंगिक है। महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1959 ई. में हुई और इसी वर्ष संस्कृत विभाग प्रारम्भ हुआ। विभाग बी. ए. प्रोग्राम के अन्तर्गत संस्कृत विषय प्रथम एवं द्वितीय विषय के रूप में अर्थात् (मेजर और माइनर के रूप में)पाठ्यक्रम प्रदान करता है । स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों के लिए ए. ई. सी. के अन्तर्गत संस्कृत भाषा का विकल्प प्रदान करता है, साथ ही जी. ई., एस. ई. सी. और वी. ए. सी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम भारत की बौद्धिक परंपराओं के वैशिष्ट्य को प्रकाशित करते हैं।

विभाग में योग्य एवं अनुसन्धानोन्मुख प्राध्यापक हैं, जो आधुनिक दृष्टिकोण से संस्कृत पाठ्यक्रम के विषयों को उपस्थापित करते हैं परिणामस्वरुप छात्र संस्कृत विषय एवं भाषा को रुचि तथा उत्साह पूर्वक अध्ययन करते हैं। अपने विषय में दक्ष प्राध्यापक स्नातकोत्तर छात्रों एवं शोधार्थियों का भी मार्गदर्शन करते रहे हैं।

उद्देश्य -

संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करना और छात्रों का सर्वांगीण विकास करना विभाग का सर्वोपरि लक्ष्य है। संस्कृत और संस्कृति भारत देश की प्रतिष्ठा हैं- इस तथ्य की व्यावहारिकता का ज्ञान प्रदान करना विभाग का उद्देश्य है। वर्तमान में महर्षि पतंजलि के योगशास्त्र, कौटिल्य के अर्थशास्त्र,चरक के आयुर्वेद,आर्यभट्ट के गणितशास्त्र आदि मौलिक ग्रन्थों की व्यावहारिकता एवं रचयिताओं के योगदानों से छात्रों को अवगत कराना विभाग का उद्देश्य है।

विभागीय समिति

विभागीय समिति 'सृजन' छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन छात्रों के ही सहयोग से करती है। प्रतिवर्ष संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला का आयोजन, संस्कृत प्रतियोगिताओं का अन्तर्महाविद्यालय स्तरपर आयोजन तथा प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यानों का आयोजन विभागीय संस्था द्वारा किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छात्रउत्साह से प्रतिभागिता करके शैक्षणिक , सांस्कृतिक एवं प्रबन्धात्मक कौशल का विकास करते हैं।

विभाग के प्राध्यापक

डा. माधव गोपाल

Student Societies

CANTEEN COMMITTEE	Dr. O.P. Yadav	9650156307
STUDENTS' UNION ADVISORY COMMITTEE	Mr. Ashok	9650802350
FUND ALLOCATION COMMITTEE	Dr. Kokila Negi (Bursar, Ex-Officio)	9968181366
FINE ARTS & CRAFTS SOCIETY	Dr. Charu Mathur	8586982298
WORLD UNIVERSITY SERVICE	Dr. Baljeet Kaur	9873291943
CULTURAL SOCIETY	Dr. Rosy Sinha	9968319970
HINDI DEBATING SOCIETY	Dr. Shri Dharam	9868325811
ENGLISH DEBATING SOCIETY	Dr. Priyanka Kulhari	9313339119
GANDHI STUDY CIRCLE	Dr. Vikas	9971961377
SPORTS BOARD	Dr. K.K.Sharma, DPE	9999215020
COMMON ROOM COMMITTEE	Dr. Rita Singh	9654744068
DRAMATICS SOCIETY	Prof. Vinita Tuli	9811125949
POPULAR LECTURE SERIES	Dr. Neeta Azad	9873165478
FILM APPRECIATION SOCIETY	Dr. Preeti Jain	9868668244
AMBEDKAR STUDY CIRCLE	Dr. Sandeep Sharma	9506360610

PHOTOGRAPHY SOCIETY	Dr. Anjali Sharma Kaushik	9811685798
ENACTUS SOCIETY	Dr. Manika Jain	9811337338
ATTENDANCE COMMITTEE	Dr. Nisha Jha	9910111986
TIME TABLE COMMITTEE (Overall Convenor & Science Convenor)	Dr. Ashutosh Vishwa Bandhu	8800240545
TIME TABLE COMMITTEE (Arts Convenor)	Dr. Priyanka Kulhari	9313339119
TIME TABLE COMMITTEE (Commerce Convenor)	Dr. Nidhi Bansal	9891670154
ACADEMIC PLANNING COMMITTEE	Mr. Rajkumar Bhagat	9911254438
FEE CONCESSION & STUDENTS' AID FUND COMMITTEE	Mr. Anant Tiwari	9971697447
COLLEGE MAGAZINE COMMITTEE	Dr. Bhavnath Jha	9891833448
CAMPUS IMPROVEMENT COMMITTEE	Dr. Om Prakash Yadav	9650156307
DISCIPLINE COMMITTEE	Mr. Ashok	9650802350
ANTI-TOBACCO COMMITTEE	Dr. Geeta Devi	9210366735
WOMEN DEVELOPMENT CELL	Dr. Preeti Jain	9868668244
ANTI DISCRIMINATION OFFICER	Prof. Anamika Prasad	9811200742

PUBLIC GRIEVANCE OFFICER	Dr. Vikas Kumar	9971961377
SC/ST CELL CONVENER	Mr. Deepankar	9990179780
INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE PRESIDING OFFICER	Prof. Vinita Tuli	9811125949
NSS PROGRAM OFFICER	Dr. Geeta Devi	9210366735
NCC OFICER	Capt. (Prof.) Sandeep	9910585286
PLACEMENT CELL	Dr. Ashutosh Vishwa Bandhu	8800240545
SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP CELL	Prof. Anjali Gupta	9811385880
TECHNOLOGY BUSINESS INCUBATOR	Dr. Shankar S. Subramanian	9540794900
YUJ, YOGA AND WELLNESS SOCIETY	Dr. Neeta Azad	9873165478
NORTH-EAST WELFARE SOCIETY	Dr. N.P. Singh	9968428605
SHIKHAR, MOUNTAINEERING CLUB	Mr. Harikesh Meena	7976403018
FINANCE AND INVESTMENT CELL	Dr. Siva Chander G	8754563190
EQUAL OPPORTUNITY CELL	Mr. Ajeet	9868888693
ECO-CLUB	Dr. Kanchan Srivastava	8860998008
QUIZ SOCIETY	Dr. Abhash	9350876600
CREATIVE WRITING SOCIETY	Dr. Gautam Choubey	9911573245

List of Teachers In-charge

Sr. No.	Name	Department	Contact no.	Email Address
1	Dr. Swati M. Biswas	Botany/ Zoology	9811520197	swati.majumdar@gmail.com
2	Dr. Sneh Lata	Chemistry	9811299194	sneh05@gmail.com
3	Dr. Nidhi Bansal	Commerce	9891670154	nidhiarsd@yahoo.co.in
4	Dr. Shalini Aggarwal	Computer Science	9911155236	gupta15salini81@gmail.com
5	Dr. Jai Prakash	Economics	9911655680	jp242@rediffmail.com
6	Dr. Meena Dadu	Electronics	9810621659	meenadadu1970@rediffmail.com
7	Dr. Priyanka Kulhari	English	9313339119	priyanka19jan@gmail.com
8	Prof. Sanjay Singh Baghel	Hindi	9868593732	sanjaysinghdu@gmail.com
9	Dr. Ajit Kumar	History	9868888693	ajeet126@yahoo.com
10	Dr. Amit Mittal	Mathematics	9811431290	to.amitmittal@gmail.com
11	Dr. Manisha	Physics	9953856680	manishupadhyay9@gmail.com
12	Dr. Vikas Kumar	Political Science	9971961377	kumarvikas21@gmail.com
13	Dr. Madhav Gopal	Sanskrit	9650985415	mgopalt@gmail.com

Academic Initiatives for Students

Prabodh

The aim of the in-house research and innovation projects scheme- PRABODH, is to promote the research culture in the College and encourage the involvement of teachers and students in research initiatives in areas that go beyond the curriculum boundaries to address real life challenges faced by the society, the nation and the world. Such research ingenuity is imperative to resolve collective problems in a more sustainable and efficient manner.

In order to give life to this purpose, the College is providing funding support to empower the faculty members, who are desirous of continuous engagement in research & innovation. College has received 17 research proposals from various department. Screening is under review.

Central Instrumentation Facility (CIF)

ARSD College proposes an interdisciplinary central instrumentation facility for the students, researchers and faculty members of the College. The aim is to provide modern analytical equipment to stakeholders so that they can keep pace with research taking place globally and publish their research findings in reputed journals. The CIF aims to provide a conducive research environment and optimized utilization of advanced infrastructure to enhance the quality of analysis and subsequent research outcomes.

Proposed Equipment's for CIF
1. Fourier Transform Infrared Spectrometer (FT-IR)
2. Ultraviolet-Visible Spectrophotometer (UV-VIS)
3. Atomic Absorption Spectrometer (AAS)
4. Ferroelectric P-E loop measurement setup
5. Deep freezer
6. High performance liquid chromatography (HPLC)
7. X-Ray Diffractometer (XRD) 28 Lakhs
8. Work station

Various Software's

Research & Innovation Programmes

The Centre for Innovation and Entrepreneurial Leadership (CIEL)

With the establishment of CIEL with support from M/o MSME, Government of India, ARSDhas become the first college of the University of Delhi to have a Technology Business Incubator on its premises. The main aim is to support the spirit of entrepreneurship and a zeal for leadership and progressive business ideas among the students. The Centre broadly promotes ideas in the fields of renewable energy, sustainable development, food and diary products, web technology and others.

Skill Development and Entrepreneurial Cells (E Cell)

In today's dynamic and highly competitive world, skill development and fostering an entrepreneurial mindset are essential for students. ARSD recognized this need and established Skill Development and Entrepreneurial Cells (E Cell) to empower students with the necessary skills, knowledge, and support to excel in their professional journeys. These cells act as catalysts for innovation, entrepreneurship, and personal development.

The primary objective of E Cell is to bridge the gap between theoretical education and practical application as well as to foster an entrepreneurial mindset among students. Its aim is to nurture a culture of innovation, creativity, and risk-taking, encouraging students to develop their own business ideas and ventures. E Cell provides platforms for aspiring entrepreneurs to refine their ideas, receive mentorship and guidance, access funding opportunities, and network with like-minded individuals. The cell frequently organizes entrepreneurship-related events, startup competitions, and guest lectures by successful entrepreneurs to inspire and motivate students. It also focuses on equipping students with industry-relevant skills, ennhancing their employability, and ensuring they are well-prepared for the job market. The Cell offers various skill development programmes, workshops, seminars, and training sessions in collaboration with industry experts. These initiatives cover technical skills such as programming languages and data analysis, as well as soft skills like communication, leadership, and problem-solving.

E Cell facilitates collaborations between colleges and industries, promoting knowledge exchange, internships, and research opportunities that align with industry needs. In this direction the Cell has entered into 31 MoUs for different agencies for add-on courses. Till date the Cell has completed 7 add-on courses targeting diverse fields.

INTERN-O-FEIRA 6.0

Intern-O-Feira 6.0: The Placement Cell organized the 6th edition of the flagship event- Intern-O-Feira, the annual internship and job fair on 26th February 2024. The event was held in blended mode and saw the participation of 60+ companies in offline mode and 35+ companies in online mode. Among the participating companies were industry giants like HDB Financial Services, Bajaj Allianz, Tech Mahindra, and UpGrad, offering a plethora of internship and job roles across diverse domains such as Finance, HR, Marketing, Software Development, and Content Writing.

The Fair received an overwhelming response from more than 2800 students, transcending the boundaries of the hosting institution, attracting students from renowned colleges like SRCC, Hindu College, and LSR, as well as from universities across Delhi/NCR, including Indraprastha University, Jamila Milia Islamia, Amity University, Bennett University, and others. More than 500 students received internships and job offers with diverse profiles in the Fair. Among the highlights was the revelation of the average stipend offered, which stood at an impressive 16000 per month. Additionally, the highest stipend offered soared to an impressive 30000 per month, reflecting the quality and competitiveness of the opportunities available.

Student Progression and Placement

The College has a very active Placement Cell. The objective of the Placement Cell is to provide employment opportunities to students along with guidance, mentorship and the necessary skills to increase students' employability. The Cell not only caters to third year students but to second year and first year students as well by providing internship opportunities to them. Moreover, the Placement Cell also routinely organises skill development workshops and motivational talks by eminent speakers

The Placement Cell encourages students to take the first step to their corporate journey through various internships and volunteering programs.

The Cell provided internship opportunities round the year with more than 45 companies like Bajaj Capital, Career Launcher, GoMechanic, Insplore Consultants, UpGrad, Sapio Analytics, Camp K12 and NGOs such as Make a Difference and CRY. This year, concerted efforts were made towards improving the overall skill set of the candidates by collaborating with various institutions like Prep Junction and conducting multiple preparatory aptitude tests and mock Group Discussions.

The placement Cell is delighted to share that with 145+ offers rolled, students have been successfully placed with some of the top firms globally like KPMG, EY, TresVista, Deloitte, Larsen & Toubro etc. The highest package offered for the session went up to 12 LPA, the average package being 5.23 LPA and the Median package amounted to 5 LPA.

Alumni Association

The College has a registered Alumni Association and wishes to involve its alumni in a meaningful manner for the benefit of the students and the institution. It organises an annual Alumni Meet called Confluentia and honours distinguished alumni. Over the years, several College students have distinguished themselves in various fields. J.S. Arya (IDAS) is the current President of the Alumni Association.

Eminent ARSD Alumni

Mr. Rajkummar Rao

Actor, Winner of National Film Award

Maj Gen G S Talwar

Former ADG, NCC Delhi

Sh. Neeraj Shekhar

MP, Rajya Sabha

Mr. Satish Upadhyay

Vice Chairman, New Delhi Municipal Council

Mr. Sushil Kumar Gupta

MP, Rajya Sabha

Dr. Rajiv Chopra

Principal, DCAC

Mr. Kundan Kumar

IAS, Resident Commissioner, Bihar Bhawan, New Delhi

Mr. J. S. Arya

Retd. Indian Defence Accounts Service

Mr. Anuranjan Jha

Senior Journalist, Author

Eminent ARSD Alumni

Mr. Ramakant Goswami
Ex – minister in Delhi Government

Mr. Umesh Upadhyay
President and Media Director at Reliance Industries Limited

Mr. Ashish Sood
Co-in charge BJP, Jammu & Kashmir

Mr. Sudhir Chaudhary
Consulting Editor, Aaj Tak

Mr. Charu Kartikeya
Editor, DW Hindi

Mr. Sanjay Basak
Bureau Head,
The Asian Age

Mr. Jaspreet Jazz
Singer

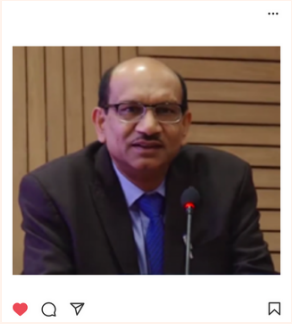

Dr. S. P. Aggarwal
Principal, Ramanujan College

Sh. Jaivir Rana
Municipal Councillor

In-house Interdisciplinary Research & Innovation Projects

The College is all prepared to launch the In-house Interdisciplinary Research and Innovation Projects Scheme with a view to encourage undergraduate research in the college and to inculcate innovative thinking in the students. The aim of this scheme is to provide minor funding support to the faculty to encourage the involvement of teachers and students in research initiatives in areas that go beyond the curriculum boundaries to provide solutions to collective problems in a more sustainable and efficient manner. The scheme envisions to encourage the faculty members and students of different departments of the College to collaborate through interdisciplinary research and innovation work by utilising their field expertise.

The objectives of the scheme are as under:

- To generate enthusiasm in exploring new ideas/ basic innovative scientific questions and carrying them through by means of practical output.
- To promote the research and innovation environment in our ecosystem.
- To support application-oriented research to solve real-world problems.
- To focus on developing affordable innovations that can benefit a large section of society and at the same time be commercially viable and sustainable.
- To empower the PIs to generate additional financial support for their projects from external funding agencies.

The scheme proposes to fund the interdisciplinary research and innovation projects that are of maximum 2 years duration. The maximum funding support permissible per project is ₹2.5 lakh per project, subject to the decision of the Project Selection Committee. Each project will be engaging 3-4 faculty members and 4-5 students. Other details regarding the project are available on the college website.

RULES AND REGULATIONS

Internal Assessment Scheme

University of Delhi

1. That Internal Assessment is applicable to the students from the academic session 2022 onwards.

2. (a) 5% weightage be given for regularity in attending lectures and tutorials. That the credit regularity in each paper, based on attendance, shall be as follows

	Marks Out of 6	Marks Out of 5	Marks Out of 2
a) More than 67% but less than 70%	1.2	1	0.4
b) 70% or more but less than 75%	2.4	2	0.8
c) 75% or more but less than 80%	3.6	3	1.2
d) 80% or more but less than 85%	4.8	4	1.6
e) 85% and above	6.0	5	2.0

(b) Benefit of Medical Certificate is NOT given while calculating marks to be awarded for regularity. However, medical certificates shall continue to be taken into account for the purpose of calculating to appear for examinations.

3. That in case of students who repeat one or more paper(s), or all papers or Part I, Part II or Part III, the Internal Assessment marks shall be carried forward.

4. (i) That in the case of a student who is selected as a member of the N.C.C. to participate in the annual N.C.C. Camps or is deputed to undertake Civil Defense work and allied duties, or in the case of a student who is enrolled in the National Service Scheme and is deputed to various public assignments by or with the approval of the Head of the institution concerned, or a student who is selected to participate in sports or other activities organized by the inter-university Board or in national or international fixtures in games and sports approved by the Vice-Chancellor, or a student who is required to represent the University at the Inter University Youth Festival, or a student who is required to participate in periodical training in the Territorial army, or a student who is deputed by the College to take part in Inter-College sports, fixtures, debates, seminars, symposia or social work projects, or a student who is required to represent the College concerned in debates and other extracurricular activities held in other Universities or such other activities approved by the Vice-Chancellor, the following provisions will apply:

A student participating in activities listed in 4(i) above will also have to fulfill the above conditions regarding class test, written assignments, projects, etc.

For students participating in activities listed in 5(i) above while calculating the total no. of lectures delivered in the College, for their course of study in each academic year, the no. of lectures etc., in each subject delivered, during the period of absence for that purpose shall not be taken into account [Ord,V11.2.(9) (a) [0]

A student in the categories listed in 5(i) above, will get the benefits of attendance for Internal assessment for the classes missed as per the existing provisions of Ordinance VII.2.(9) (a) (1).

Every student is supposed to attend not less than two-thirds of lectures and practical's delivered in the College separately for his

course of study in each academic year.
The Principal of a college may consider, on the basis of the Medical Certificates produced, exceptionally hard cases of students who had fallen seriously ill or had met with an accident during the year disabling them from attending classes for a certain period, with a view to determining whether the lectures etc. delivered during the said period, or a part thereof, could be excluded for purposes of calculation of attendance of the year and decide each case on his own merits.

Rules For Attendance

(1) In the matter of attendance in lectures/ tutorials/ preceptorials and practicals, students of the College are governed by the rules and regulations of the University of Delhi (University Calendar, Vol. II, Page 36, 37). No student is eligible to take a University Examination unless he/she has attended separately at least two thirds of the lectures, tutorials/ preceptorials, practicals held The parents/ guardians of the students are requested to ensure that their ward(s) fulfill the requirement of attendance so as to avoid detention from taking the University Examination at the end of the academic year. The College displays the list of students with shortage of attendance at the end of the first and second term. The College also sends warning letters to parents/guardians at the end of first and second term giving attendance position of their respective wards).
(2) All application for leave of absence due to illness must be supported by a medical certificate from competent authority and should be submitted within seven days of resumption of class. This rule will be strictly enforced while giving benefit of attendance on medical grounds.
(3) Students can check their monthly attendance on the college website www.arsdcollege.ac.in.

Discipline

(1) Every student admitted to the College is required to maintain discipline and good conduct in and outside the College during the period of his/ her stay in the College. A student shall be liable to disciplinary action for any act of indiscipline. Disciplinary action may involve warning, fine and/or suspension from classes or even from the College (Ordinance XV(B) and XV(C) of the University).
(2) Students shall conduct themselves in a civil and dignified manner and desist from any offensive behavior toward any section of the College community. Uncivilized behaviour and/ or language shall be strictly dealt with.
(3) Any act of violence, ragging and any form of sexual harassment will invite severe punishment. Complaints regarding the above may be directed to the Principal, Members of the Discipline Committee or Members of the committee against sexual harassment.
(4) The students are advised not to bring outsiders with them in the College premises. If any outsider is found indulging in activities resulting in indiscipline, he/ she shall be invariably handed over to the police and strict disciplinary action shall be taken against the student who brought such outsiders in the College premises.
(5) Students shall maintain silence in classroom and desist from disorderly behaviour. They must not loiter in the corridors or in front of classrooms. During their free periods, students are advised to work in library, or spend time in the common room without causing any disturbance.
(6) Student shall take proper care of the College furniture and fixtures. They must not cause any damage to the College property.

Ordinance XV-B Maintenance of Discipline Among Students of the University

(1)All powers relating to discipline and disciplinary action are vested in the Vice-Chancellor.

(2)Without prejudice to the generality of power to enforce discipline under the Ordinance, the following shall amount to acts of gross indiscipline:

· Physical assault, or threat to use physical force, against any member of the teachingand non- teaching staff of any Institution/ Department and against any studentwithin the University of Delhi.

Carrying of, use of, or threat of use of any weapons.

· Any violation of the provisions of the Civil Right Protection Act, 1976.

· Violation of the status,dignity and honour of students belonging to the scheduled castes and tribes.

·Any Practice-whether verbal or otherwise derogatory to women.

·Any attempt at bribing or corruption in any manner.

·Willful destruction of institutional property.

·Creating ill-will or intolerance on religious or communal grounds.

·Causing disruption in any manner of the academic functioning of the University system.

·Prohibition of Ragging as per Ordinance XV – C

(3) Without prejudice to the generality of his/ her powers relating to the maintenance of discipline and taking such action in the interest of maintaining discipline as may seem to him/ her appropriate, the Vice Chancellor, may in the exercise of his/her aforesaid order or direct that any student or students:

· be expelled; or

· any student or students be, for a stated period,rusticated; or

· be not, for a stated period,admitted to a course of study in a College,department or institution of the University; or

· be fined with a sum of rupees that may be specified; or

· be debarred from taking a University or College or Departmental Examination or Examinations for one or more years; or that the result of the student or students concerned in the Examination or Examinations in which he/she or they have appearedbe cancelled.

(4) The Principles of the College, Heads of the Halls, Deans of Faculties, Heads of Teaching Departments in the University, the Principal, School of Open Learning and Librarians shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over students in their respective Colleges, Institutions, Faculties and Teaching Departments in the University as may be necessary for the proper conduct of the Institutions, Hall and teaching in the concerned Departments. They may exercise their authority through, or delegate authority to, such of the teachers in their Colleges, Institutions or Departments as they may specify for these purposes.

(5) Without prejudice to the power of the Vice Chancellor and the Proctor as aforesaid, detailed rules of discipline and proper conduct shall be framed. These rules may be supplemented, where necessary, by the Principals of Colleges, Heads of Halls, Deans of Faculties and Heads of Teaching Departments in this University. Each student shall be expected to provide himself/herself a copy of these rules. At the time of admission, every student shall be required to sign a declaration that on admission he/she submits himself/herself to the disciplinary jurisdiction of the University who may be vested with the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and the rules that have been framed therein by the University.

Ordinance XV-C Prohibition and Punishment for Ragging

In its strictest measures to curb the menace of ragging, the Supreme Courthas set punishment for it. In case of harassment either physically or mentally of freshers by seniors or any other student, such students will be booked by the police (by registering F.I.R.), expelled
from the College and denied future admissions.

(1) Ragging in any form is strictly prohibited, within the premises of college or Institutions and any part of Delhi University system as well as on public transport.

(2) Any individual or collective act or practice or ragging constitutes gross indiscipline and shall be dealt with under this Ordinance.

(3) Ragging for the purposes of this Ordinance, ordinarily means any act, conduct or practice by which dominant power or status of senior students is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior or inferior by other students and includes individual or collective acts or practices which

·involve physical assault or use or physical force;

·violatethe status, dignityand honour of women students;

·violate the status,dignity and honour of students belonging to the scheduled castes and tribes;

·expose students to ridicule and contempt and affect their self-esteem;

-entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behaviour.

(4) The Principal of a College,the Head of the Department or an Institution, the authorities of College, or University Hostels, of Halls of Residence shall take immediate action on any information of the occurrence of ragging.

(5) Notwithstanding anything in Clause (4) above, the Proctor may also enquire into any incident or ragging and make a report to the Vice-Chancellor of the identity of those have engaged and the nature of the incident.

(6) The Proctor may submit an initial reportestablishing the identity of the perpetrators of ragging and the nature of the raggingincident.

(7) If the Principal of a College or Head of the Department or Institution or the Proctor is satisfied that for some reason, to be recorded in writing, it is not reasonably practical to hold such an enquiry, he/ she may so advise the Vice-Chancellor accordingly.

(8) When the Vice-Chancellor is satisfied that it is not expedient to hold such an enquiry, his/ her decision shall be final.

(9) On the receipt of a report under clause (5) or (6) or a determination by the relevant authority under clause 7 disclosing the occurrence of ragging incidents described in clause 3(a) (b) and (c),the Vice-Chancellor shall direct or order rusticating of a student for a specificnumber of years.

(10)The Vice-Chancellor may in other cases of ragging order or direct that any students be expelled or be not for a stated period, admitted to a course of study in a college/ departmental examination for one or more years or that the result of the student or students concerned in the examination or examinations in which they appeared be cancelled.

(11) In case where students who have obtained degree or diplomas of Delhi University are ound guilty under this ordinance, appropriate action will be taken under Statute 15 for withdrawal of degrees or diploma conferred by the University.

(12) For the purpose of this ordinance abatement to ragging will also amountto ragging.

(13) All institutions within the Delhi University system shall be obligated to carry out instruction/ directions issued under this ordinance, and to give aid and assistance to the Vice-Chancellor to achieve the effective implementation of the Ordinance.

Note: Order of the Vice-Chancellor in pursuance of Ordinance XV -C:

Where incident(s) of ragging are reported to the Vice-Chancellor by any authority under this Ordinance, the student(s) involved in ragging, shall be expelled for a specified term, designated in the order. Non-students involved in reports of ragging will be proceeded with under the criminal law of India; they will also be rendered ineligible for a period of five years from seeking enrolment in any of the institutions of the University of Delhi. Students against whom necessary action is taken under this note, will be given post decisional hearing, with strict adherence to the rules of natural justice.

Ordinance XV-D

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (Ministry of Law and Justice)

An Act to provide protection against sexual harassment of women at workplace and for the prevention and redressal of complaints of sexual harassment and for matters connected therewith incidental thereto.

WHEREAS sexual harassment results in violation of the fundamental rights of a woman to equality under articles 14 and 15 of the Constitution of India and her right to life and to live with dignity under article 21 of the Constitution and right to practice any profession or to carry on any occupation, trade or business which includes a right to a safe environment free from sexual harassment;

AND WHEREAS the protection against sexual harassment and the right to work with dignity are universally recognized human rights by international conventions and instruments such as Convention on the Elimination of all forms of discrimination against Women, which has been ratified on the 25th June,1993 by the Government of India. AND WHEREAS it is expedient to make provisions for giving effectto the said Convention for protection of women againstsexual harassment at workplace.

For details see the website :

http://ncw.nic.in/sites/default/files/SexualHarassmentofWomenatWorkPlaceAct2013_0.pdf

Provision for Students with Disabilities

Our Institute provide special facilities for students with disabilities in the form of following:
·University of Delhi, through its Equal Opportunity Cell, offers a full fee wavier to all differently-abled students.
·Wheel chairs, customized washrooms, etc., are provided to students with orthopedic disabilities.
·Ramps, books in Braille script, and other facilities are available in the Library for visually challenged students.

People to Help You

Name	Designation	Contact Number	Email id
Mr. Vineet Kumar Mishra	Administrative Officer (Office)	8368266559	vkmishra2651@yahoo.com
Ms. Sonia Mange	Administrative Officer (Accounts)	9958916506	soniachauhan317@gmail.com
Mr. Rajesh Makkar	Section Officer (Office)	9810911067	makkarrajesh6@gmail.com

Dealing Assistant (Stream Wise)

Name	Stream	Contact Number	Email id
Mr. Manhar Kumar	Science	9811571242	manhararsd2016@gmail.com
Mr. Om Prakash	Commerce	7065131770	prakasharsd2019@gmail.com
Mr. Baisakhu Ram Raturi	Arts	9717164550	raturiarsd@gmail.com

Students' Achievements

Name of the Student	Name of the Award/ Medal	University/State/ National/International
Sunhit Bishnoi	IGU Delhi State NCR Cup at Delhi Golf Cup (1st position in Gentlemen Amateur)	National
Jatin	Silver	University
Preeti Saini	Gold	University
Saloni Rajput	Gold	State
Hardik Sharma	Second position in Sketch Walk at Lodhi Gardens by Virtuoso SGGSCC	University
Riddhi Gupta	Runner up position in solo dance held by IIIT Vadora	University
Harshita Sachdeva	Dance	National
Muskan Singh Rana	Bronze medal in Delhi State Boxing Championship	State
Muskan Singh Rana	Silver medal in Delhi Olympic Association games	State
Risita Jain	Giant Jenga (Astir 3.0)	University
U. Sai Samhita	National Scholarship in the field of Carnatic Classical Vocal Music, Ministry of Culture	National
Priyanshu Yadav	Interschool Award	University
Raiyaan Akhtar	ASISC Sports Event (Gold)	University
Vanshika Gaur	Delhi State Volleyball	State

Name of the Student	Name of the Award/ Medal	University/State/National/International
Yash Yadav	Gold Medal	National
Satvick Kuri	Best Speaker	National
Sawan Hooda	CBSE Volleyball Championship Delhi 1st Position	University
Kritika Gupta	2nd Position in OP Jindal Fashion Competetion	University
Mohd Imran	Best Actor Male	University
Aditya Bhardwaj	Sanskrit Bharti College, 1st Position	University
Raba Chaudhry	Best Moderator	University
Neha Poal	1st position in URJASVA, DDUC	University
Neha Poal	2nd Position in Recitation Competition, Kalindi College	University
Aditya Sethi	Delhi State Senior Volleyball Championship for Men	State
Sarthak Sharma	Best Adjudicator LSRF PD	National
Sarthak Sharma	2nd best Adjudicator, Gargi College	National
Adarsh Pandey	North Eastern Vidya Bharti Regional Science Quiz	State
Pranshu Sharma	Best Interjector in Bilingual Conventional Debate	State
Manish Bhati	Represented Delhi University in All India Inter University Archery Championships and also selected to participate in Khelo India 2022	National

Name of the Student	Name of the Award/ Medal	University/State/National/International
Ujjawal Singh	Received Scholarship by Hana Bank Foundation, South Korea	International
Himanshu Nandal	2nd Gold Medal in 21st National Para Swimming Championship held at Udaipur	National
Lokesh Hans	Represented Delhi University in North Zone Inter University Chess Championship (4th Position)	National
Sunhit Bishnoi	2nd Position in TATA Steel PGTI	National
Ayush Yadav	Received Scholarship by Hana Bank Foundation, South Korea	International
Harsh Dahiya	Commissioned Officer	National
SUO Jaswant Singh	NCC Special Entry, 14 SSB Allahabad	National
CDT Sagar Yadav	NDA 148th Course	National
SGT Dhruv	NDA 148th Course	National
SGT Mohit Gandas	CDS IMA 154th Course	National

Alumni Testimonials

RAJKUMAR RAO

National Award Winning Actor

I started my theatre career from ARSD College in 2003 under the banner of Rangyan - The Dramatic Society of our college. Under the convenership of Dr. Gyantosh Kumar Jha presently the principal of ARSD College, I was given a chance to play a lead role in the play titled 'Ek Tha Gadha'. From there onwards I worked hard and overcame each and every obstacle to achieve success in my life. I think that hard work is the key to success. Being given a chance, I think some of us would like to re live our college days and I happen to be one of those. I am proud to be an ARSDian....

Singer

The three years I spent in ARSD college were the three most precious years of my life. This college has given me the most amazing experiences. The faculty, on seeing my interest in music and art, immediately directed me towards the Cultural Society which introduced me to the world of theatre. This led to my first composition, for the background score of a play. Academically, the professors were always helpful and patient with me. I thank the gods that I got a chance to be a part of ARSD college. It prepared me for the real world. My formative years at ARSD gave me the confidence to move cities and to venture into unknown territories. Thinking about my days at ARSD, its campus and canteen, my friends and faculty members always puts a smile on my face.

JASPREET JASZ

दीपक तेनगुड़िया

पत्रकार, द लल्लनटॉप

कैलेंडर के लिहाज से देखूं तो 7 बरस पहले जब पहली बार दिल्ली आया था तो लगा था, हफ्ते भर में वापसी की रोडवेज लेनी होगी. लेकिन, एआरएसडी परिवार के प्रोफेसर्स और दोस्तों ने वापसी को सिर्फ़ डीटीसी तक समेट दिया. लाइब्रेरी और डिबेट्स का ऐसा चस्का लगा कि लगता है यहां न आता तो शायद कहीं न पहुंच पाता. आप सभी ने मेरी अपूर्णताओं और अनगढ़ताओं को खूब प्रेम और विनम्रता से संवारा. इसका मोल जीवन भर भी न चुकेगा.

SATISH UPADHYAY

Former President Delhi Unit, (BJP)

According to my personal experiences, I believe that a school plays very important role to guide a student in the right direction in his life. After completing my school, I took admission in the North Campus of Delhi University but at that my primary concern was to look for the college which was closer to my home. Keeping that in my mind, I took admission in A.R.S.D. College. This proved to be a turning point in my life. One more interesting thing about the college was that student of different political organisations like Congress, Vidyarthi Parishad, etc. used to work collectively and with togetherness without any grudges. In this way by participating in the group societies and events, in which I sometimes had dialogue for work on different subjects with the Principal Sir, the staff of the college and students who had the experience of doing dialogue gave me clarity on my vision about good governance.

What more can I say, A.R.S.D. College made my foundation strong, with which I am able to perform many tough obligations efficiently. There is a strong bond between me and this college which still exists till date even after graduating long way back.

University Gold Medalist
Ph.D. Student at ScAI, IIT Delhi
Batch of 2019-22

SUDIPTO GHOSH

The faculties at ARSD College have immensely helped me to build strong foundations and were the greatest highlight of my experience. I cherish the experiences I shared with my Enactus ARSD family. The college has helped me grow holistically and pushed me to scale new heights, to go all in and never look back. The mentorship and push that I got at the college have helped shape who I am today. I am glad that I was able to tap into the opportunities and network that my college provided

J.S.ARYA

I.D.A.S.(Retired)

I am an ARSD College alumni who graduated in 1976. It almost seems ancient! Looking at the high point in reputation and rankings today, 1976 was really ancient and far behind. Personally, after meandering through two - three jobs, I ended up in the Civil Services – the 'Ultimate Career' in those times. Over a period of time, a lot of Alumni have done well and are shining stars in their own fields. The College too is, today, a shining star with highest score in NAAC rankings in Delhi University and 6th all India rank in NIRF rankings. Today all older alumni swell up with pride and tell their children and in some cases grandchildren that they are alumni of ARSD College. The younger alumni and students are of course living the moment! This tremendous change is a result of the hard work of the faculty with a aspiring leadership from the Principal. The college today competes with likes of Hindu College, Miranda House and others. From not on the 'radar of toppers' the College has made it to the "sought after" college list. For all youngsters who have joined ARSD College and to those aspiring to do so, I can say with confidence that you are in a centre of excellence and let nothing hold you back. Reach your full potential. You have the backing of a great academic team, a visionary Principal and they will together mentor you to your full potential whatever be your chosen field of study or aspiring career.

Director, ACES Infotech

MR. S. ADDY

Atma Ram Sanatan Dharma College is not only an institution, but a habit that grows into you. From the cradle of a school, when one steps into a college, an institution like ARSD accepts you with open arms and integrates you into the system. The kind of freedom and independence I have had during my tenure as the President of the English Debating Society, English Association, Secretary of the Physics Society, will linger in my mind throughout my life. Being a student of B.Sc. (Honours) in Physics, the academics had to be taken seriously, but I could not thank my Professors enough for adjusting my practical classes, as I was also deeply involved into extra-curricular activities.

My Professors in the Department of English, especially Professor Vikram Chopra helped me a lot with the contents of my Debating, Declamation and Elocution, making me one of the best orators of my time in the University of Delhi.

Those were the unforgettable days...

Now, the college has undergone a complete transformation and has attained the 6th position in the NIRF rankings and has added verticals in all round activities in Vocational Education, Skill Development and many many more. The campus looks even more beautiful and infrastructural development has undergone a quantum leap.

My heart fills with pride witnessing such all-round Development.

I salute my "Alma mater "...

JASWANT SINGH CHOUHAN

Gentleman cadet in Indian Military Academy Batch of 2019-22

I am an ex-Senior Under Officer Jaswant Singh Chouhan, my journey with ARSD NCC has been transformative, teaching me invaluable lessons in camaraderie, brotherhood, leadership, discipline, and time management.

I am proud to share that I have been recommended four times in SERVICES SELECTION BOARD including AFCAT, NCC Special Entry, and CDS IMA. I achieved an All India Rank of 16 in CDS IMA and an All India Rank of 2 in AFCAT.

Aviator, Indian Army Batch of 2016-19

CAPTAIN RAJAT BHANDARI

I joined the Indian Military Academy in Jan 2020 and got commissioned on 12 June 2021. Studying at ARSD has been a transformative experience for me. It has been nothing short of exhilarating and enriching. The college's storied legacy and academic excellence drew me in, but it was the dynamic campus life that truly captivated me. The professors here are not only expert in their fields but also passionate about teaching, thereby, encouraging critical thinking and independent research, pushing us to delve deeper into subjects. They've inspired me to push the boundaries of my intellectual capabilities. The friendships I've formed here are invaluable, with peers from diverse backgrounds, each bringing unique perspectives and experiences.

This diversity has enriched my understanding of the world and has been a cornerstone of my personal growth. Extracurricular activities are an integral apart of life at ARSD. I have actively participated in various events and societies, such as TECH-A-THON : the annual fest of computer science department, Nimbus - the debating society, Enactus. These activities have honed my leadership and organizational skills which helped me in my SSB interview also. The campus buzzes with energy, events and festivals adding color to the college life.

ANSH CHOWDHARI

JKAS Designation: AO (Prob)

My alma mater was indeed a catalyst in my growth journey that, apart from spurting my leadership capabilities, whetted my entire personality. It groomed me to face the new challenges of life. The relationships that I was able to forge here were instrumental in my overall growth and betterment. I feel honoured to be a part of this cherished and noble institution of India.

Lieutenant in Indian army
Batch of 2019-22

LT LUCKY SHARMA

joined ARSDC in 2019 with the hope of getting opportunities in various fields. It proved to be true later, as I got multiple opportunities in sports, academics, NCC, and the mountaineering club. This institution has given me directing hands and teachers whose lessons I still remember and implement today. Being an army officer is adventurous as well as challenging, but the teachings that I got at ARSDC shaped me in such a way that it feels easy and simple now. I enjoyed my education at ARSDC and made some memories that will last with me.

CREATIVE CORNER

Editorial Board

PROF. GYANTOSH KUMAR JHA, PRINCIPAL

PROF. VINITA TULI, IQAC COORDINATOR

DR. PRIYANKA KULHARI

DR. INDERJEET KUMAR JHA

DR. NISHA JHA

DR. ANUSHRUTI

DR. ARVIND MISHRA

DR. GEETA DEVI

MS. MANISHA BAGRI

MR. BARUN KUMAR JHA

Student Designing Team

HIMANSHI
2ND YEAR

JAGDISH KUMAR
2ND YEAR

DIYA
2ND YEAR

Atma Ram Sanatan Dharma College
University of delhi

Dhaula Kuan, New Delhi - 110021
Phone : +91 11 24113436, 24117508
E-mail : principal.arsdcollege@gmail.com, principal@arsd.du.ac.in